www.navpradesh.com
दैनिक
नव प्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...
अंदर के पृष्ठों पर ◆◆ 2 | छत्तीसगढ़ 4 | अभिव्यक्ति 11 | कारोबार/खेल
बिलासपुर, शुक्रवार, 15 मई 2026 शुक्ल पक्ष-त्रयोदशी, विक्रम संवत -2083 / वर्ष-12 अंक- 33 पृष्ठ-12 मूल्य-5 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

A new spectrum of future-ready programs

Now in Central India, at Rungta University.

For the first time in Central India, Rungta University brings together future-ready programs in Law, AI, Media, Forensic Sciences, Public Health, Engineering, Management, and more, all in one place.

IAS Officer
- B.A. with Integrated UPSC coaching
- Ten-Month IAS Programme

Forensic Expert
- B.Sc. (Forensic Science)
- M.Sc. (Forensic Science)
- Diploma (Forensic Science)

Filmmaker
- BA / B.Voc. (Film Making)
- D.Voc. (Film Making)

Lawyer
- B.A. LL.B (Hons.)
- B.Com. LL.B (Hons.)
- LL.M. (Corporate & Commercial Law / AI, Cyber & Technology Law)

JOINT DEGREES & CERTIFICATIONS WITH GLOBAL LEADERS

RIU offers Joint Degree programmes in collaboration with

Accreditations & Recognitions
- NAAC Accredited "A" Grade
- NBA Accredited Since 2007
- nirf Ranked in Innovation
- CAREERS360 Rated "AAAA" for Engineering

COURSES OFFERED

School of Computer Science and Engineering
- B.Tech. (Computer Science & Engineering) in association with Google
- B.Tech. CSE (AIML) in association with IBM
- B.Tech. CSE (AI / AIML / Data Science) in association with Google
- B.Tech. (Cyber Security) in association with EC Council
- M.Tech. (Computer Science & Engineering)
- Diploma (Computer Science & Engineering)

School of Management & Commerce
- BBA
- BBA (Global)
- BBA (Business Analytics) in association with IBM
- BBA (AI & Emerging Technologies) in association with Google
- BBA (Digital Branding & Advertising)
- MBA
- MBA (Global)
- B.Com.
- B.Com with ACCA in Association with Grant Thornton (GT)

School of Law
- B.A. LL.B (Hons.)
- B.Com. LL.B (Hons.)
- LL.M. (Corporate & Commercial Law / AI, Cyber & Technology Law)

School of IT
- BCA (AIML / Data Science / Full Stack) in association with Google
- MCA (AIML / Data Science / Full Stack) in association with Google
- PGDCA
- DCA

School of Engineering and Technology
- B.Tech. (Civil / Electrical / Electronics & Telecommunication / Mechanical / Mining)
- M.Tech. (Structural)
- Diploma (Electrical / Mechanical)

School of Life Sciences
- B.Sc. (Biotechnology with Zoology / Botany)
- B.Sc. (Forensic Science)
- M.Sc. (Biotechnology)
- M.Sc. (Forensic Science)
- Diploma (Forensic Science)
- Master in Public Health

School of Humanities
- B.A. with Integrated UPSC coaching
- Ten-Month IAS Programme

School of Pharmacy
- B.Pharmacy
- D.Pharmacy
- M.Pharmacy (Pharmaceutics / Pharmacology / Pharmaceutical Chemistry)
- B.Pharmacy (Practice)

School of Sustainable Development
- BBA - Sustainable Development, ESG & CSR
- B.Voc - Sustainable Development, ESG & CSR
- MBA - Sustainable Development, ESG & CSR
- Executive MBA - Sustainable Development, ESG & CSR

School of Research Programmes
- PhD (Engineering / Applied Sciences / Pharmacy / Computer Science / Humanities, etc.)

School of Film & Media
- B.A. / B.Voc. (Film Making)
- D.Voc. (Film Making)

School of Education
- D.Ed.
- B.Ed.
- M.Ed.

Rungta Educational Campus : Kohka-Kurud Road, Bhilai ✆ 9015 44 77 22
Raipur City Office : Shop No. FF-1 & FF-2, First Floor, Shyam Plaza, Pandri, Raipur ✆ 8880 48 88 70

ADMISSIONS OPEN

RUNGTA INTERNATIONAL SKILLS UNIVERSITY
Approved by UGC u/s 2(F)
27 YEARS OF DEVELOPING BRIGHT FUTURES

मां दंतेश्वरी के आशीर्वाद से भाजयुमो की नई टीम का आगाज़, ईंधन बचत संदेश के समर्थन में बाइक रैली निरस्त

- पदयात्रा और आतिशबाजी के साथ युवा मोर्चा ने दिखाया उत्साह
- पीएम मोदी के ईंधन बचत संदेश के समर्थन में निरस्त की गई बाइक रैली

जगदलपुर/ नवप्रदेश। नव प्रदेश भारतीय जनता युवा मोर्चा बस्तर की नवीन जिला एवं मंडल कार्यकारिणी के गठन के बाद नवनियुक्त पदाधिकारियों ने बुधवार को माँ दंतेश्वरी का आशीर्वाद लेकर अपने नए कार्यकाल का शुभारंभ किया। भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक के बाद युवा मोर्चा की पूरी टीम ने भव्य पदयात्रा निकालकर शक्ति प्रदर्शन किया।

बैठक में नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए संगठन की आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की गई। वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में युवा कार्यकर्ताओं ने पार्टी की रीति-नीति को जन-जन तक पहुंचाने और संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। बैठक के बाद भाजपा कार्यालय से सिरहासार स्थित माँ दंतेश्वरी मंदिर तक विशाल पदयात्रा निकाली गई। प्रधानमंत्री Narendra Modi के ईंधन बचत आह्वान को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित बाइक रैली को निरस्त कर पदयात्रा का निर्णय लिया गया।

हाथों में पार्टी का ध्वज लिए युवा कार्यकर्ताओं का जत्था जब शहर की सड़कों से गुजरा तो 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम्' और 'भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद' के नारों से वातावरण गूंज उठा। पदयात्रा के दौरान शहर के विभिन्न स्थानों पर आतिशबाजी कर नवनियुक्त टीम का स्वागत किया गया, जिससे उत्सव जैसा माहौल निर्मित हो गया।

सिरहासार पहुंचकर भाजयुमो पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने माँ दंतेश्वरी मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की और संगठन की मजबूती तथा जनसेवा के लिए शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि नई कार्यकारिणी की ऊर्जा और उत्साह से बस्तर में भारतीय जनता पार्टी को नई मजबूती मिलेगी तथा सभी पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय होकर जनता की सेवा में जुटेंगे।

कार्यक्रम में निगम अध्यक्ष खेमसिंग देवांगन,भाजपा जिला महामंत्री रजनीश पानीग्राही,किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष योगेश ठाकुर, जनपद उपाध्यक्ष रितेश जोशी,भाजयुमो के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं पूर्वी मंडल अध्यक्ष अविनाश श्रीवास्तव, पश्चिम मंडल नगर अध्यक्ष प्रकाश झा,संजय उपाध्याय, जिला अध्यक्ष अभिलाष यादव, उपाध्यक्ष जीवनाथ मौर्य, आनंद झा, विकास पात्रो, अभिषेक तिवारी, भरत ठाकुर, जिला मंत्री डिकेश नाग, मयंक दीवान, विमल पाड़े, सोमप्रकाश जोशी, अनुष्का साहू, जिला कोषाध्यक्ष कृष्णा निषाद, सह कोषाध्यक्ष राहुल सोनी, जिला मीडिया प्रभारी रोहन घोष, मोरध्वज सेठिया,तमिश नायडु, पंकज राठौर, विवेक साहू, प्रतिक नायडु, विक्रम सिंह ठाकुर, दीपक पाण्डे, तेजस्वीता घोष, मुकेश शर्मा, जशवंत जोशी, जितेन्द्र बाकडे, शुभेन्द्र भदौरिया, आदर्श ठाकुर,राज देवांगन,रवि शर्मा, रवि नेताम, शरद श्रीवास्तव, प्राचीन तिवारी सहित भाजपा एवं भाजयुमो के अनेक पदाधिकारी और सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मां दंतेश्वरी के दर्शन के साथ संगठन विस्तार का संदेश

नवनियुक्त भाजयुमो टीम ने पदयात्रा और मंदिर दर्शन के माध्यम से संगठनात्मक एकजुटता और सांस्कृतिक आस्था का संदेश देने का प्रयास किया। पीएम मोदी के ईंधन बचत संदेश के समर्थन में बाइक रैली निरस्त कर पदयात्रा निकालना भी कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा। शहरभर में हुई आतिशबाजी और नारों के बीच युवा कार्यकर्ताओं का उत्साह देखने लायक रहा, वहीं वरिष्ठ नेताओं ने इसे संगठन के लिए नई ऊर्जा और आगामी राजनीतिक गतिविधियों का शुभ संकेत बताया।

न्यूज गैलरी

डीआरएम ललित बोहरा ने किया जगदलपुर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण

जगदलपुर/ नव प्रदेश। नव प्रदेश ललित बोहरा ने बुधवार को जगदलपुर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण कर यात्रियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं एवं अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत चल रहे विकास कार्यों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्टेशन परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों और आधारभूत सुविधाओं की प्रगति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान डीआरएम एवं उनके साथ मौजूद अधिकारियों ने सर्कुलेटिंग एरिया,रिटायरिंग रूम,रिले रूम, प्रतीक्षालय, फूड कोर्ट क्षेत्र,बुकिंग कार्यालय,पार्सल कार्यालय सहित अन्य रेलवे प्रतिष्ठानों का गहन निरीक्षण किया। स्टेशन भवन में किए जा रहे आधुनिकीकरण एवं यात्री सुविधाओं से जुड़े कार्यों का भी अवलोकन किया गया। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चौड़े फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) निर्माण, पार्किंग व्यवस्था के विकास तथा स्टेशन परिसर के सौंदर्यीकरण कार्यों की प्रगति पर विशेष जोर दिया गया।डीआरएम ने इसके बाद जगदलपुर-कोरापुट सेक्शन का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण भी किया। इस दौरान सिग्नलिंग सिस्टम, प्वाइंट्स एवं क्रॉसिंग,ट्रैक नवीनीकरण,यार्ड रीमॉडलिंग, नई लाइन संचालन, पुल एवं सुरंगों सहित विभिन्न सुरक्षा एवं अधोसंरचना कार्यों की स्थिति का जायजा लिया। उक्त जानकारी वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक के पवन कुमार ने दी।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखे-अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत जगदलपुर रेलवे स्टेशन में यात्री सुविधाओं के विस्तार और आधुनिकीकरण का कार्य तेजी से जारी है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखने तथा तय समयसीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। रेलवे प्रशासन का उद्देश्य स्टेशन को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कर यात्रियों को बेहतर अनुभव उपलब्ध कराना है।

स्मार्ट मीटर का झटका, बढ़े बिजली बिल से उपभोक्ताओं में आक्रोश

जगदलपुर / नव प्रदेश। नव प्रदेश शहर में स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद बिजली उपभोक्ताओं को भारी-भरकम बिल मिलने से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। जहां पहले अधिकांश घरों का बिजली बिल 700 से 1200 रुपए के बीच आता था, वहीं अब कई उपभोक्ताओं को 3000 से 4200 रुपए तक के बिल मिल रहे हैं। अचानक बढ़े बिलों को लेकर लोगों में आक्रोश देखा जा रहा है और उपभोक्ता स्मार्ट मीटर की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा रहे हैं।उपभोक्ताओं का कहना है कि नए स्मार्ट मीटर सामान्य से अधिक तेजी से रीडिंग दर्ज कर रहे हैं। कई लोगों ने आरोप लगाया कि बंद पड़े घरों में भी हजारों रुपए का बिजली बिल भेजा गया है। बढ़े हुए बिजली बिल के कारण आम जनता आर्थिक दबाव महसूस कर रही है। लोगों का कहना है कि बिजली कंपनी विभिन्न चार्ज जोड़कर बिल की राशि बढ़ा रही है, लेकिन शिकायत करने पर स्पष्ट जवाब नहीं दिया जा रहा।कई उपभोक्ता शिकायत लेकर विद्युत कार्यालय पहुंचे, जहां उन्हे पहले बिल जमा करने और उसके बाद आवेदन देने की बात कही गई। इससे लोगों में नाराजगी और बढ़ गई है। उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया कि वास्तविक खपत की तुलना में तीन से चार गुना अधिक राशि का बिल भेजा जा रहा है, जिससे मध्यमवर्गीय परिवारों की परेशानी बढ़ गई है।

खरीफ ऋण वितरण, आधार सीडिंग और धान उठाव कार्यों की हुई समीक्षा

सहकारी बैंक की समीक्षा बैठक में खरीफ ऋण धान उठाव और पैक्स कम्प्यूटराइजेशन पर जोर

- बस्तर संभाग के चार जिलों के अधिकारियों को लक्ष्य पूर्ति के निर्देश

जगदलपुर / नव प्रदेश। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित जगदलपुर प्रधान कार्यालय के निर्देशानुसार माह मई-2026 की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। 14 मई 2026 को आयोजित बैठक में जिला बस्तर के साथ ही दंतेवाड़ा, बीजापुर एवं सुकमा जिले के नोडल अधिकारियों, शाखा प्रबंधकों एवं पर्यवेक्षकों ने भाग लिया। बैठक में खरीफ ऋण वितरण, धान उठाव, आधार सीडिंग तथा पैक्स कम्प्यूटराइजेशन सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में वर्ष 2025-26 की मांग वसूली की बैंक एवं समिति स्तर पर समीक्षा करते हुए वर्ष 2026 के अल्पकालीन खरीफ ऋण वितरण की प्रगति पर चर्चा की गई। इसके अलावा धान उठाव एवं लेखा मिलान, खाद-बीज भंडारण एवं वितरण, वास्तविक स्टॉक एवं पास मशीन स्टॉक के मिलान संबंधी कार्यों की स्थिति का भी जायजा लिया गया। अधिकारियों ने समितियों में कार्यों की समयबद्ध प्रगति सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

बैठक में साथी पोर्टल फेस-11 में एंट्री, पुनर्गठित समितियों को क्रियाशील बनाने, पैक्स कम्प्यूटराइजेशन अंतर्गत बैंक मिलान, ऑडिट, रियल टाइम डे-एंड तथा शाखा एवं समिति निरीक्षण की प्रगति की भी समीक्षा की गई। साथ ही आधार सीडिंग एवं डीईएएफ फंड अंतर्गत अनक्लेम्ड डिपॉजिट खातों के विरुद्ध पूर्ण किए गए केवाईसी तथा शेष ग्राहकों की सूची प्रेषण की स्थिति पर भी चर्चा हुई। अधिकारियों ने सभी शाखाओं को निर्धारित लक्ष्य समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए।बैठक की समीक्षा जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी केएस ध्रुव,अतिरिक्त प्रबंधक एसए रज़ा, विपणन अधिकारी एसके कनौजिया एवं मुख्य लेखापाल गौरव शर्मा ने की। बैठक में सभी जिलों के नोडल अधिकारी, शाखा प्रबंधक एवं पर्यवेक्षक उपस्थित रहे।

बैठक में इन विषयों पर रहा विशेष फोकसः खरीफ ऋण वितरण, धान उठाव एवं लेखा मिलान, खाद-बीज वितरण, पैक्स कम्प्यूटराइजेशन, साथी पोर्टल फेस-11 एंट्री, आधार सीडिंग, डीईएएफ फंड खातों का केवाईसी तथा शाखा निरीक्षण जैसे विषयों पर अधिकारियों ने विस्तार से समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। बैठक में बैंक स्तर से कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग और लक्ष्य पूर्ति सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया।

टीईटी उत्तीर्ण शिक्षकों की सेवा पुस्तिका में इंद्राज करने की मांग

- टीचर्स एसोसिएशन ने संयुक्त संचालक शिक्षा को सौंपा ज्ञापन

जगदलपुर/ नवप्रदेश। नव प्रदेशछत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन ने बस्तर संभाग में कार्यरत शिक्षक संवर्ग के टीईटी परीक्षा उत्तीर्ण होने संबंधी विवरण को सेवा पुस्तिका में दर्ज किए जाने की मांग उठाई है। इस संबंध में एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने संयुक्त संचालक शिक्षा, बस्तर संभाग को ज्ञापन सौंपकर आवश्यक आदेश जारी करने का आग्रह किया।ज्ञापन में कहा गया है कि राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद के निर्देशानुसार शिक्षक भर्ती के लिए टीईटी परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य है। ऐसे में बस्तर संभाग के उन शिक्षकों,जिन्होंने टीईटी परीक्षा पास की है,उनके सेवा अभिलेखों में इसकी टीप दर्ज किए जाने से शासन को समय-समय पर आवश्यक जानकारी प्रमाणिक रूप से उपलब्ध कराई जा सकेगी। एसोसिएशन ने इसे प्रशासनिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण बताते हुए जल्द आदेश प्रसारित करने की मांग की है। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रवीण श्रीवास्तव,जिलाध्यक्ष कांकेर स्वदेश शुक्ला एवं आईटी सेल प्रभारी कांकेर राजेंद्र खुड़श्याम ने संयुक्त रूप से ज्ञापन सौंपा।सेवा पुस्तिका में दर्ज होगा टीईटी विवरण-एसोसिएशन का कहना है कि सेवा पुस्तिका में टीईटी परीक्षा उत्तीर्ण होने की प्रविष्टि दर्ज होने से शिक्षक संबंधी सूचनाओं का संधारण अधिक व्यवस्थित होगा। इससे शासन स्तर पर मांगी जाने वाली जानकारी त्वरित एवं प्रमाणिक रूप से उपलब्ध कराई जा सकेगी।

लगातार दूसरे वर्ष पेपर लीक से छात्रों में आक्रोश

जगदलपुर /नव प्रदेश। लगातार दूसरे वर्ष नीट-यूजी परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक होने की घटना को लेकर बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सुशील मौर्य ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। जारी प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने कहा कि यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि भाजपा सरकार के संरक्षण में चल रहा एक सुनियोजित घोटाला है।

उन्होंने कहा कि एक बार पेपर लीक होना लापरवाही माना जा सकता है, लेकिन लगातार दूसरी बार ऐसी घटना होना केंद्र सरकार की कार्यप्रणाली पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। उनके अनुसार देशभर के लाखों छात्र पूरे वर्ष कठिन मेहनत कर परीक्षा की तैयारी करते हैं, लेकिन पेपर लीक जैसी घटनाएं उनके सपनों और भविष्य दोनों को नुकसान पहुंचा रही हैं। उन्होंने इस मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और एनटीए अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग की।सुशील मौर्य ने आरोप लगाया कि वर्ष 2024 के नीट पेपर लीक मामले में एनटीए के तत्कालीन महानिदेशक सुबोध कुमार सिंह को हटाने के बाद बाद में महत्वपूर्ण पदों पर समायोजित कर दिया गया।

योग शिविर का समापन, युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश

जगदलपुर। नव प्रदेश।शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय परिसर में 21 अप्रैल से 11 मई तक विश्वविद्यालय एनएसएस एवं पतंजलि योग समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 21 दिवसीय मेगा योग शिविर का सफलतापूर्वक समापन हुआ। शिविर में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य योग के माध्यम से शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

समापन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो मनोज कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है और वर्तमान समय में स्वस्थ जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है।

कुलसचिव डॉ राजेश लालवानी ने योग को अनुशासित एवं संतुलित जीवन का आधार बताया। शिविर के दौरान योग प्रशिक्षक प्रेमजीत निराला द्वारा प्रतिदिन विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया गया। प्रतिभागियों को ताड़ासन,वृक्षासन,भुजंगासन,त्रिकोणासन, पवनमुक्तासन,सूर्य नमस्कार, कपालभाति एवं अनुलोम-विलोम जैसे योगाभ्यासों की विधि और उनके लाभों की जानकारी दी गई।

लॉटरी प्रक्रिया से कक्षा पहली के विद्यार्थियों का चयन

- जनप्रतिनिधियों और पालकों की उपस्थिति में हुई पारदर्शी चयन प्रक्रिया
- स्वामी आत्मानंद स्कूल में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर परिणामों पर जोर

जगदलपुर। नव प्रदेश। पीएम श्री स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करपावंड में कक्षा पहली की रिक्त सीटों की पूर्ति के लिए लॉटरी पद्धति से चयन प्रक्रिया संपन्न की गई। इस दौरान जनप्रतिनिधियों, पालकों एवं शिक्षकों की उपस्थिति में पारदर्शी तरीके से विद्यार्थियों का चयन किया गया। संस्था के प्राचार्य दशमत कश्यप ने बताया कि चयनित विद्यार्थी कक्षा 12वीं तक अध्ययन कर सकेंगे तथा शासकीय विद्यालय होने के कारण उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ मिलेगा। इनमें मध्यान्ह भोजन, कक्षा पहली से दसवीं तक निशुल्क पाठ्य पुस्तक योजना, छात्रवृत्ति योजना एवं सरस्वती साइकिल योजना जैसी सुविधाएं शामिल हैं। उन्होंने विद्यालय का रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत करते हुए बताया कि वर्ष 2021 से संचालित इस संस्था का 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम लगातार 100 प्रतिशत रहा है तथा विद्यार्थियों के प्रवेश में निरंतर वृद्धि हो रही है।

प्राचार्य ने कहा कि विद्यालय में सभी विषयों के विशेषज्ञ शिक्षकों की पदस्थापना की गई है और शिक्षकों की कोई कमी नहीं है। उन्होंने प्राथमिक स्तर पर पालकों की सक्रिय भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए सभी पालकों से पीटीएम में नियमित रूप से उपस्थित होने तथा समय-समय पर स्कूल पहुंचकर विषय शिक्षकों से चर्चा करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पालक, शिक्षक और विद्यालय मिलकर कार्य करेंगे तो निश्चित रूप से करपावंड स्कूल प्रगति करेगा।

विद्यालय में छात्रावास सुविधा के लिए शासन को प्रस्ताव भेजे जाने की जानकारी भी दी गई। उन्होंने कहा कि छात्रावास स्वीकृत होने पर दूर-दराज क्षेत्रों से आने वाले अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को विशेष लाभ मिलेगा। जनपद अध्यक्ष सोनबारी भद्रे एवं उपाध्यक्ष तरुण पांडे ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अंग्रेजी माध्यम में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अब गरीब एवं ग्रामीण परिवारों के बच्चों के लिए भी सुलभ हो रही है। उन्होंने शिक्षकों से बेहतर परिणाम और विद्यालय को उच्च स्तर तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया।

उप चुनाव: 23 साल बाद बदले सियासी समीकरण, कांग्रेस की प्रतिष्ठा दांव पर, वार्ड चुनाव ने बढ़ाई राजनीतिक गर्मी

इंदिरा वार्ड में चुनावी बिगुल, कांग्रेस के 'गढ़' पर भाजपा की नजर

जगदलपुर। नव प्रदेश। शहर के चर्चित इंदिरा वार्ड क्रमांक-16 में होने वाले उपचुनाव ने नगर की राजनीति को पूरी तरह गरमा दिया है। पूर्व पार्षद अब्दुल रशीद के निधन के बाद खाली हुई इस सीट पर अब कांग्रेस और भाजपा आमने-सामने दिखाई दे रही हैं। लंबे समय से कांग्रेस का मजबूत गढ़ रहे इस वार्ड में इस बार मुकाबला बेहद दिलचस्प माना जा रहा है। वार्ड को भाजपा चुनाव जीतने में पूरी रणनीति के साथ योजनाबद्ध तरीके से जुटी है। युवाओं में चुनाव को खासा उत्साह भी देखा जा रहा है। उप चुनाव को लेकर शहर के गोल बाजार स्थित मेहरा वाच हाउस में भाजपा के युवा कार्यकर्ता देर शाम से रात तक चुनावी चर्चा में मशगूल है।

करीब 23 वर्षों तक इंदिरा वार्ड में कांग्रेस का वर्चस्व कायम रहा। पूर्व पार्षद अब्दुल रशीद और उनकी माता दोनों इस वार्ड का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। मां-बेटे की इस राजनीतिक विरासत ने लगातार दो दशकों से अधिक समय तक कांग्रेस को मजबूत आधार प्रदान किया,जिसके चलते यह वार्ड कांग्रेस का अभेद किला माना जाता रहा है। गोल बाजार मेहरा वाच हाउस के संचालक व भाजयूमो के वरिष्ठ कार्यकर्ता धीरज मेहरा ने कहा उप चुनाव में भाजपा प्रत्याशी की जीत होगी। वरिष्ठ कार्यकर्ता नरेंद्र पाणिग्राही, मंडल महामंत्री मनोज पटेल,भजायुमो के पूर्व नगर अध्यक्ष विनीत शुक्ला भी पार्टी प्रत्याशी की जीत पर आश्वस्त होकर कहा कांग्रेस के गढ़ वाले इंदिरा वार्ड में कमल खिलाने पार्टी कमर कस लिया है।

इस उपचुनाव की अहमियत इसलिए भी बढ़ गई है क्योंकि कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं का राजनीतिक प्रभाव भी इसी वार्ड से जुड़ा रहा है। ऐसे में यह चुनाव केवल पार्षद पद तक सीमित नहीं माना जा रहा, बल्कि इसे कांग्रेस की संगठनात्मक ताकत और जनाधार की परीक्षा के रूप में देखा जा रहा है।

वहीं भाजपा ने भी इस बार पूरी ताकत झोंक दी है। पार्टी संगठन बूथ स्तर तक सक्रिय हो चुका है और चुनावी रणनीति पर लगातार काम किया जा रहा है। भाजपा की कोशिश कांग्रेस के पारंपरिक वोट बैंक में सेंध लगाकर पहली बार इस वार्ड में जीत दर्ज करने की है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह उपचुनाव आने वाले समय में शहर की राजनीति की दिशा तय करने वाला साबित हो सकता है। अब्दुल रशीद,पूर्व विधायक रेखचंद जैन और मिथलेश स्वर्णकार का राजनीतिक प्रभाव इस वार्ड को लगातार चर्चा में बनाए हुए है।

कांग्रेस के लिए प्रतिष्ठा, भाजपा के लिए अवसर

इंदिरा वार्ड का उपचुनाव दोनों प्रमुख दलों के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। कांग्रेस जहां अपने 23 साल पुराने राजनीतिक किले को बचाने की चुनौती से जूझ रही है,वहीं भाजपा इसे शहर की राजनीति में बड़ी एंट्री के अवसर के रूप में देख रही है। चुनावी सरगर्मियों के बीच वार्ड में बैठकों,जनसंपर्क और रणनीतिक गतिविधियों का दौर लगातार तेज हो गया है।

पीएम के आह्वान का असर, मंत्री केदार ने शुरू किया इलेक्ट्रिक वाहन का उपयोग

जगदलपुर (नवप्रदेश)। नव प्रदेश। वैश्विक परिस्थितियों और ऊर्जा संरक्षण को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से की गई अपील का असर अब जनप्रतिनिधियों के व्यवहार में भी दिखाई देने लगा है।

छत्तीसगढ़ के वन मंत्री केदार कश्यप ने ईंधन बचत और संसाधनों के संतुलित उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इलेक्ट्रिक वाहन का उपयोग शुरू कर दिया है।मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री के विचारों को केवल सुनने तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि उन्हें जीवनशैली और दैनिक व्यवहार में भी अपनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत की दिशा में आगे बढ़ते हुए ऊर्जा संरक्षण और संसाधनों का संतुलित उपयोग आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है। उन्होंने बताया कि वे लंबे समय से अनावश्यक संसाधनों के उपयोग से बचने का प्रयास करते रहे हैं।उन्होंने कहा कि मंत्री बनने के बाद भी उन्होंने अपने काफिले में वाहनों की संख्या केवल दो तक सीमित रखी है, ताकि ईंधन की अनावश्यक खपत रोकी जा सके। इसके साथ ही शासकीय बंगले में उपयोग के लिए उपलब्ध अतिरिक्त वाहनों को वापस विभाग को सौंप दिया गया है, जिससे सरकारी संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित हो सके।मंत्री ने बताया कि रायपुर प्रवास के दौरान उनके साथ चलने वाली फॉलो पायलट गाड़ी को भी फिलहाल बंद कर दिया गया है। उनका कहना है कि इससे ईंधन की बचत के साथ लोगों के बीच व्यवहारिक संदेश भी जाएगा।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में वे इलेक्ट्रिक वाहन का उपयोग कर रहे हैं, जिससे पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिल रहा है।ऊर्जा संरक्षण को व्यक्तिगत जिम्मेदारी बताते हुए मंत्री ने कहा कि उन्होंने अपने निवास पर सोलर पैनल भी स्थापित करवाए हैं।

ऊर्जा सुरक्षा पर राजनीति नहीं होनी चाहिए : कश्यप

कांग्रेस द्वारा प्रधानमंत्री की अपील पर की जा रही बयानबाजी पर प्रतिक्रिया देते हुए केदार कश्यप ने कहा कि देशहित, ऊर्जा सुरक्षा और आत्मनिर्भरता जैसे विषय राजनीति से ऊपर हैं। उन्होंने कहा कि देशहित से जुड़ा मुद्दा है इस पर सभी को एकजुट होना चाहिए।

www.navpradesh.com

दैनिक **नव प्रदेश**

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ◆◆ 2 | छत्तीसगढ़ 4 | अभिव्यक्ति 11 | कारोबार/खेल

बिलासपुर, शुक्रवार, 15 मई 2026 शुक्ल पक्ष-त्रयोदशी, विक्रम संवत -2083 / वर्ष-12 अंक- 33 पृष्ठ-12 मूल्य-5 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

पेट्रोल-डीजल को लेकर हड़कंप: अफवाहों से बढ़ी भीड़, कई पंप हुए बंद, अफसर बोले- सप्लाई समान्य, पैनिक न हो

रायपुर के फ्यूल स्टेशनों में लंबी कतारें

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर समेत पूरे छत्तीसगढ़ में पेट्रोल-डीजल की सप्लाई को लेकर हड़कंप मच गया है। राजधानी में कई पेट्रोल पंपों पर ईंधन की कमी के कारण लंबी कतारें लग गई, जबकि कुछ पंपों को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा। बुधवार देर रात से लेकर गुरुवार सुबह तक शहर के कई इलाकों में लोग पेट्रोल-डीजल भरवाने के लिए घंटों लाइन में लगे रहे।

जयस्तंभ चौक, सरोना, भाठागांव, विधानसभा रोड, रायपुरा, महादेवघाट और टिकरापारा जैसे इलाकों में स्थिति ज्यादा गंभीर दिखाई दी। इंडियन ऑयल और एचपी के कई पंपों पर समय पर टैंकर नहीं पहुंचने से सप्लाई बाधित हो गई। हालात को देखते हुए कई पंप संचालकों ने सीमित मात्रा में पेट्रोल-डीजल देना शुरू कर दिया।

पंप संचालकों के मुताबिक, अफवाहों के चलते लोग जरूरत से ज्यादा ईंधन खरीद रहे हैं। अधिकांश वाहन चालक टंकी फुल कराने पहुंच रहे हैं, जिससे सामान्य तौर पर पांच से सात दिन तक चलने वाला स्टॉक दो-तीन दिन में खत्म हो जा रहा है। इसके अलावा तेल कंपनियों ने एडवांस भुगतान के बाद ही टैंकर रवाना करने का नियम सख्ती से लागू कर दिया है। कई पंप संचालकों ने समय पर भुगतान नहीं होने के कारण भी ■ शेष पृष्ठ 8 पर

सप्लाई नॉर्मल, पेट्रोल खत्म होने की अफवाह

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में फ्यूल स्टेशनों पर गाड़ियों की लंबी कतारें लगी हुई है। वहीं आमानाका पेट्रोल पंप में मैनेजर का कहना है कि फ्यूल की सप्लाई नॉर्मल है। लोगों में पेट्रोल खत्म होने की अफवाह फैली है। इस पर लोगों का कहना है कि कई जगह पेट्रोल पंप बंद है। पेट्रोल नहीं मिल रहा है। इसलिए लाइन में लगे हुए हैं। वहीं बिलासपुर में शहर और आउटर के करीब 13 पेट्रोल पंप पूरी तरह ड्राई हो चुके हैं। ज्यादा असर एचपीसीएल के पंपों पर है, जबकि बीपीसीएल के पंप में भी डीजल-पेट्रोल की कमी हो गई है। आईओसीएल के कुछ पंप ड्राई हुए हैं, लेकिन उन्हें अपेक्षाकृत जल्दी सप्लाई मिल जा रही है। बुधवार को टैंकर नहीं आने के कारण ज्यादातर सर्विस स्टेशनों में यही हालत रही। बताया गया कि पंप संचालकों ने तेल कंपनियों को भुगतान नहीं किया था, इसलिए टैंकर नहीं पहुंचे थे। अब कंपनियों को पेमेंट कर दिया गया है, जिसके बाद डिपो से टैंकर रवाना किए गए हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि ऐसे पंपों पर जल्द आपूर्ति बहाल हो जाएगी। बिलासपुर कलेक्टर ने कमर्शियल उपयोग के लिए पेट्रोल-डीजल देने पर बैन लगाया है। उन्होंने कहा कि जिले में बड़ी शॉर्टेज नहीं है और तेल कंपनियों के माध्यम से सप्लाई बहाल करने की प्रक्रिया जारी है। इसके अलावा दुर्ग-रायगढ़ में स्थिति सामान्य है।

पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त स्टॉक, अफवाहों से बचें: खाद्य सचिव

छत्तीसगढ़ खाद्य सचिव रीना बाबासाहेब कंगाले ने कहा है कि लोगों को घबराने या ज्यादा मात्रा में ईंधन खरीदने की जरूरत नहीं है। राज्य के ऑयल डिपो में लगातार पेट्रोल-डीजल की सप्लाई हो रही है और वितरण व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। खाद्य सचिव ने कहा कि पिछले दो दिनों में कुछ पेट्रोल पंपों पर स्टॉक खत्म होने और अफवाह फैलने से लोग जरूरत से ज्यादा पेट्रोल-डीजल भरवाने लगे। इससे अचानक मांग बढ़ गई और कुछ जगहों पर अस्थायी कमी की स्थिति बन गई। उन्होंने साफ कहा कि प्रदेश में पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं है। शासन और ऑयल कंपनियां लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। आम लोगों से अपील की गई है कि अफवाहों पर ध्यान न दें और जरूरत के अनुसार ही पेट्रोल-डीजल खरीदें।

पेट्रोल, डीजल, एलपीजी के दाम बढ़ने से अप्रैल में थोक मुद्रा स्फीति 8% के पार

नई दिल्ली (वार्ता)। पश्चिम एशिया संकट के कारण थोक बाजार में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस (एलपीजी) की कीमतों में भारी उछाल के परिणामस्वरूप अप्रैल में थोक मूल्य आधारित मुद्रास्फीति की दर साढ़े तीन साल के उच्चतम स्तर 8.3 प्रतिशत पर पहुंच गयी। अक्टूबर 2022 (8.39 प्रतिशत) के बाद पहली बार थोक महंगाई आठ फीसदी के पार दर्ज की गयी है। इससे पहले मार्च 2026 में थोक महंगाई दर 3.88 प्रतिशत रही थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल 2025 की तुलना में इस साल अप्रैल में पेट्रोल की थोक कीमत 32.40 प्रतिशत बढ़ गयी। डीजल की महंगाई दर 25.19 प्रतिशत और रसोई गैस (एलपीजी) की 10.92 प्रतिशत पर रही। कच्चे तेल एवं प्राकृतिक गैस की थोक महंगाई दर 67.18 प्रतिशत दर्ज की गयी। इस वर्ग में कच्चा तेल 88 फीसदी महंगा हुआ। तिलहनों के दाम भी 22.24 प्रतिशत और खनिजों के 12.15 प्रतिशत बढ़े। खाने-पीने की चीजें सस्ती हुई हैं। आलू की कीमत एक साल पहले के मुकाबले 30 प्रतिशत और टमाटर की 26 प्रतिशत घट गयी। दालें भी चार फीसदी सस्ती हुई हैं।

चक्रवाती तूफान और बारिश से यूपी में 54 मरे, कई घायल

लखनऊ (वार्ता)। उत्तर प्रदेश में बुधवार को चक्रवाती तूफान और बारिश ने जम कर कहर बरपाया। मौसम जनित हादसों में पूरे राज्य में 54 से अधिक लोग अकाल मृत्यु का शिकार हुये। प्रयागराज, भदोही, फतेहपुर, प्रतापगढ़,सीतापुर और बहराइच समेत कई जिलों में आंधी से सैकड़ों पेड़ धराशायी हो गये जबकि बिजली के खंभे उखड़ने से विद्युत आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई और कई इलाके अंधेरे में डूब गये। आंधी बारिश से दर्जनों कच्चे मकानों को भी नुकसान पहुंचा। कई लोग घायल हुए हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार देर रात बैठक कर आंधी, बेमौसम बारिश, आकाशीय बिजली गिरने की घटनाओं की समीक्षा की और 24 घंटे में पीड़ितों को मुआवजा देने के निर्देश दिये। योगी ने प्रभावित क्षेत्रों के जिलाधिकारी समेत संबंधित विभागों के अधिकारियों को मौके पर जाने के लिए कहा। उन्होंने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना की व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को अलर्ट मोड पर ■ शेष पृष्ठ 8 पर

प्रयागराज मंडल और पूर्वांचल में ज्यादा तबाही

सबसे ज्यादा तबाही प्रयागराज मंडल और पूर्वांचल में हुई। भदोही में 11 और फतेहपुर में दस लोगों के विभिन्न हादसों में जान गंवाने की सूचना है। फतेहपुर में हुसैनगंज थाना क्षेत्र के बमरौली गांव में एक कच्चा मकान गिरने से शिवांश (8), सिया कली (55), कल्पना देवी (25), श्रीदेवी तथा अनारकली (40) मलबे में दब गए। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों ने राहत कार्य शुरू किया और सभी घायलों को बाहर निकालकर एम्बुलेंस की मदद से उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा जहां चिकित्सकों ने सिया कली को मृत घोषित कर दिया, जबकि अन्य चार घायलों का इलाज जारी है। सीतापुर जिले में बुधवार दोपहर बाद आई तेज आंधी और वर्षा के दौरान आम का पेड़ गिरने से एक युवक की दबकर मौत हो गई। थाना इमलिया सुल्तानपुर क्षेत्र के राजपुर खुर्द गांव निवासी राहुल (18) गांव से कुछ दूरी पर स्थित आम के बाग में पशुओं को घर वापस ला रहा था। इसी दौरान तेज आंधी के चलते आम का एक बड़ा पेड़ अचानक गिर पड़ा, जिसकी चपेट में आने से राहुल की मौके पर ही मौत हो गई।

आज बेबाक

राजनीतिक पार्टियों का भट्टा बैठाने में उन पार्टियों के बड़बोले प्रवक्ताओं का सबसे बड़ा हाथ होता है जो अपने आकाओं को खुश करने जो मुंह में आए बकते रहते हैं। खुद को फिल्म अभिनेता राजकुमार से भी बड़ा डायलॉग किंग समझने वाले सपा प्रवक्ता राजकुमार भाटी खबरिया चैनलों की डिबेट में बहुत बकलोली करते हैं। इस बार एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने ब्राह्मणों की तुलना वेश्याओं से कर के नया बखेड़ा खड़ा कर दिया है। हालांकि बाद में उन्होंने माफी मांगी है लेकिन तीर कमान से निकल चुका है और ब्राम्हणों का श्राप पंचर सायकल वालों को भारी पड़ेगा।

ओवरटाइम घोटाला: सीडीएल के वाइस प्रेसिडेंट गिरफ्तार

■ **उदय के निर्देश पर बनते थे फर्जी बिल, अरुणपति के संपर्क में रहकर ढेबर को पहुंचाया कमीशन**

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के सीएसएमसीएल ओवर टाइम भुगतान घोटाला केस में आर्थिक अपराध अन्वेषण और एंटी करप्शन ब्यूरो ने छत्तीसगढ़ डिस्टलर्स लिमिटेड (सीडीएल) के वाइस प्रेसिडेंट (मार्केटिंग) एन. उदय राव को गिरफ्तार कर लिया है। जांच में पता चला है कि ओवरटाइम और बोनस की बिलिंग का पूरा काम उदय राव के निर्देश पर किया जाता था। इस प्रक्रिया में कमीशन को लेकर वह पूर्व आबकारी विशेष सचिव अरुणपति त्रिपाठी के संपर्क में रहता था। अरुणपति के निर्देशों के बाद यह रकम कारोबारी अनवर ढेबर तक पहुंचाई जाती थी। इस मामले में पहले से गिरफ्तार सात आरोपियों को पुलिस रिमांड खत्म होने के बाद विशेष न्यायालय ने ज्यूडिशियल कस्टडी में भेज दिया है। इस तरह अब तक 8 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

शराब घोटाला मामले में आरोपी पप्पू बंसल और पीयूष बिजलानी को जमानत मिल गई है। पप्पू बंसल पर 1000 करोड़ रुपए के ट्रांजेक्शन और शराब घोटाले की रकम की डिलीवरी का आरोप है। रायपुर स्थित ईडी की विशेष अदालत ने दोनों आरोपियों को जमानत दी। बुधवार को सभी आरोपी ईडी कोर्ट में पेश हुए थे। जांच एजेंसियों के अनुसार, छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड (सीएसएमसीएल) में मैनपावर ■ शेष पृष्ठ 8 पर

पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट, तीन लोगों की मौत, 13 लोग घायल

■ **गंभीर घायल अस्पताल में भर्ती, शवों के टुकड़े 20-25 फीट दूर गिरे**

देवास/नवप्रदेश। मध्य प्रदेश के देवास जिले के टोंक कलां इलाके में गुरुवार सुबह करीब 11:30 बजे पटाखा फैक्ट्री में जोरदार धमाका हुआ। हादसे में धीरज, सनी और सुमित नाम के 3 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 25 लोग घायल हुए। इनमें 13 गंभीर घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में रेफर किया गया।

मजदूर उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश के रहने वाले हैं। ब्लास्ट इतना तेज था कि शवों के

टुकड़े 20 से 25 फीट दूर तक जा गिरे। विस्फोट में फैक्ट्री की दीवारें भी क्षतिग्रस्त हो गईं। घटना के बाद प्रशासन ने फैक्ट्री को सील कर दिया। वहीं, पुलिस ने फैक्ट्री मालिक अनिल मालवीय को हिरासत में ले लिया है। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि दो केमिकल मिलाकर बारूद बनाया जा रहा था। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

चीनी निर्यात पर केंद्र का बड़ा फैसला, सितंबर तक लगी रोक

नई दिल्ली/ए.। देश में बढ़ती महंगाई और चीनी की घरेलू मांग को देखते हुए केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने चीनी के निर्यात पर तत्काल प्रभाव से 30 सितंबर, 2026 तक या अगले आदेश तक के लिए पूरी तरह रोक लगा दी है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने अपनी निर्यात नीति में बदलाव करते हुए इसकी आधिकारिक घोषणा कर दी है। इस फैसले का मुख्य उद्देश्य आगामी त्योहारी सीजन और भविष्य की जरूरतों के लिए देश में चीनी का पर्याप्त स्टॉक बनाए रखना है। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

घरेलू बाजार पर असर

विशेषज्ञों का मानना है कि इस प्रतिबंध से घरेलू बाजार में चीनी की सप्लाई बढ़ेगी, जिससे कीमतों में गिरावट आने की उम्मीद है। पिछले कुछ समय से वैश्विक स्तर पर चीनी के उत्पादन में गिरावट की आशंकाओं के बीच कीमतों में तेजी देखी जा रही थी। भारत, जो कि दुनिया के सबसे बड़े चीनी उत्पादकों में से एक है, द्वारा निर्यात रोकने से घरेलू स्तर पर उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिल सकती है।

दिल्ली में सामूहिक दुष्कर्म: महिला को चलती बस में खींचकर ले गए, दो घंटे तक दरिंदगी

नई दिल्ली (वार्ता)। एक भयावह घटना ने राष्ट्रीय राजधानी को एक बार फिर झकझोर दिया है। सोमवार देर रात दिल्ली के रानी बाग इलाके में एक चलती स्लीपर बस के अंदर 30 वर्षीय महिला का अपहरण कर सामूहिक बलात्कार किया गया। पुलिस ने अपराध में इस्तेमाल की गई बस को जब्त कर लिया है और पीड़िता के बयान के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

पीतमपुरा की एक झुग्गी बस्ती निवासी पीड़िता और मंगोलपुरी की एक फैक्ट्री में काम करती है। रात की शिफ्ट खत्म करने के बाद वह घर जा रही थी जब वह सरस्वती विहार के बी-ब्लॉक बस स्टैंड पर पहुंची। वहां एक स्लीपर बस खड़ी थी। जब उसने बस के दरवाजे पर खड़े एक युवक से समय पूछा, तो आरोपियों ने जवाब देने के बजाय उसे जबरदस्ती बस के अंदर खींच लिया। पीड़िता के अनुसार, जैसे ही उसे बस में घसीटा गया, आरोपियों ने दरवाजा बंद कर दिया और चालक को बस चलाने का निर्देश दिया। चलती बस के अंदर, दो लोगों ने उसके साथ बार-बार बलात्कार किया। यह त्रासद घटना लगभग 7 किलोमीटर तक नांगलोई मेट्रो स्टेशन तक जारी रही। लगभग दो घंटे तक यौन उत्पीड़न करने के बाद, आरोपियों ने उसे खून से लथपथ हालत में रात करीब 2 बजे सड़क पर फेंक दिया और फरार हो गए।

हमले के तुरंत बाद पीड़िता ने पुलिस को फोन किया। पहली कॉल नांगलोई पुलिस स्टेशन को गई, लेकिन चूंकि अपराध स्थल रानी बाग पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आता था, इसलिए मामला स्थानांतरित कर दिया गया। एक महिला सब-इंस्पेक्टर पीड़िता को बाबासाहेब अंबेडकर अस्पताल ले गईं, जहां चिकित्सा जांच में सामूहिक बलात्कार की पुष्टि हुई।

बिहार रजिस्ट्रेशन नंबर की बस जब्त, आरोपी फरार

डॉक्टरों ने पीड़िता की गंभीर हालत को देखते हुए उसे अस्पताल में भर्ती होने की सलाह दी, लेकिन उसने इनकार कर दिया। उसने बताया कि उसके पति को टीबी है और वे घर पर ही रहते हैं। दंपति की तीन बेटियां हैं, जिनकी उम्र 8, 6 और 4 साल है। अस्पताल में भर्ती होने पर बच्चों का पेट कौन भरेगा, इस चिंता में उसने गंभीर चोटों के बावजूद घर पर ही इलाज कराने का विकल्प चुना। पुलिस ने बिहार रजिस्ट्रेशन नंबर वाली बस को जब्त कर लिया है। बस मालिक से संपर्क कर लिया गया है और चालक के साथ-साथ दो मुख्य आरोपियों की पहचान कर ली गई है। संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है और जल्द ही गिरफ्तारियां होने की उम्मीद है। बस के रूट और आरोपियों की गतिविधियों का पता लगाने के लिए इलाके के सीसीटीवी

फुटेज की भी समीक्षा की जा रही है। पुलिस अधिकारी ने पुष्टि की कि बस के अंदर पर्दे लगे हुए थे, जिससे बाहर से कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। बस के अंदर से सबूत इकट्ठा करने के लिए एक फोरेंसिक टीम को बुलाया गया है। बस को जब्त कर लिया गया है और आरोपियों की तलाश जारी है।

होर्मुज स्ट्रेट में गुजरात का एक और जहाज डूबा

तेल अवीव/तेहरान। ईरान जंग के बीच होर्मुज स्ट्रेट में गुजरात का एक और मालवाहक जहाज डूब गया। 'हाजी अली' नाम का जहाज 13 मई की सुबह ओमान के समुद्री क्षेत्र से गुजर रहा था, तभी उससे कोई ड्रोन या मिसाइल जैसा हथियार टकरा गया। हादसे के बाद जहाज में आग लग गई, हालांकि ओमान कोस्टगार्ड ने सभी 14 क्रू मेंबर्स को सुरक्षित बचा लिया। गुजरात के द्वारका निवासी और जहाज मालिक सुलतान अहमद अंसार ने बताया कि एमएसवी हाजी अली जहाज बेरबेरा पोर्ट से शारजाह जा रहा था।

गरमा-गरम

मुलाकात : केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और डिप्टी सीएम विजय शर्मा की मुलाकात

दिल्ली में साय का शाह से बस्तर विकास मॉडल पर मंथन

■ **जहां कभी एम्बुलेंस पहुंचना भी सपना था, वहां अब डॉक्टर दे रहे दस्तक : बस्तर के जंगलों तक पहुंची स्वास्थ्य क्रांति**

रायपुर / नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात कर बस्तर में तेजी से बदल रहे हालात और विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी दी।

इस दौरान उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा उपस्थित थे। बैठक में विशेष रूप ■ शेष पृष्ठ 8 पर

सरकारी योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंच रहा

मुख्यमंत्री ने कहा कि जो इलाके कभी नक्सल प्रभाव के कारण मुख्यधारा से कटे हुए थे, वहां आज सरकारी योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंच रहा है। हाल ही में सुकमा के एक अत्यंत दुर्गम गांव से गंभीर मरीज को सैकड़ों किलोमीटर दूर अस्पताल पहुंचाकर उपचार दिलाना इस बदलाव का बड़ा उदाहरण बना है।

सीएम साय ने गृहमंत्री को बस्तर के विकास रोडमैप की जानकारी दी

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को बस्तर के लिए तैयार विकास रोडमैप की जानकारी दी। इसमें सड़क, शिक्षा, रोजगार, कौशल विकास और निवेश को बढ़ावा देने पर विशेष फोकस रखा गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन से बस्तर में तेजी से सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहे हैं।

विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बस्तर में हो रहे विकास कार्यों और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की सराहना की। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर यह सुनिश्चित कर रही है कि विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का 18 और 19 मई को बस्तर प्रवास संभावित है।

प्रेमिका का गला रेता, मासूम बेटी को भी मार डाला, सजा बरकरार

■ **हाईकोर्ट बोला-बेहद क्रूर और बर्बर मामला, उम्रकैद की सजा ही सही**

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के रायपुर में प्रेमी ने अपनी प्रेमिका का गला रेत कर हत्या कर दी। उसकी बेटी को भी रेलवे ट्रैक पर लिटाकर मार डाला। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने इस दोहरे हत्याकांड के आरोपी की अपील खारिज करते हुए उसकी उम्रकैद की सजा बरकरार रखी है।

चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल ने इसे वारदात को बेहद क्रूर और बर्बर करार दिया है।

दरअसल, रायपुर के तेलीबांधा क्षेत्र में रहने वाले विक्की उर्फ सुखीराम यादव के खिलाफ युवती ने पहले दुष्कर्म का केस दर्ज किया था, जिस पर वह जेल भी गया था। जमानत पर बाहर आने के बाद युवती उस पर शादी के लिए लगातार दबाव बना रही थी। युवती का कहना था कि वो शादी नहीं करेगा तो उसे रेप केस में कोर्ट में सजा ■ शेष पृष्ठ 8 पर

सुविचार

किसी से भी ज्यादा उम्मीद पालना अक्सर दर्द देता है। यह भी याद रखें कि जिससे जितना ज्यादा लगाव होता है वह उतना ही गहरा घाव देता है

सरकारी वाहनों में ईंधन कटौती सराहनीय कदम

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेश के सरकारी वाहनों के लिए पेट्रोल और डीजल की खपत में कमी करने का फैसला लिया है, जो सराहनीय कदम है। गौरतलब है कि मिडिल ईस्ट में निर्मित होते जंग के हालात को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से अपील की थी कि वे पेट्रोल और डीजल का उपयोग कम करें और निजी वाहनों की जगह पब्लिक ट्रांसपोर्ट का अधिकतम उपयोग करें। खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने काफिले में वाहनों की संख्या में भारी कटौती कर दी है। पहले उनके काफिले में दर्जनों गाड़िया हुआ करती थी, जो प्रधानमंत्री की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए जरूरी भी थी, लेकिन अब पीएम मोदी के काफिले में सिर्फ दो गाड़ियां हैं। एक में वो खुद बैठते हैं और दूसरे में सुरक्षाकर्मी। हालांकि प्रधानमंत्री की सुरक्षा के लिहाज से उनके काफिले में वाहनों की संख्या घटाना बड़े ही जोखिम का काम है और इस पर उन्हें पुनर्विचार करना चाहिए। पीएम मोदी ने अपने काफिले में वाहनों की संख्या में भारी कटौती करके अन्य मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों के सामने एक मिसाल पेश की है। सभी केंद्रीय मंत्रियों और विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों तथा मंत्रियों ने प्रधानमंत्री की इस पहल का अनुसरण करने की घोषणा की है। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भी सभी सरकारी वाहनों में पेट्रोल व डीजल की कटौती करने का निर्णय लिया है और जल्द ही इस बारे में दिशा निर्देश जारी किये जाएंगे। प्रदेश के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने भी पीएम मोदी की अपील पर पायलट, फालोगाड़ी और प्रोटोकॉल का उपयोग न करने का निर्णय लिया है। प्रदेश के कुछ आईपीएस और आईएएस अधिकारियों ने भी अपने वाहनों में कम से कम ईंधन का उपयोग करना शुरू किया है। इस तरह सभी मंत्रियों और अधिकारियों को भी मितव्ययिता बरतनी पड़ेगी और वह भी दिखावे के लिए कुछ दिनों तक ही नहीं बल्कि जब तक मिडिल ईस्ट में जंग के हालात कम नहीं हो जाते और तेल और गैस की आपूर्ति यथावत शुरू नहीं हो जाती। अन्यथा पीएम मोदी की अपील का कोई अर्थ नहीं रह जाएगा। सिर्फ कुछ मंत्रियों और अधिकारियों के मितव्ययिता बरतने से पेट्रोल और डीजल की खपत कम नहीं होगी। वैसे भी सरकारी वाहनों में ईंधन का भारी दुरूपयोग होना आम बात है। सरकारी वाहनों का संबंधित मंत्री और अधिकारी सरकारी वाहनों का किस प्रकार दुरुपयोग करते हैं, यह किसी से छिपा नहीं है। इसके दुरूपयोग पर प्रभावी रोक लगाने के लिए भी कड़े कदम उठाने होंगे तभी बात बनेगी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील सार्थक सिद्ध होगी।

अरविंद केजरीवाल का भड़काऊ बयान

नीट परीक्षा का पर्चा लीक होना निश्चित रूप से दुर्भाग्यजनक घटना है। इससे देश के लाखों युवाओं के भविष्य पर प्रश्न चिन्ह लग गया है। इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही होनी ही चाहिए और भविष्य में फिर कभी पर्चा लीक न हो इसके लिए राष्ट्रीय परीक्षा प्रणाली में आमूल चूल परिवर्तन भी किया जाना चाहिए। पर्चा लीक होना सरकार की गंभीर चूक है और इसके लिए विपक्षी पार्टियां यदि सरकार पर निशाना साध रही हैं और सवाल पूछ रही हैं तो इसमें भी कुछ गलत नहीं है। विपक्षी पार्टियों का यह कर्तव्य हैं कि वे ऐसे गंभीर मामलों को लेकर सरकार को घेरे ताकि व्यवस्था में सुधार हों किन्तु इस नाम पर युवाओं को भड़काना कतई उचित नहीं है। पर्चा लीक मामले में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी सरकार को कटघरे में खड़ा किया है, किन्तु नई दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इसे लेकर भड़काऊ बयान दिया है। केजरीवाल का कहना है कि भारत का जेनजी भी सरकार के खिलाफ उसी तरह सड़कों पर उतरे जिस तरह नेपाल और बांग्लादेश का जेनजी सड़कों पर उतरा था और वहां की सरकार बदल दी थी। अरविंद केजरीवाल जिन्हें खुद नई दिल्ली के जेनजी ने सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाया है और उन्हें भी चुनाव में हराया है अब चाहते हैं कि देश में युवा आंदोलन के नाम अराजकता फैलायें और देश दंगे-फसाद की आग में झुलसने लगे। हालांकि अरविंद केजरीवाल की इस बकवास पर भारत को जेनजी कतई ध्यान नहीं देगा, लेकिन केजरीवाल का यह बयान बेहद आपत्तिजनक है और इसके लिए उनके खिलाफ कार्यवाही की जानी चाहिए।

सद्‌गुरू बोधामृतम्

सदगुरू ऋतेश्वर

◆ खुद आनंदित होना सीख लो जीवन में, निर्भर मत रहना किसी के ऊपर आनंद के लिए!

◆ तो तुमको क्या चाहिए? विपत्ति चाहिए? विपदा चाहिए जीवन में? नहीं!!! तो 1 सेकंड का भी विस्मरण न हो अब।

◆ पुष्प वाटिका प्रसंग हो या भगवान की कथा हो या कोई भी प्रसंग हो, जब तक श्री गुरू के योग्य मुखारविंद से जब तक उसका श्रवण न करा जाए तब तक वासना ही पैदा करेगी।

आज का इतिहास

नई दिल्ली(वार्ता)। 1907 - शहीदे आजम भगत सिंह और राजगुरू के साथ हंसते-हंसते फांसी के फंदे पर लटकने वाले सुखदेव थापर का जन्म 15 मई 1907 को हुआ था। 1925 - पहला अरेबिक कम्यूनिस्ट न्यूजपेपर शुरू किया गया। 1935 - मास्को मेट्रो को लोगों के लिए खोला गया। 1940 - आज ही के दिन रिचर्ड और मौरिस मैकडॉनल्ड्स नाम के दो भाइयों ने मिलकर कैलिफोर्निया के सैन बर्नार्डीनो में छोटा सा रेस्तरां खोला था। आज फास्ट फूड रेस्तरां की चेन दुनिया में सबसे बड़ी है। फिलहाल मैकडॉनल्ड्स के 119 देशों में 35,000 आउटलेट्स हैं। 1957 - ब्रिटेन के सप्लाई मंत्रालय ने घोषणा की थी प्रशांत महासागर में किए गए श्रृखंलाबद्ध परीक्षणों के अंतर्गत पहले हाइड्रोजन बम का परीक्षण किया गया था। 1958 - सोवियत संघ ने स्पूतनिक-3 लॉच किया। 1967 - आज ही के दिन बॉलीवुड अदाकारा माधुरी दीक्षित का जन्म हुआ था। 1974 - इसी दिन इजरायल के एक स्कूल में बंधक बनाई गई 16 किशोरियों की मौत हो गई। साथ में तीन फ़लस्तीनी भी मारे गए।

नीट पेपर लीक विवाद और टूटता परीक्षा व्यवस्था पर भरोसा

देश में हर साल करोड़ों छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठते हैं। कोई डॉक्टर बनना चाहता है, कोई इंजीनियर, कोई सरकारी अधिकारी। इन परीक्षाओं के साथ केवल अंक नहीं जुड़े होते, बल्कि परिवारों की उम्मीदें, कई वर्षों की मेहनत और भविष्य की दिशा भी जुड़ी होती है। यही कारण है कि जब किसी बड़ी परीक्षा में पेपर लीक होने की खबर आती है तो केवल एक परीक्षा प्रभावित नहीं होती, बल्कि पूरी व्यवस्था पर सवाल खड़े हो जाते हैं। हाल के वर्षों में नीट जैसी महत्वपूर्ण परीक्षा को लेकर जो विवाद सामने आए, उन्होंने लाखों छात्रों का भरोसा हिला दिया।

महेन्द्र तिवारी

फिजिक्स वाला के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी अलख पांडे ने दावा किया कि बच्चों से लगातार ऐसी बातें सुनने को मिल रही थीं कि 50,000 रुपये में पेपर उपलब्ध कराया जा रहा है। बाद में अलग अलग जांचों और मीडिया रिपोर्टों में इससे भी बड़े दावों की चर्चा हुई। कुछ जगहों पर कथित तौर पर 10 लाख से 25 लाख रुपये तक में प्रश्नपत्र बेचे जाने की बात सामने आई। बिहार पुलिस की शुरुआती जांच में यह भी कहा गया कि कुछ अभ्यर्थियों से 30 लाख से 50 लाख रुपये तक लिए गए। यह पूरा मामला केवल एक परीक्षा का विवाद नहीं रहा, बल्कि इसने देश की परीक्षा प्रणाली की कमजोरियों को उजागर कर दिया। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब परीक्षा केंद्र के बाहर छात्रों की इतनी कड़ी जांच होती है तो फिर प्रश्नपत्र लीक कैसे हो जाता है। परीक्षा देने पहुंचे छात्र को कई स्तरों की जांच से गुजरना पड़ता है। प्रवेश पत्र की जांच होती है। पहचान पत्र मिलाया जाता है। बायोमेट्रिक सत्यापन होता है। मेटल डिटेक्टर से जांच होती है। जूते तक उतरवाए जाते हैं। लड़कियों के हेयर क्लिप और लड़कों की बेल्ट तक जांची जाती है। कई जगहों पर पानी की बोतल तक पारदर्शी रखने की शर्त होती है। छात्रों को घड़ी, मोबाइल, ब्लूटूथ, पेन ड्राइव जैसी चीजें ले जाने की अनुमति नहीं होती।

इतनी सख्ती के बाद भी यदि पेपर लीक हो जाता है तो इसका अर्थ साफ है कि समस्या परीक्षा केंद्र के बाहर कम और व्यवस्था के भीतर ज्यादा है। असली कमजोरी वहां है जहां प्रश्नपत्र तैयार होता है, छपता है, पैक होता है, भेजा जाता है और परीक्षा शुरू होने तक सुरक्षित रखा जाता है। एक राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा का प्रश्नपत्र तैयार करने की प्रक्रिया बहुत लंबी होती है। सबसे पहले विशेषज्ञों की टीम प्रश्न तैयार करती है। फिर उनका चयन और संपादन होता है। उसके बाद अंतिम प्रश्नपत्र तैयार किया जाता है। फिर उसे गोपनीय तरीके से छपाई केंद्र तक भेजा जाता है। वहां प्रिंटिंग होती है। इसके बाद पैकेजिंग और सीलिंग होती है। फिर अलग अलग राज्यों और जिलों तक ट्रांसपोर्ट के जरिए पहुंचाया जाता है। परीक्षा केंद्रों में इन्हें मजबूत कमरों में रखा जाता है। परीक्षा शुरू होने से ठीक पहले सील खोली जाती है। यही पूरी यात्रा सबसे बड़ी चुनौती बन जाती है। इस दौरान यदि किसी एक चरण में भी मिलीभगत हो जाए तो पूरी सुरक्षा व्यवस्था बेकार हो जाती है। समस्या यह है कि इस प्रक्रिया में बड़ी संख्या में लोग शामिल होते हैं। प्रश्नपत्र बनाने वाले विशेषज्ञ, तकनीकी कर्मचारी, प्रिंटिंग प्रेस के कर्मचारी, ट्रांसपोर्ट एजेंसियां, प्रशासनिक अधिकारी, केंद्र अधीक्षक, गोदाम कर्मचारी और कई अन्य लोग। जितने अधिक लोग जुड़ेंगे, उतना अधिक रिसाव का खतरा रहेगा। नीट

मामले में अलग अलग प्रकार के दावे सामने आए। कुछ रिपोर्टों में कहा गया कि परीक्षा से पहले कुछ कोचिंग संस्थानों द्वारा बांटे गए प्रश्नों का बड़ा हिस्सा असली पेपर से मेल खा रहा था। कुछ जगहों पर टेलीग्राम चैनलों और सोशल मीडिया समूहों में प्रश्नपत्र बिकने की चर्चा हुई। कुछ गिरफ्तारियों में ऐसे लोगों का नाम सामने आया जो खुद छात्र थे या काउंसलिंग से जुड़े काम करते थे। बिहार और अन्य राज्यों में पुलिस ने कई लोगों को गिरफ्तार किया। बाद में जांच केंद्रीय एजेंसी तक पहुंची। इस पूरे विवाद में एक और बात ने छात्रों को परेशान किया। लाखों छात्रों के बीच अचानक असामान्य रूप से अधिक टॉपर सामने आए। कुछ छात्रों को 718 और 719 जैसे अंक मिले, जिसने लोगों को हैरान कर दिया क्योंकि परीक्षा के अंकन पैटर्न में ऐसे अंक सामान्य रूप से संभव नहीं माने जाते। बाद में ग्रेस मार्क्स को लेकर भी विवाद हुआ। सुप्रीम कोर्ट तक मामला पहुंचा। अदालत ने परीक्षा की पवित्रता पर सवाल उठाए और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी से जवाब मांगा। हालांकि बाद में अदालत ने यह भी कहा कि पूरे देश में बड़े स्तर पर लीक के पर्याप्त प्रमाण नहीं मिले। लेकिन यहां सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि चाहे लीक सीमित स्तर पर हुआ हो या बड़े स्तर पर, भरोसा एक बार टूट जाए तो उसे वापस बनाना बहुत कठिन होता है। लाखों छात्र यह सोचने लगते हैं कि उनकी मेहनत कहीं किसी पैसे वाले या प्रभावशाली व्यक्ति के सामने कमजोर तो नहीं पड़ जाएगी। यही डर सबसे बड़ी क्षति है। पेपर लीक का कारोबार अब संगठित अपराध का रूप ले चुका है। इसमें केवल एक व्यक्ति शामिल नहीं होता। कई बार पूरा गिरोह सक्रिय होता है। कुछ लोग छात्रों तक पहुंचते हैं। कुछ लोग प्रश्नपत्र के स्रोत तक पहुंचते हैं। कुछ पैसे का लेनदेन संभालते हैं। कुछ डिजिटल माध्यमों से प्रश्न फैलाते हैं। कई मामलों में नकली पेपर बेचकर भी ठगी की जाती है। परीक्षा से पहले छात्रों और अभिभावकों की बेचैनी का फायदा उठाया जाता है। यह भी सच है कि भारत में प्रतियोगी परीक्षाओं का दबाव बहुत अधिक है। एक एक सीट के लिए सैकड़ों छात्र प्रतिस्पर्धा करते हैं। नीट जैसी परीक्षा में 24 लाख से अधिक छात्र बैठते हैं। सरकारी मेडिकल कॉलेजों में सीटें बहुत सीमित हैं। ऐसे माहौल में कुछ लोग गलत रास्ता अपनाने के लिए तैयार हो जाते हैं। जब सफलता और असफलता के बीच बहुत बड़ा अंतर हो, तब भ्रष्ट नेटवर्क तेजी से पनपते हैं। सरकारें और परीक्षा एजेंसियां लगातार नई सुरक्षा तकनीकें लाती रही हैं। एन्क्रिप्टेड डिजिटल ट्रांसमिशन, मजबूत पैकेजिंग, सीसीटीवी निगरानी, जैमर, बायोमेट्रिक सत्यापन और लाइव मॉनिटरिंग जैसी व्यवस्थाएं लागू की गई हैं। लेकिन फिर भी समस्या खत्म नहीं हो रही। इसका कारण यह है कि तकनीक केवल उपकरण है। यदि व्यवस्था में शामिल लोग ईमानदार नहीं हों तो सबसे मजबूत तकनीक भी असफल हो सकती है। विशेषज्ञ अब कई नए सुझाव दे रहे हैं। कहा जा रहा है कि प्रश्नपत्र को परीक्षा से केवल कुछ घंटे पहले डिजिटल रूप से केंद्रों तक भेजा जाए।

प्रधानमंत्री का ऊर्जा बचत का आह्वान

विकास शर्मा

प्रबंधक छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड

बूंद-बूंद से घड़ा भरता है यह बचपन से सुनते आए हैं पर टैप नलों से पानी भरने वाली पीढ़ी संचय के महत्व को महसूस नहीं कर सकी है। यह उदासीनता पानी के संदर्भ में ही नहीं बल्कि सभी उपलब्ध संसाधनों के साथ रही है। हैदराबाद में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से ऊर्जा बचत और ऊर्जा स्वावलंबन को लेकर जो आह्वान किया है वह वर्तमान वैश्विक चुनौतियों से निपटने में सहायक तथा हमारी समृद्धि को सुनिश्चित करने का मंत्र भी है। यह आह्वान निर्भरता से आत्मनिर्भरता की ओर देश को ले जाने के संकल्प को ही प्रतिध्वनित करता है। विकसित भारत-2047 का लक्ष्य ऐसे छोटे किन्तु प्रभावी कदमों के सहारे ही प्राप्त होगा। श्री मोदी के आह्वान को सीमित संदर्भों और राजनीतिक विमर्श से कहीं आगे जाकर देखने की जरूरत है।

प्रतीकात्मक नहीं, प्रभावी है आह्वान

स्वतंत्रता के बाद के दशकों में विकास के पैमाने पर देश लगातार आगे बढ़ा है और आम देशवासी संसाधनों का बेहतर लाभ भी उठा रहा है। इन सबके पीछे तेज आर्थिक विकास और उसके पीछे है ऊर्जा उपलब्धता। लगभग डेढ़ अरब की आबादी वाले देश की ऊर्जा उपलब्धता को सुनिश्चित करने में बड़े आर्थिक भार और कूटनीतिक तैयारी करनी पड़ती है। सामान्य समझ है कि ऊर्जा आयात कर समृद्धि की राह मुश्किल ही रहेगी। ऐसे में प्रधानमंत्री का ऊर्जा बचत के साथ ही सौर ऊर्जा समेत अन्य ऊर्जा स्रोत के विकास पर बल दिया जाना आम नागरिकों को संभलने और सजग होकर अपनी भूमिका तय करने का संदेश है। बचत सही मायनों में संसाधनों के अधिकतम और सार्थक उपयोग को बढ़ावा देता है जो अंततः उपलब्ध ऊर्जा से उत्पादकता को बढ़ाने वाला है।

आपदा को अवसर बनाने का संदेश

बदलते वैश्विक समीकरणों और परंपरागत ऊर्जा विशेषकर पेट्रोलियम पदार्थों की छीना झपटी के बीच ऊर्जा स्वावलंबन एक बेहतर और दूरगामी विकल्प है। ऊर्जा खर्च करने में संयम बरतने की अपील सिर्फ तात्कालिक और संभावित ऊर्जा संकट से निपटने की युक्ति नहीं । प्रधानमंत्री इस वैश्विक आपदा में देश को ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रत्येक नागरिक की भूमिका बढ़ाने का आह्वान कर रहे हैं। बचत का विचार ऊर्जा संकट के कारण नहीं है, यह तो वैश्विक संकट की पृष्ठभूमि में देश को तैयार होने का बेहतर अवसर है। सजग समाज वो है जो भविष्य की चुनौतियों को भांपकर निपटने के लिए तैयार हो।

संस्कृति में शामिल मितव्ययिता

मितव्ययिता या बचत किसी संकट से बचने का विकल्प नहीं यह तो भारतीय जीवन शैली का हिस्सा रहा है। संसाधनों के अधिकतम उपयोग की सीख जीवनचर्या में शामिल रही है। अन्न के हर एक दाने का सम्मान हो या एक-एक बूंद पानी के समुचित उपयोग की सीख। देश की संस्कृति में गृहणियों की बचत से संग्रहित धन परिवार की आपातकालीन जरूरतों में हमेशा बड़ी भूमिका निभाते आया है। इतना ही नहीं वर्ष 2008 की वैश्विक मंदी संकट के दौर में भारत बेअसर रहा जिसके पीछे भारतीय परिवारों में बचत की प्रवृत्ति ने बड़ी भूमिका निभाई। असल में उपयोग और सदुपयोग के बीच कई बार हम अंतर नहीं करते हैं जबकि हमारी संस्कृति में हर संसाधन के संयम से उपयोग पर बल दिया गया है। क्षणशः कणश्चैव विद्यामर्थ च साधयेत् । क्षणत्यागे कुतो विद्या कणत्यागे कुतो धनम ।। यानी जैसे-जैसे क्षण और कण जुड़ते हैं, वैसे-वैसे विद्या और धन बढ़ता है और यदि इनकी उपेक्षा करेंगे तो न विद्या मिलेगी और न धन।

निर्भरता से आत्मनिर्भरता की ओर

देश की ऊर्जा जरूरतों में जीवाश्म ईंधन का हिस्सा 80 प्रतिशत से अधिक है। पेट्रोलियम पदार्थों एवं प्राकृतिक गैस के आयात पर खर्च का हिसाब लगभग 18 लाख करोड़ रूपए होता है जो हमारी सकल घरेलू उत्पाद का 5 प्रतिशत के करीब है। इस पृष्ठभूमि में प्रधानमंत्री का नवीकरणीय ऊर्जा की दिशा में तेजी से आगे बढ़ने तथा ऊर्जा की संयमित खपत का आह्वान एक दूरदर्शी नेतृत्व को दर्शाता है। ऊर्जा की खपत एक ओर जहाँ हमारे विकास का आधार और समृद्धि का पैमाना माना जाता है वहीं बढ़ती आबादी की ऊर्जा जरूरतों की पूर्ति करना एक बड़ी चुनौती भी है। ऐसे में विदेशों पर ऊर्जा निर्भरता के स्थान पर आत्मनिर्भरता का संकल्प हमारी आने वाली पीढ़ी के लिए बेहतर भविष्य का निर्माण करेगी।

छोटे कदमों से मिलेगी बड़ी मंजिल

निर्बाध ऊर्जा आपूर्ति करना जहाँ देश के कर्णधारों का दायित्व है वहीं आम नागरिक की भूमिका भी सजग प्रहरी की होनी चाहिए। जीवाश्म ईंधन के विकल्प के रूप में सौर ऊर्जा की दिशा में देश तेजी से बढ़ रहा है । जीवाश्म ईंधन की सीमाओं तथा नवीकरणीय ऊर्जा से उत्पादित विद्युत की बड़ी मात्रा में भंडारण की चुनौतियों को जानते हुए उपलब्ध ऊर्जा का समुचित और बेहतर उपयोग ही इसे सर्व सुलभ बनाए रख सकता है। कुछ छोटे-छोटे उपाय देश की बड़ी जरूरत को पूरा करने में सहायक हो सकते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने ऊर्जा बचत के छोटे और व्यवहारिक उपाय बताएं हैं वे बड़े कारगर तथा हमारी संस्कृति में शामिल रहे हैं। प्रधानमंत्री के आह्वान के बाद देश के कई प्रदेशों में छोटे-छोटे प्रयास शुरू हो चुके हैं। छत्तीसगढ़ में भी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कुछ तात्कालिक उपाय की घोषणा की है जिसमें सभी शासकीय गाड़ियों को इलेक्ट्रिक वाहन से बदली जाएंगी।

संकल्प से सिद्धि का मंत्र

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के लोगों को संकल्प से सिद्धि का मंत्र दिया है। सामाजिक ,आर्थिक या कूटनीतिक क्षेत्र में यदि देश को आगे जाना है तो इन सभी के लिए ऊर्जा पहली जरूरत है और इसमें ऊर्जा स्वावलंबन सबसे बड़ी चुनौती।

पाठकों की बात — पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

कितने उथले होते होंगे वे लोग , जिसने जहाँ जन्म हुआ , अपनी वही पहचान छोड़ आते होंगे। दादा करुणानिधि एक सनातनी परिवार में जन्में, उनका नाम भी एक स्थानीय देवता के नाम पर रखा गया था और ये चल दिए सनातन का खात्मा करने। सबसे आसान हो गया है सनातन पर कुछ भी बयान दे देना , क्योंकि एकता की सबसे कमी यहीं पर है और अपने सो कॉल्ड उच्चस्तरीय सोच के ठीकेदार दर्शाते लोग भी इसी में पाए जाते हैं। - **मीनाक्षी सिंह**

शरीर पर लगी चोट तो कुछ दिनो मे ठीक हो जाती है, लेकिन... शब्दो के घाव कभी नही भरते! इसीलिए फिर से कहती हूं... जब किसी से विवाद हो जूते चप्पल लाठी डंडे से निपटा लिया करो... गाली गलौज से बात मत किया करो। - **सीमा राय**

तुम सागर की अदभुत गहराई हो, मैं खेत में जैसे सरसों लहराई हो, तुम मेघों के जमघट से हाथ लहराते हो, मुझसे धवल चांदनी से मिलने आते हो, तुम भोर के सूरज और प्रकाश हो, मेरे लिए तुम मेरा स्वतंत्र आकाश हो, तुम बसंत का सावन हो, मन को लगते मनभावन हो, तुम सुरमई अंखियों का सपना हो, मेरे लिए स्नेहिल कोई अपना हो, तुम अनुभूति के भूति हो, ईश्वर की मनोरम स्तुति हो...! - **अनुभूति 'अनु'**

अफसोस है... भ्रष्ट अराजक वृत्ति को, करें ठोक कर ठीक। फैला फन कुचलें अभी, क्यों हो पेपर लीक। क्यों हो पेपर लीक, स्रोत का मूल मिटायें, नयी पौध की पीर, समझकर त्वरित घटाएं। लूट रहे जो माल, डूब कर गले गले तक। सख्त मिले अब दण्ड, मिटा दो भ्रष्ट अराजक। - **हरिवल्लभ शर्मा 'हरि' शर्मा**

पेड़ कभी भी डाली काटने से नहीं सुखता, पेड़ हमेशा जड़ काटने से सूखता हैं वैसे ही इंसान अपन कर्म से ही नहीं बल्कि अपनी छोटी सोच और गलत व्यवहार से हारता हैं..... किसीने खुब सही कहा है.... खुशीयॉ आये जिंदगी मै तो चख लेना मिठाई समझ कर .... जब गम आये तो वो भी कभी खा लेना दवाई समझ कर। - **पितांबर श्रीवास्तव**

कहाँ हो तुम बताओ तो ,तुम्हें ये दिल बुलाता है सुनो दिल की कहानी तुम ,तुम्हें ये दिल सुनाता है किया जो प्यार में वादा नहीं भूले उसे अब तक करें जब याद उसको तो बहुत दिल को रुलाता है।

- **संजय कुमार गिरि**

राह में कांटे बिछा दे, देख फिर तू हौंसला, तोड़ चाहें घर गिरा दे, देख फिर तू हौंसला । आंधियों से, बारिशों से डर नहीं लगता हमें, खूब तूफां छत उड़ा दे, देख फिर तू हौंसला डूबती कश्ती किनारे पर लगानी सीख ली, छेद कश्ती में बना दे, देख फिर तू हौंसला।। मंजिलों को ढूंढना है रोशनी चाहे न हो, राह के दीपक बुझा दे, देख फिर तू हौंसला।। भूमि हो बंजर यदि, तो भी उगा देंगे तरू, फावड़ा,खुर्पी दिला दे, देख फिर तू हौंसला ।

- **शालिनी शर्मा**

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष राशि- आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आपको किसी के मामलों में दखल देने से बचना चाहिए।

वृष राशि- आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आपका काफी दिनों से रुका काम पूरा होगा जिससे आपको राहत महसूस होगा।

मिथुन राशि- आज आपका दिन अ'छा रहेगा। आज आपको नये लोगों से थोड़ा संभलकर रहना चाहिए। आज आपके ऑफिस में काम को लेकर विरोधी आपकी शिकायत कर सकता है।

कर्क राशि- आज आपका दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज कुछ लोग आपसे किसी काम के लिए मदद मांग सकते हैं। परिवार में आपके गुणों की तारीफ हो सकती है।

सिंह राशि- आज आपका दिन सामान्य रहने वाला है। आज आपको किसी तरह के कानूनी मामले में दोस्तों की मदद मिलेगी। जिससे दोस्तों के साथ आपके रिश्ते मजबूत होंगे।

कन्या राशि- आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज किसी विशेष काम की ओर आपका झुकाव हो सकता है, आप अपना पूरा दिन पसंदीदा काम करके गुजारेंगे।

तुला राशि- आज का दिन आपके लिए कुछ नया अनुभव लेकर आएगा। आज आपको व्यापार में उम्मीद से अधिक लाभ प्राप्त होगा।

वृश्चिक राशि- आज का दिन आपके लिए बदलाव से भरा हो सकता है। आज आपके जीवन में कुछ बदलाव आ सकते हैं जो आपके लिए बढ़िया साबित होंगे।

धनु राशि- आज आपका दिन ताजगी से भरा रहेगा। आज जीवनसाथी के साथ आप मूवी देखने का प्लान बना सकते हैं। आज कार्यक्षेत्र में लोगों से हर तरह का सहयोग मिलेगा।

मकर राशि- आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। आज आपको अ'छी खबर मिलने के योग हैं यह खुशी आपके घर में बेटे के करियर को लेकर हो सकती है।

कुंभ राशि- आज का दिन आपके जीवन में नई खुशियां लेकर आया है। आज किसी काम के सिलसिले से की गई यात्रा फायदेमंद रहेगी। साथ ही समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

मीन राशि- आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आज किसी जरूरी काम में आपको भाई-बहनों का सपोर्ट मिलेगा।

QUIZ TIME

1) गुजरात के किस जिले को जारोसाइट जमा होने के कारण मंगल ग्रह जैसा स्थल माना गया है?

2) बीजक लेख किस राजा से सम्बंधित है?

3) जाड़े के दिनों में तमिलनाडु के तटों पर होने वाली वर्षा का मुख्य कारण क्या है?

4) लोक संवर्धन पर्व के 5वें संस्करण का आयोजन कहाँ किया गया था?

5) हाल ही में, विजयनगर काल के 103 छापयुक्त स्वर्ण सिक्के किस राज्य में खोजे गए हैं?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) कच्छ (2) अशोक (3) लौटता मानसून (4) केवड़िया (5) तेलंगाना

पहेली

शब्द सामर्थ्य -038

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 037 का हल

मानपुर पहाड़ी शिविर में महिला समूहों को मिली आत्मनिर्भरता की नई राह

■ **'दो स्व-सहायता समूहों को स्वरोजगार गतिविधियों के लिए 06 लाख रुपए का बैंक ऋण स्वीकृत'**

रायपुर/नवप्रदेश। सुशासन तिहार-2026 अंतर्गत खैरागढ़ छुईखदान गंडई जिले के ग्राम मानपुरपहाड़ी में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर ग्रामीण महिला समूहों के लिए आत्मनिर्भरता की नई उम्मीद लेकर आया। शिविर में विभिन्न स्व-सहायता समूहों को स्वरोजगार गतिविधियों से जोड़ते हुए बैंक ऋण उपलब्ध कराया गया, जिससे महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनने का अवसर मिला। ग्राम सिंगारपुर के जय मां बमलेश्वरी समूह को ईंट निर्माण एवं किराना दुकान संचालन के लिए 03 लाख रुपये का बैंक ऋण स्वीकृत किया गया। समूह की महिलाओं ने बताया कि इस सहायता से वे गांव में ही रोजगार शुरू कर सकेंगी तथा परिवार की आय बढ़ाने में सहयोग मिलेगा।

इसी प्रकार पंचायत सिंगारपुर अंतर्गत ग्राम तुमड़ादाह के बैगा जनजाति महिला स्व-सहायता समूह जय मां नर्मदा समूह को भी 03 लाख रुपये का बैंक ऋण प्रदान किया गया। समूह द्वारा सेंटरिंग प्लेट संचालन एवं छिन झाड़ू निर्माण का कार्य किया जाएगा। समूह की महिलाओं ने बताया कि पहले संसाधनों की कमी के कारण व्यवसाय शुरू करना कठिन था, लेकिन अब शासन की सहायता से वे स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ सकेंगी। महिलाओं ने शासन एवं प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सुशासन तिहार जैसे शिविर ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम बन रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि बिहान योजना के माध्यम से महिला समूहों को रोजगारोन्मुख गतिविधियों से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

न्यूज गैलरी

राज्यपाल रमेन डेका से पंजाब के राज्यपाल कटारिया ने की सौजन्य भेंट

रायपुर/नवप्रदेश। राज्यपाल रमेन डेका से आज लोकभवन में पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल श्री डेका ने शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत एवं सम्मान किया और श्री कटारिया ने भी श्री डेका को शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया तथा लोकभवन परिवार के साथ सामूहिक फोटोग्राफी भी कराई।

राज्यपाल डेका से केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री पासवान ने की मुलाकात

रायपुर/नवप्रदेश। राज्यपाल रमेन डेका से आज लोकभवन में केन्द्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्री कमलेश पासवान ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल श्री डेका ने शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत एवं सम्मान किया।

प्राकृतिक आपदा से जनहानि के मामले में परिजन को आर्थिक सहायता स्वीकृत

रायपुर/नवप्रदेश। जशपुर कलेक्टर ने प्राकृतिक आपदा से हुई जनहानि के एक मामले में प्रभावित परिजन को आर.बी.सी. 6-4 के तहत 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बगीचा तहसील अंतर्गत ग्राम पत्ताकेला निवासी स्वर्गीय पत्नी बाई की 03 अगस्त 2024 को ढोढ़ी के पानी में डूबने से मृत्यु हो गई थी। इस मामले में मृतिका के निकटतम वारिस, उनके पिता शनिचर को 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है। जिला प्रशासन द्वारा प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित परिवारों को त्वरित राहत उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आर.बी.सी. 6-4 के तहत आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है, जिससे संकट की घड़ी में पीड़ित परिवारों को आर्थिक संबल मिल सके।

मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना से सरिता बाई को बड़ी राहत

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की पहल पर

शुरू की गई मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना-2026 भारी बिजली बिल के बोझ से परेशान उपभोक्ताओं के लिए बड़ी राहत साबित हो रही है। योजना के अंतर्गत बकाया बिजली बिल पर लगने वाले सरचार्ज में छूट और शेष राशि को आसान किश्तों में जमा करने की सुविधा दी जा रही है, जिससे उपभोक्ताओं को आर्थिक संबल मिल रहा है। जशपुर जिले के रानी बगीचा निवासी श्रीमती सरिता बाई इस योजना से लाभान्वित होने वाली उपभोक्ताओं में शामिल हैं। उन्होंने बताया कि आर्थिक तंगी के कारण वे लंबे समय से बिजली बिल का भुगतान नहीं कर पा रही थीं। इसके चलते उनका बकाया बिल बढ़कर 38 हजार 648 रुपये हो गया था, जिससे वे काफी चिंतित थीं। मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना-2026 की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने योजना का लाभ लिया। योजना के तहत उनके लगभग 11 हजार 875 रुपये का सरचार्ज माफ किया गया। साथ ही शेष राशि को आसान किश्तों में जमा करने की सुविधा प्रदान की गई, जिससे उन्हें बड़ी आर्थिक राहत मिली। श्रीमती सरिता बाई ने कहा कि यह योजना उनके जैसे जरूरतमंद परिवारों के लिए अत्यंत उपयोगी है। अब वे बिना किसी अतिरिक्त आर्थिक दबाव के किश्तों में बिजली बिल का भुगतान कर सकेंगी। उन्होंने इस जनहितकारी पहल के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना-2026 के माध्यम से प्रदेशभर में ऐसे उपभोक्ताओं को राहत मिल रही है, जो आर्थिक कारणों से बिजली बिल जमा करने में कठिनाई का सामना कर रहे थे। यह योजना आमजन को राहत देने और उनकी आर्थिक परेशानियों को कम करने की दिशा में एक प्रभावी पहल साबित हो रही है।

80 डिसमिल जमीन पर खड़ा किया मुनाफे का साम्राज्य, खुद बने आत्मनिर्भर, 10 ग्रामीणों को भी दिया रोजगार

पीएम मत्स्य संपदा योजना से पुरुषोत्तम के एक्वा हब ने बदली केकराखोली की सूरत

रायपुर/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना भारत सरकार द्वारा मत्स्य पालन क्षेत्र के सतत विकास के लिए शुरू की गई एक प्रमुख योजना है। का उद्देश्य मछली उत्पादन बढ़ाना, मछुआरों की आय दोगुनी करना, आधुनिक तकनीक अपनाना और कटाई के बाद के नुकसान को कम करना है। बायोफ्लॉक, केज कल्चर और आरएएस जैसी आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देकर मछुआरों और मत्स्य किसानों की आय बढ़ाना और रोजगार के अवसर पैदा करना। छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचलों में अब युवा पारंपरिक खेती की

सीमाओं को लांघकर आधुनिक तकनीकों के दम पर स्वरोजगार की नई इबादत लिख रहे हैं। धमतरी जिले के ग्राम केकराखोली निवासी पुरुषोत्तम राम मरकाम आज राज्य के हजारों युवाओं के लिए आत्मनिर्भरता का एक जीवंत उदाहरण बनकर उभरे हैं। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के सहयोग और वैज्ञानिक प्रशिक्षण के बल पर पुरुषोत्तम ने मछलीपालन को एक बेहद सफल और मुनाफे वाले बिजनेस में तब्दील कर दिया है। शुरुआत में पुरुषोत्तम पारंपरिक तरीके से मछलीपालन कर रहे थे, लेकिन अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा था। उन्होंने हार मानने के बजाय बड़ौदा आरसेटी से वैज्ञानिक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

17 लाख की सरकारी मदद ने बदला भाग्य

शासन की मत्स्य संपदा योजना पुरुषोत्तम के लिए गेम-चेंजर साबित हुई। योजना के तहत उन्हें 17 लाख रुपये की सहायता और आवश्यक सामग्री प्राप्त हुई। उन्होंने अपनी 80 डिसमिल निजी भूमि पर लगभग 8 लाख रुपये के निवेश से अत्याधुनिक फिश टैंकों का निर्माण कराया। वर्तमान में उनके टैंकों में करीब 10 टन मछली तैयार है। हाल ही में मात्र 2 क्विंटल मछली बेचकर उन्होंने 40 हजार रुपये की आय अर्जित की है। वह न केवल स्वयं आर्थिक रूप से सुदृढ़ हुए हैं, बल्कि गाँव के 8 से 10 लोगों को नियमित रोजगार भी प्रदान कर रहे हैं।

सीएस विकाससील ने की महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्य सचिव श्री विकासशील ने आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में विभिन्न विभागों के अंतर्गत संचालित जनोन्मुखी महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की। उन्होंने पांचवें राष्ट्रीय मुख्य सचिव सम्मेलन में दी गई अनुशंसाओं पर विभागों द्वारा की गई कार्रवाई के बारे में विभागीय सचिवों से विस्तार से जानकारी ली। मुख्य सचिव ने स्कूल शिक्षा, कौशल विकास, उच्च शिक्षा, खेल एवं युवा कल्याण, महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं सहित अन्य विभागीय योजनाओं की प्रगति की जानकारी अधिकारियों से ली एवं अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। बैठक में सुशासन और प्रौद्योगिकी के संबंध में क्षमता विकास योजनाओं के बारे में अधिकारियों ने प्रस्तुतिकरण के जरिये जानकारी दी। इसी तरह से अंतिम छोर तक शासन की योजनाओं का पारदर्शी लाभ पहुंचाने के लिए डेटा आधारित निगरानी प्रणाली के संबंध में की जा रही कार्यवाही की

प्रगति की जानकारी ली गई। मुख्य सचिव ने आंगनबाड़ी भवन की स्थिति के बारे में जानकारी लेते हुए कहा कि प्राथमिक शालाओं के अतिरिक्त कक्षों में आंगनबाड़ी संचालित करने के लिए कलेक्टरों को आवश्यक दिशा-निर्देश देने विभागीय अधिकारियों को कहा। समग्र शिक्षा के अंतर्गत शालाओं में जहा अतिरिक्त कक्ष नही है वहां पर अतिरिक्त कक्ष निर्माण कराने अधिकारियों को कहा गया है। बैठक में अधिकारियों ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सूचना एवं प्रौद्योगिकी, महत्वपूर्ण योजनाओं की प्रगति की जानकारी विभागीय अधिकारियों ने दी।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े की पहल से ओड़गी में दूर हुआ पेयजल संकट

■ **क्रेडा द्वारा स्थापित किए गए नए सोलर पंप, दूरस्थ गांवों में पहुंची राहत**

रायपुर/नवप्रदेश। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के निर्देश पर भटगांव विधानसभा क्षेत्र के ओड़गी विकासखंड में लंबे समय से बनी पेयजल समस्या के समाधान के लिए त्वरित पहल की गई है। क्रेडा विभाग द्वारा विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों और सार्वजनिक संस्थानों में नए सोलर पंप स्थापित किए जाने से भीषण गर्मी के बीच ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने क्षेत्र में पेयजल संकट की गंभीरता को देखते हुए अधिकारियों को प्राथमिकता के साथ समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद क्रेडा विभाग ने तेजी से कार्रवाई करते हुए पेंडारी एवं गोंडपारा, मोहरसोप और बनखेतापारा, नवाटोला एवं यादवपारा, कल्हुआ स्कूलपारा तथा बिहारपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सहित कई संवेदनशील क्षेत्रों में सोलर पंप स्थापित किए।

इन सोलर पंपों के शुरू होने से ग्रामीणों को अब स्वच्छ पेयजल आसानी से उपलब्ध हो रहा है। विशेष रूप से बिहारपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में सोलर पंप लगने से मरीजों और उनके परिजनों को भी राहत मिली है। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि प्रदेश सरकार गांवों तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

सुकमा के सुदूर गांवों में पेड़ के नीचे सजी चौपाल, कलेक्टर ने किया संवाद

■ **कलेक्टर ने हमीरगढ़, जैमेर और पेरमारास में ग्रामीणों से किया संवाद**

रायपुर/नवप्रदेश। शासन की लोक-कल्याणकारी नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने के लिए आयोजित सुशासन तिहार 2026 का सुकमा जिले में संवेदनशील स्वरूप देखने को मिला।

सुकमा जिले के छिंदगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम हमीरगढ़, जैमेर और पेरमारास में आयोजित विशेष शिविरों में प्रशासन स्वयं चलकर ग्रामीणों के द्वार तक पहुँचा। इस दौरान न केवल समस्याओं का त्वरित निराकरण हुआ, बल्कि ग्रामीणों को शासन

की विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी भी दी गई। ग्रामीणों ने प्रशासन की इस द्वार पर दस्तक पहल की मुक्त कंठ से सराहना की। संवेदनशीलता जब ग्रामीणों के बीच जमीन पर बैठे अधिकारी जैमेर और पेरमारास के शिविरों में प्रशासन का मानवीय चेहरा तब सामने आया जब कलेक्टर श्री अमित कुमार, जिला पंचायत सीईओ श्री मुकुन्द ठाकुर और अन्य आला अधिकारी किसी प्रोटोकॉल के बिना पेड़ के नीचे चौपाल लगाकर ग्रामीणों के बीच बैठ गए।

अधिकारियों ने ग्रामीणों से आत्मीय संवाद करते हुए उनकी जमीनी समस्याओं और सुझावों को सुना। कलेक्टर ने चौपाल के माध्यम से प्रमुख योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की, जिनमें मुख्य रूप से शामिल हैं।

मनरेगा से बदली तुलसाबाई की जिंदगी, पशुपालन को मिला सुरक्षित आधार

- मवेशी शेड निर्माण से पशुओं की बेहतर देखभाल, बढ़ी आय और खेती को मिला जैविक खाद का लाभ

रायपुर/नवप्रदेश। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) ग्रामीण परिवारों की आजीविका को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। जांजगीर-चांपा जिले के जनपद पंचायत नवागढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत धुरकोट की निवासी श्रीमती तुलसाबाई के जीवन में भी मनरेगा के माध्यम से सकारात्मक बदलाव आया है। तुलसाबाई पति रामशंकर के लिए मनरेगा अंतर्गत मवेशी शेड का निर्माण कराया गया। इस कार्य के लिए 72 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई। शेड निर्माण से उनके पशुपालन कार्य को सुरक्षित और व्यवस्थित आधार मिला है। पहले तुलसाबाई अपने मवेशियों को खुले स्थान पर रखती थीं, जिससे धूप, बारिश और अन्य मौसमीय प्रभावों के कारण पशुओं को परेशानी होती थी।

सुशासन तिहार में अच्छी पहल, कोतबा नगर पंचायत शिविर में जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने ली नशा मुक्ति की शपथ

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले में "सुशासन तिहार 2026" के अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविरों का आयोजन प्रभावी रूप से किया जा रहा है। इसी क्रम में 13 मई 2026 को नगर पंचायत कोतबा में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किया गया।

शिविर में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और बड़ी संख्या में नगरवासियों ने भाग लिया। इस

अवसर पर नशा मुक्ति अभियान के तहत जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों को नशे से दूर रहने तथा समाज को नशामुक्त बनाने की सामूहिक शपथ दिलाई गई। लगभग 500 लोगों ने इस अभियान में भाग लेते हुए स्वस्थ और जागरूक समाज निर्माण का संकल्प लिया।

शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 104 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें मांग और शिकायतों से जुड़े प्रकरण शामिल थे। प्राप्त आवेदनों के त्वरित निराकरण के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

कार्यक्रम में नगर पंचायत कोतबा के जनप्रतिनिधि, पार्षदगण, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पत्थलगांव, जिला स्तरीय अधिकारी, विकासखंड स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

आसान हुआ पुराने बिलों का भुगतान: यह योजना उपभोक्ताओं के लिए राहत का बड़ा माध्यम बनकर उभरी

मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना से आम उपभोक्ताओं को मिली राहत

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ सरकार की मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना 2026 बीपीएल, घरेलू और कृषि उपभोक्ताओं के लिए एक राहत पहल है। इसके तहत पुराने बकाये पर सरचार्ज में छूट मिल रही है। बकाया बिजली बिल पर लगने वाला पूरा सरचार्ज (ब्याज) माफ या मूल बकाया राशि एकमुश्त या किस्तों में जमा करने की सुविधा। यह योजना बीपीएल, सामान्य घरेलू और कृषि उपभोक्ताओं को लंबे समय से लंबित बिजली बिलों के बोझ से मुक्ति दिलाने के लिए लाई गई है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेशवासियों को आर्थिक राहत

प्रदान करने और उनकी दैनिक जीवन से जुड़ी समस्याओं का व्यावहारिक समाधान देने के लिए लगातार जनहितकारी निर्णय ले रही है। इसी कड़ी में शुरू की गई मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना 2026 लाखों बिजली उपभोक्ताओं के लिए राहत का बड़ा माध्यम बनकर उभरी है। यह योजना विशेष रूप से उन परिवारों के लिए उपयोगी है जो पुराने बकाया बिजली बिल और बढ़ते सरचार्ज के कारण आर्थिक दबाव में थे। इस योजना का लाभ मुख्य रूप से बीपीएल परिवारों, सामान्य घरेलू उपभोक्ताओं और कृषि उपभोक्ताओं को दिया जा रहा है। ऐसे उपभोक्ता जिनके बिजली बिल लंबे समय से बकाया हैं और जो एकमुश्त भुगतान करने में कठिनाई महसूस कर रहे हैं, वे इस योजना के माध्यम से अपने बकाया का समाधान कर सकते हैं। सरचार्ज की पूरी माफी, पुराने बकाया बिलों पर लगने वाला सरचार्ज अक्सर मूल राशि से भी अधिक हो जाता है। इस योजना के तहत सरचार्ज की पूर्ण माफी से उपभोक्ताओं को तत्काल बड़ी राहत मिलती है।

क्या है मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना 2026'

मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना 2026 राज्य सरकार की एक विशेष पहल है, जिसका उद्देश्य उपभोक्ताओं के पुराने और लंबित बिजली बिलों का सरल समाधान उपलब्ध कराना है। योजना के तहत बकाया बिजली बिलों पर लगने वाले सरचार्ज को पूरी तरह माफकिया जा रहा है। इसके साथ ही उपभोक्ताओं को शेष राशि का भुगतान एकमुश्त या आसान किस्तों में करने की सुविधा भी दी गई है। पात्र श्रेणियों के उपभोक्ताओं को मूल बकाया राशि पर भी विशेष छूट का लाभ मिल रहा है।

'28 लाख से अधिक उपभोक्ताओं को मिल चुकी है राहत'

राज्य शासन के अनुसार इस योजना के माध्यम से अब तक प्रदेश के 28 लाख से अधिक उपभोक्ताओं को 757 करोड़ रुपए से अधिक के सरचार्ज माफहोंगे। यह आंकड़ा दर्शाता है कि योजना न केवल व्यापक स्तर पर लागू की गई है, बल्कि लाखों परिवारों के लिए वास्तविक आर्थिक सहायता का माध्यम भी बनी है।

मोदी की अपील ने जनता के जख्मों पर नमक छिड़कने का काम किया: मोहन मरकाम

- महंगाई, ईंधन संकट और उर्वरक कमी को लेकर केंद्र सरकार पर कांग्रेस का हमला
- पेट्रोल-डीजल, गैस और जरूरी वस्तुओं के बढ़ते दामों पर उठाए सवाल

जगदलपुर। नव प्रदेश। संभाग मुख्यालय राजीव भवन जगदलपुर में आयोजित पत्रकार वार्ता में पूर्व मंत्री मोहन मरकाम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि देश पिछले दो माह से डीजल, पेट्रोल और गैस संकट के साथ बढ़ती महंगाई की मार झेल रहा है, ऐसे समय में प्रधानमंत्री की अपील ने देशवासियों के जख्मों पर नमक छिड़कने का काम किया है। पत्रकार वार्ता में बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष सुशील मौर्य भी उपस्थित रहे।

मोहन मरकाम ने कहा कि प्रधानमंत्री ने किसानों को उर्वरकों का कम उपयोग करने, कामकाजी वर्ग को वर्क फ्रॉम होम अपनाने, महिलाओं को खाद्य तेल और गैस का कम इस्तेमाल करने तथा लोगों को सोना और विदेश यात्रा से बचने की सलाह दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जनता को राहत देने के बजाय कम उपयोग की अपील कर अपनी जिम्मेदारियों से बच रही है।उन्होंने कहा कि देश में पिछले कई वर्षों से उर्वरकों की कमी बनी हुई है, जिससे किसानों की उत्पादकता प्रभावित हो रही है। मरकाम ने दावा किया कि छत्तीसगढ़ में खरीफ सीजन के लिए लगभग 15 लाख मीट्रिक टन उर्वरकों की आवश्यकता है, लेकिन अब तक केवल सीमित मात्रा ही समितियों तक पहुंच पाई है।उन्होंने कहा कि महंगे उर्वरकों और कमी के कारण किसान कर्ज के बोझ तले दब रहे हैं।

पत्रकार वार्ता में बढ़ती महंगाई को लेकर भी केंद्र सरकार को घेरा गया। उन्होंने कहा कि आटा,चावल,दाल,खाद्य तेल, रसोई गैस,पेट्रोल और डीजल सहित लगभग सभी आवश्यक वस्तुओं के दाम बीते वर्षों में कई गुना बढ़ गए हैं,जिससे आम आदमी का घरेलू बजट पूरी तरह बिगड़ चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि आम परिवारों को घर चलाने के लिए कर्ज लेना पड़ रहा है।

मोहन मरकाम ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वयं लगातार विदेश यात्राएं कर रहे हैं, जबकि जनता को खर्च कम करने की सलाह दी जा रही है। उन्होंने पेट्रोल-डीजल पर बढ़े करों, टोल टैक्स और आवश्यक वस्तुओं पर जीएसटी को भी महंगाई का बड़ा कारण बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं और मंत्रियों को पहले स्वयं डीजल-पेट्रोल बचाने की पहल करनी चाहिए। 8स दौरान बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी शहर व ग्रामीण जिलाध्यक्ष क्रमशः सुशील मोर्य,प्रेमशंकर शुक्ला,नेता प्रतिपक्ष राजेश चौधरी,राष्ट्रीय युवा कांग्रेस प्रवक्ता जावेद खान,ब्लाक अध्यक्ष बलराम यादव,महिला अध्यक्ष लता निषाद व अन्य सम्मलित थे।

महंगाई और ईंधन संकट पर कांग्रेस का प्रदर्शन तेज

कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और ईंधन संकट को नियंत्रित करने में विफल रही है। पार्टी ने कहा कि देश में गैस,पेट्रोल और डीजल संकट से आम लोग और उद्योग दोनों प्रभावित हो रहे हैं। कांग्रेस ने केंद्र सरकार से महंगाई पर नियंत्रण और आम जनता को राहत देने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की। पत्रकार वार्ता में पूर्व मंत्री मोहन मरकाम ने कहा कि केंद्र सरकार को विपक्षी दलों के साथ चर्चा कर आर्थिक और ईंधन संकट से निपटने के लिए प्रभावी रणनीति बनानी चाहिए।

न्यूज गैलरी

29 हितग्राहियों का अंतागढ़ में बनेगा प्रधानमंत्री आवास, भवन अनुज्ञा प्रमाण पत्र दिया गया

अंतागढ़ / नव प्रदेश। केंद्र सरकार की महत्पूर्ण प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत अंतागढ़ मे 29 अभ्यर्थियों का सपना अब बहुत जल्द साकार होने जा रहा है जिसके तहत आज अंतागढ़ नगर पंचायत कार्यालय मे अध्यक्ष राधेलाल नाग उपाध्यक्ष अमल नरवास के अगुवाई मे पार्षदो के द्वारा 29 हितग्राहियों को भवन अनुज्ञा प्रमाण पत्र प्रदान कर सभी हितग्राहियों को बधाइ दिया गया. नगर अध्यक्ष राधेलाल नाग ने बताया कि देश के यशस्वी प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा गरीबो के भी पक्के मकान हो इस आसय से प्रधान मंत्री आवास योजना चला रही है। जिसके तहत अंतागढ़ नगर पंचायत के 29 हितग्राहियों को आज भवन अनुज्ञा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया. जिसके बाद अब हितग्राहीयों द्वारा अपने पक्का मकान का निर्माण कार्य सुरु करा सकेंगे। इस योजना के तहत शासन द्वारा प्रत्येक हितग्राही को 250000 (दो लाख पचास हज़ार) प्रदान करेगी। जो सीधे हितग्राहियों के दिए खाते मे डाले जाएंगे. वहीं हितग्राहियों के द्वारा डेढ़ साल (18 महीने) के भीतर अपना पक्का मकान निर्माण पूरा करा लिया जाता हैं तो पुनः शासन द्वारा मुख्यमंत्री गृह प्रवेश सम्मान योजना के तहत हितग्राही को 32000 (बत्तीस हज़ार) रू प्रदान करेगी. इस तरीके से एक हितग्राही को पक्का मकान बनाने के लिए कुल 2 लाख 83 हजार रु प्रदान किए जायेंगे। वहीं इस कार्य के बाद सभी 29 हितग्राहियों चेहरे खिलें हुवे दिखे. क्यो की इन गरीबों का भी अब पक्का मकान में रहने का सपना पूरा होने जा रहा हैं।

हल्बा समाज की ब्लॉक बैठक तेलावट में संपन्न

कांकेर / नवप्रदेश। अखिल भारतीय हल्बा आदिवासी समाज ब्लाक कांकेर का बैठक ग्राम तेलावट में आयोजित रहा आज ग्राम तेलावट में हल्बा समाज का बैठक आयोजन किया गया,इस बैठक का उद्देश्य समाज में युवा और युवतियों को आगे बढ़ाने के लिए शिक्षा उत्कर्ष का गठन कर कैरियर गाइडेंस को विशेष महत्व दिया जा रहा है,इस उद्देश्य को लेकर पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष वार्षिक उत्सव व प्रतिभा सम्मान का कार्यक्रम ग्राम तेलावट में 31 माई को तय किया गया, कांकेर ब्लाक में प्रतिभा को निखारने हेतु बोर्ड की परीक्षा में 80त्नसे ऊपर लाने वाले सभी छात्रों को सम्मान किया जाता, साथ ही ह्ढ्ढञ्ज,ढ्ढह्लद्ब, स्ब्वह्र क्चह्ल परीक्षा उत्तीर्ण करने पर 10,000/ से सम्मान किया जाता है, साथ ही जो आर्थिक क्षेत्र में कमजोर है उन्हें पढ़ाई करने के लिए समाज के द्वारा सहयोग प्रदान किया जाता है।साथ ही पंचू राम नायक ने वर्तमान में भवन जनगणना चल रहा है और कुछ दिनो में जातीगत जनगणना होगा उसमें विशेष ध्यान देना है इसके लिए समाज के सभी पदाधिकारी से निवेदन करते हुए सुझाव साझा किया बैठक कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष ज्ञानू राम भोयर, ब्लाक अध्यक्ष परशूराम भोयर पंचू राम नायक अध्यक्ष छत्तीसगढ़ आदिवासी हल्बा समाज कांकेर,उपेश्वर ठाकुर अध्यक्ष उत्कर्ष कोष, उपाध्याय जगदीश भोयार,तुमेश चिराम,एस आर कोरटिय, समाज के समस्त पदाधिकारी, समस्त माता बहिनों की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

पखांजूर क्षेत्र में अवध रेती उत्खनन जोरों पर

पखांजूर/ नवप्रदेश। पखांजूर क्षेत्र में अवध रेती उत्खननजोरों पर है आए दिन सैक्रो गाड़ी रेती उत का पखांजूर मुख्यालय की की सभी अधिकारी का निवास भी है कार्यालय भी हहो जोगी जिला मख्यालय से 125 किलोमीटर दूरी पर है रेट उत्खनन चालकों का रेत माफ्यिा का गोल वाला चल रहा है जिससे कि शासन को लाखों रुपए का राजस्व कहानी हो रही है ऐसा लगता हैकी रेत माफ्यिा का राजनीतिक बहुत-बहुत दूर तक है आए दिन राजनेताओं कादौररो पर आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है ऐसा लगता है कि मिली भगत से ही अंजाम दिया जा रहे हैं इस इस संबंध में विभागीय अधिकारियों से संपर्क करने की कोशिश की गई पर संपर्क नहीं हो पाई।

जनसमस्या निवारण शिविर में किसानों को मिली किसान पुस्तिका

कोरिया / नवप्रदेश।सुशासन तिहार के अंतर्गत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। इसी क्रम में ग्राम गेजी निवासी श्री ललितपाल तथा श्री चंद्रपाल तथा बचरा निवासी श्री विजय सिंह को ग्राम बचरा में आयोजित शिविर के दौरान किसान पुस्तिका प्रदान की गई।किसान पुस्तिका प्राप्त कर श्री ललितपालए श्री चंद्रपाल व विजय सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि उन्हें किसान किताब मिलने की उम्मीद तो थी, लेकिन जब मंच से उनका नाम पुकारा गया तो उन्हें एक पल के लिए विश्वास ही नहीं हुआ।

भीषण गर्मी में घंटों कतार में खड़े रहे लोग, कई पंपों पर सीमित किया गया पेट्रोल

अफवाहों से बढ़ी भीड़, फ्यूल स्टेशनों पर छाया कृत्रिम संकट

जगदलपुर / नव प्रदेश। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और वैश्विक स्तर पर तेल संकट की आशंका का असर अब बस्तर में भी दिखाई देने लगा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईंधन की अनावश्यक खपत कम करने की अपील के बाद लोगों में पेट्रोल-डीजल की उपलब्धता को लेकर डर बढ़ गया, जिसके चलते शहर के पेट्रोल पंपों पर अचानक भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने जरूरत से ज्यादा ईंधन भरवाना शुरू कर दिया,जिससे कई स्थानों पर कृत्रिम संकट जैसी स्थिति बन गई।गुरुवार सुबह से शुक्रवार देर रात तक शहर के अधिकांश पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लगी रहीं। वाहन चालक भीषण गर्मी और तेज धूप में घंटों अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए। धरमपुरा रोड स्थित दंतेश्वरी फ्यूल में सुबह से ही दोपहिया और चारपहिया वाहनों की लंबी लाइनें लगी रहीं। वाहनों की अत्यधिक भीड़ के कारण सड़क पर जाम जैसी स्थिति बन गई, जिससे यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हुई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए बाइक चालकों को केवल 300 रुपये और चारपहिया वाहन चालकों को 500 रुपये तक का ही पेट्रोल दिया गया। अचानक बढ़ी मांग के चलते कई पेट्रोल पंपों का स्टॉक समय से पहले खत्म हो गया। कई पंपों पर ÷पेट्रोल-डीजल उपलब्ध नहीं÷ की तख्तियां तक लगानी पड़ीं। हाईवे स्थित सोढ़ी पेट्रोल पंप के मैनेजर ने बताया कि सामान्य दिनों की तुलना में बिक्री दोगुने से अधिक रही और देर रात तक लगातार ग्राहकों की भीड़ बनी रही। एक ही दिन में हजारों लीटर ईंधन की बिक्री हुई, जिससे कर्मचारियों पर भी अतिरिक्त दबाव बना रहा।

लोगों में फैली अफ्वाहों और इंटरनेट मीडिया पर चल रही चर्चाओं के कारण कई उपभोक्ताओं ने आने वाले दिनों में ईंधन की भारी कमी की आशंका जताते हुए टैंक फुल कराने शुरू कर दिए। इससे शहर के लगभग सभी पेट्रोल पंपों पर दबाव बढ़ गया। इधर,प्रशासन ने स्थिति का जायजा लेते हुए लोगों से अफ्वाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की है। अधिकारियों के अनुसार रायपुर स्थित ऑयल डिपो से लगातार टैंकर रवाना किए जा रहे हैं और कई पंपों पर दोबारा आपूर्ति भी शुरू हो चुकी है।

प्रशासन ने की संयम बरतने की अपील

खाद्य विभाग की टीम ने शहर के विभिन्न पेट्रोल पंपों का निरीक्षण कर स्थिति की समीक्षा की। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जिले में पेट्रोल-डीजल की कोई वास्तविक कमी नहीं है और घबराहट में जरूरत से ज्यादा ईंधन खरीदने से ही अस्थायी दबाव की स्थिति बनी। प्रशासन ने लोगों से केवल आवश्यकता अनुसार ही पेट्रोल-डीजल खरीदने और अफ्वाहों से बचने की अपील की है,ताकि कृत्रिम संकट और अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न हो।

शादी का झांसा देकर नाबालिग की अस्मत लूटने वाला आरोपी गिरफ्तार

कांकेर / नवप्रदेश। सिटी कोतवाली ने शादी का झांसा देकर लगातार शारीरिक संबंध बनाकर नाबालिग से दुष्कर्म मामले में आरोपी समीर नाग पिता धनीराम उम्र 21 वर्ष निवासी ग्राम धनोरा थाना धनोरा जिला कोण्डागांव को गिरफ्तार न्यायालय में पेश किया गया।जहां से जेल भेज दिया गया है।सिटी कोतवाली पुलिस ने बताया कि पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश साहू के मार्गदर्शन तथा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस मोहसिन खान के पर्यवेक्षण में प्रार्थिया द्वारा थाना कांकेर में लिखित आवेदन प्रस्तुत कर रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उसकी नाबालिग बेटी को शादी का झांसा देकर उसके भांजे समीर नाग द्वारा लगातार शारीरिक संबंध बनाया गया।प्रार्थिया की रिपोर्ट पर थाना कांकेर में अपराध क्रमांक 157/2026 धारा 64(1), 64(2), 65(1) बीएनएस एवं 4, 6 पॉक्सो एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।विवेचना के दौरान आरोपी की पता तलाश कर ग्राम धनोरा जिला कोण्डागांव में घेराबंदी कर आरोपी को अभिरक्षा में लिया गया। पूछताछ में आरोपी द्वारा अपराध करना स्वीकार किए जाने पर आरोपी समीर नाग पिता धनीराम, उम्र 21 वर्ष निवासी धनोरा जिला कोण्डागांव को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।पुलिस टीम का विवरण थाना प्रभारी प्रतिक दादासाहब बनसोड उप निरीक्षक सुरेन्द्र मानिकपुरी सउनि भुनेश्वरी भगत आरक्षक मनोज ध्रुव शामिल थे।कांकेर पुलिस की अपील करती है कि अपराध पर नियंत्रण पुलिस और जनता की साझा जिम्मेदारी हैं। कई बार आपकी एक छोटी सी सूचना बडे अपराधों को रोक सकती हें, इसी उद्देश्य से जिला उत्तर बस्तर कांकेर पुलिस द्वारा किसी भी संदिग्ध या अपराधिक गतिविधियों की जानकारी देने के लिए अपराधिक हेल्पलाईन नंबर 94791-55125 संचालित की जा रही हैं।

पैराडाइज सीबीएसई 12वीं में पुन: बेटियों ने मारी बाजी

- पैराडाइज स्कूल का वार्षिक परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा

कांकेर / नवप्रदेश। पैराडाइज स्कूल सी.बी.एस.ई. स्कूल कक्षा 12वीं का वार्षिक परीक्षा परिणाम उत्तम रहा। कक्षा 12वीं से सबसे हाईएस्ट प्रतिशत नुपुर ठाकुर 88त्न, हिमांशु सिन्हा 85.80त्न, शुभांशी गुप्ता 83त्न, सोमी कौर चावला 82.20त्न, चेष्टा नेताम 79.60त्न, ने टॉप रेन्क प्राप्त कर अपने माता-पिता, स्कूल एवं शिक्षकों का नाम रोशन किया। साथ ही मयंक गावणे 68. 80त्न, रहीला बानो 68त्न, प्रखर दर्रो 64.20त्न, गितेश ठाकुर 62.60त्न, भावेश यादव 62. 60त्न, आदित्य पटेल 62.20त्न, हुमिका सुरोजिया 62त्न, शुभम चौरसिया 61.20त्न, विद्या रानी साहू 59.40त्न, मसरत फातिमा 59.40त्न, मधुसूदन बिस्वाल 56.80त्न, अनमता खान 54.60त्न, शैली अहीर व लक्ष्य उईके 53.60त्न, कृष खरे 53त्न, कोमल यादन एवं कामना यादव 48.20त्न ने उत्कृष्ट परिणाम रहा।इस अवसर पर प्राचार्य रश्मि रजक ने बच्चों के सर्वागीण विकास के लिए शिक्षकों को आभार प्रकट किया एवं पालकों एवं बच्चों को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनायें दी।

पैराडाइज स्कूल बच्चो को बहुमूल्य रत्नो के समान समझता है जिसके गुणों का सम्पूर्ण विकास, शिक्षण एवं प्रशिक्षण द्वारा हो सकता है। पैराडाइज स्कूल मे पाठ्यक्रम के अध्ययन अध्यापन के अलावा बच्चों मे अंतर्निहित कला कौशल एवं खेलकूद की प्रतिभा को विकसित किया जाता है, बौद्धिक एवं नेतृत्व प्रतिभा के विकास के लिये हमेशा अपने विषय में पारंगत शिक्षकों द्वारा ही बच्चों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है जिससे विद्यार्थियों को अपने गहन अध्ययन अध्यापन से अपनी प्रतिभा को निखारने का

बस्तर मुन्ने कार्यक्रम का आयोजन, पहली बार नक्सल प्रभावित ग्राम सीतरम पहुंचे कलेक्टर

पखांजुर/ नवप्रदेश।बस्तर मुन्ने कार्यक्रम का आयोजन पहली बार नक्सल प्रभावित ग्राम सीतरम पहुंचे कलेक्टर,देशी अंदाज में पेड़ के नीचे जमीन पर बैठकर सुनी ग्रामीणों की समस्या, नक्सल प्रभावित ग्राम सीतरम में पहली बार कलेक्टर नीलेश महादेव क्षीरसागर पहुंचे, जहां उन्होंने ग्रामीणों के साथ दरी में बैठकर जनचौपाल लगाई और उनकी समस्याएं सुनीं,ग्रामीणों ने सड़क, पुल-पुलिया, पेयजल एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की मांग प्रशासन के सामने रखी,

दौरे के दौरान कलेक्टर ने क्षेत्र में निर्माणाधीन सड़क एवं पुल-पुलिया कार्यों का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को गुणवत्ता एवं समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए, उन्होंने कहा कि दूरस्थ और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाएगा, ताकि ग्रामीणों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

इस दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी भी मौजूद रहे,पहली बार अपने सामने कलेक्टर को देखकर ग्रामीणों में उत्साह देखने को मिला।

नक्सलियों के डंप आईआईडी प्रेशर कुकर बरामद

कांकेर / नवप्रदेश।थाना कोयलीबेड़ा पुलिस डीआरजी टीम एवं बीएसएफ सुरक्षा बलों की संयुक्त कार्यवाही में नक्सल सामग्री एवं आईईडी बरामद किया गया है। कांकेर-नारायणपुर सीमावर्ती जंगल क्षेत्र में नक्सल डम्प का खुलासा किया गया है।सुरक्षा बलों द्वारा मौके पर प्रेशर कुकर आईईडी सुरक्षित रूप से नष्ट किया गया

घटना का संक्षिप्त विवरण सुन्दरराज पी. पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज जगदलपुर के मार्गदर्शन में दीपक तिवारी डीआईजी बीएसएफ भानुप्रतापपुर तथा निखिल कुमार राखेचा पुलिस अधीक्षक, कांकेर एवं रणधीर सिंह गिल सेनानी 40वीं वाहिनी बीएसएफ कोयलीबेड़ा के निर्देशन में जिले में नक्सल उन्मूलन अभियान संचालित किया जा रहा है।नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत थाना कोयलीबेड़ा पुलिस, डीआरजी टीम एवं बीएसएफ सुरक्षा बलों द्वारा लगातार क्षेत्र में सर्चिंग अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में 13 मई 2026 एवं 14 मई 2026 को थाना कोयलीबेड़ा एवं जिला कांकेर-नारायणपुर सीमावर्ती क्षेत्र के ग्राम डोमांज आमाकोल एवं गट्टाकाल के मध्य जंगल-पहाड़ी क्षेत्र में सर्चिंग के दौरान नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखा गया नक्सल डम्प बरामद किया गया है।

बरामद सामग्री में बीजीएल सेल 50 नग प्रेशर कुकर आईईडी ङ्क 02 नग (लगभग 05 कि.ग्रा. एवं 03 कि.ग्रा.) पाइप आईईडी 02 नग बिजली वायर पेट्रोल बम 05 नग कॉर्डेक्स वायर बरामद किया गया है।बरामद प्रेशर कुकर आईईडी में से एक आईईडी को सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए मौके पर ही सुरक्षित रूप से निष्क्रिय/नष्ट किया गया।सुरक्षा बलों की सतर्कता एवं लगातार अभियान के चलते नक्सलियों की विध्वंसक गतिविधियों को विफल किया जा रहा है।शामिल पुलिस टीम विवरण माधो मुरारी लाल एसी बीएसएफ 40क्चह्न हिम्मत सिंग एसआई (जी) बीएसएफ क्वस्न40क्चह्न जे.पी. बाना इंस्पेक्टर बीएसएफ क्वस्न40क्चह्न,सौरभ यादव एसआई बीएफएफ 40क्चह्न,नरेन्द्र नेताम सउनि डीआरजी चार्ली अंकुश कुमार एसी क्वस्न40 क्चह्न, निर्मल जांगडे, निरीक्षक थाना प्रभारी कोयलीबेड़ा, प्रकाश सिंग बिस्ट,इंस्पेक्टर क्वस्न40क्चह्न.,ईशरू, इंस्पेक्टर बीएफएफ 40क्चह्न,सचिन एसआई क्वस्न 40क्चह्न, अनिल सिंग नेगी, एसआई क्वस्न 40क्चह्न ने अहम भूमिका निभाई है। क्षेत्र में सर्चिंग अभियान लगातार जारी है।

उजियारा अभियान में जब्त 10 लाख की शराब को नष्ट किया

कांकेर / नवप्रदेश। कांकेर पुलिस अधीक्षक निखिल अशोक कुमार राखेचा जी के उजियारा अभियान के तहत आबकारी एक्ट के कुल 158 प्रकरणों में जप्त 1561.190 बल्क लीटर अवैध शराब का नष्टीकरण करते हुए अब तक लगभग ?10 लाख /- मूल्य का देशी महुआ शराब एवं अंग्रेजी शराब को न्यायालयीन आदेशानुसार नष्ट कर पूर्ण वैधानिक प्रक्रिया किया गया है।अवैध शराब के कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण हेतु कांकेर पुलिस की लगातार सख्त कार्यवाही अब भी जारी है। जिले भर में ÷उजियारा अभियान÷ संचालित किया जा रहा है। उक्त अभियान का मुख्य उद्देश्य जिले में अवैध शराब के निर्माण, परिवहन, भंडारण एवं बिक्री पर प्रभावी रोक लगाना, समाज में नशे से होने वाले अपराधों पर नियंत्रण स्थापित करना तथा आमजन में सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखना है। उक्त अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कांकेर योगेश साहू के मार्गदर्शन एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कांकेर मोहसिन खान के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी सुरेश कुमार राठौर एवं थाना स्टॉफ की उपस्थिति में थाना चारामा में दर्ज विभिन्न आबकारी एक्ट के प्रकरणों में जब्त अवैध शराब को न्यायालयीन प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत माननीय न्यायालय से प्राप्त आदेश के पालन में 13 मई 2026 को विधिवत नष्टीकरण किया गया है।

कलेक्टर ने बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने, ऑक्यूपेंसी सुनिश्चित करने दिए निर्देश

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उदयपुर में पोषण पुनर्वास केंद्र का संचालन शुरू हुआ।

पूर्व में निरीक्षण के दौरान उदयपुर क्षेत्र में कुपोषित बच्चों के बेहतर उपचार और देखभाल हेतु कलेक्टर अजीत वसंत ने पोषण पुनर्वास केंद्र शुरू करने आवश्यक व्यवस्था हेतु निर्देशित किया था। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र उदयपुर में 10 बिस्तरीय पोषण पुर्नवास केन्द्र का जिला खनिज न्यास निधि मद से जीर्णोधार कार्य, मानव संसाधन की व्यवस्था, पोष्टिक आहार इत्यादि व्यवस्था की गई। आवश्यक कार्यवाही पश्चात 4 मई को अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य एवं स्वच्छता समिति राधा रवि के द्वारा 10 बिस्तरीय पोषण पुर्नवास केन्द्र का उद्घाटन किया गया। उन्होंने व्यवस्थाओं को देखा और शिशुवती माताओं से चर्चा की। एनआरसी उदयपुर क्षेत्र के कुपोषण से जूझ रहे बच्चों के स्वास्थ्य सुधार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यहां बच्चों को पौष्टिक आहार, नियमित स्वास्थ्य जांच तथा चिकित्सकीय परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि केंद्र में प्रशिक्षित चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी तैनात किए गए हैं, जो गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों की देखभाल करेंगे। साथ ही माताओं को संतुलित आहार एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया जाएगा। कलेक्टर वसंत में एनआरसी में महिला बाल विकास तथा स्वास्थ्य विभाग को गंभीर कुपोषित बच्चों की

त्वरित पहचान कर उन्हें इन केंद्रों में सतत रूप से भेजने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बच्चों की सतत निगरानी रख बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने पालकों से भी अपील की है कि अपने कुपोषित बच्चों को शासन की इस सुविधा का लाभ लेकर कुपोषण मुक्त करें ताकि बच्चे का शारीरिक और मानसिक विकास हो सके। वर्तमान में जिले में कुल 03 पोषण पुनर्वास केन्द्रों में कुपोषित बच्चों को रखकर कुपोषण मुक्ति हेतु देखभाल किए जा रहे हैं। जिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सीतापुर एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र उदयपुर में पोषण पुर्नवास केन्द्र संचालित हैं।

वर्तमान में 7 बच्चों को मिल रहा है स्वास्थ्य लाभ

पुनर्वास केंद्र उदयपुर को 10 बिस्तरों की सुविधा के साथ प्रारंभ किया गया है। वर्तमान में 7 बच्चे भर्ती हैं, बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण, पौष्टिक आहार और चिकित्सकीय देखरेख के माध्यम से उपचार किया जा रहा है, जिससे बच्चों के स्वास्थ्य में सकारात्मक सुधार आ रहा है। कलेक्टर श्री वसंत ने कुपोषित बच्चों का चिन्हांकन कर शत-प्रतिशत ऑक्यूपेंसी पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

न्यूज गैलरी

अखिलेश बड़ौनीया के निधन पर अधिकारी-कर्मचारियों ने दी श्रद्धाजंलि

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। जिला कलेक्टरेट कार्यालय के नजूल शाखा में पदस्थ सहायक ग्रेड 2 अखिलेश बड़ौनीया का 10 मई 2026 की रात्रि हार्ट अटैक से आकस्मिक निधन हो गया। जिसपर बुधवार को जिला कलेक्टरेट परिसर में कलेक्टर अजीत वसंत सहित अधिकारियों-कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन धारण किया। इस दौरान मौन धारण कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान अपर कलेक्टर सुनील नायक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

लखनपुर में 2 वार्डों के लिए जनसमस्या निवारण शिविर का होगा आयोजन

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। 'सुशासन तिहार-2026' अंतर्गत 14 मई को जिले के ग्रामीण क्षेत्र में एक एवं नगरीय क्षेत्र में एक जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित होंगे। विकासखण्ड मैनपाट में शिविर स्थल महारानीपुर (मा.शा. प्रांगण) में शिविर लगेगा। जिसमें 16 ग्राम पंचायतों महारानीपुर, कतकालो, रजखेता, पीडिया, पेट, चैनपुर, कुनकुरी, कोटछाल, हर्रामार, जामढोढी, जामकानी, डांगबुड़ा, राजापुर, सलाईनगर, चिड़ापारा, खड़गांव के ग्रामीण अपने मांगो एवं शिकायतों सम्बन्धी आवेदन देंगे। शिविर प्रभारी अधिकारी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सीतापुर एवं सहायक प्रभारी अधिकारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मैनपाट होंगे। इसी प्रकार नगर पंचायत लखनपुर में शिविर स्थल नवीन सामुदायिक भवन साप्ताहिक बाजार के पास 02 वार्डों हेतु शिविर लगेगा। जिसमें वार्ड क्रमांक 13 एवं 14 शामिल हैं। शिविर प्रभारी अधिकारी नगर पंचायत लखनपुर के उप अभियंता प्रदीप कुमार एक्का होंगे। बता दें शासन के निर्देशानुसार जन शिकायतों का समयबद्ध एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करने तथा आम जनता को सुगम, पारदर्शी एवं त्वरित रूप से सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु सुशासन तिहार 2026 अंतर्गत 10 जून तक जिले में शिविर आयोजित होंगे।

किसान क्रेडिट कार्ड से अब ब्याज मुक्त ऋण से संवरेगी खेती-किसानी

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में 'सुशासन' की प्राथमिकता अब ग्रामीण अंचलों में बदलाव की नई इबारत लिख रही है। सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत चकरिया के किसान प्रदीप एक्का की कहानी सुशासन और सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का एक जीता-जागता उदाहरण है। प्रदीप अब न केवल कर्ज के बोझ से मुक्त हैं, बल्कि आधुनिक तकनीक से अपनी पैदावार भी बढ़ाएंगे। अपनी पुरानी समस्याओं को साझा करते हुए कृषि समिति कुन्नी से जुड़े किसान प्रदीप एक्का बताते हैं कि पहले उनके पास किसान क्रेडिट कार्ड नहीं था। कार्ड के अभाव में खेती के समय उन्हें भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। प्रदीप कहते हैं, ष्पहले मुझे निजी दुकानों से काफी ऊंचे दामों पर यूरिया और अन्य खाद खरीदना पड़ता था। संसाधन जुटाने में ही जमा पूंजी खत्म हो जाती थी, जिससे खेती करना घाटे का सौदा लगने लगा था। प्रदीप की समस्याओं का अंत तब हुआ जब उन्होंने शासन द्वारा आयोजित 'सुशासन तिहार' में शामिल हुए। सरकार की कार्यशैली पर संतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने बताया कि शिविर में मौजूद अधिकारियों ने संवेदनशीलता दिखाते हुए उनके आवेदन पर तत्काल कार्रवाई की। कागजों की जांच और प्रक्रिया इतनी त्वरित थी कि उन्हें दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़े। प्रदीप के लिए सबसे बड़ी राहत किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से मिलने वाला 0: ब्याज ऋण बना है। वे बताते हैं, ष्साय सरकार की योजना के तहत अब हमें साल भर के लिए बिना किसी ब्याज के पैसा मिल जाता है। जब जरूरत पड़ती है, पैसा हाथ में होता है, जिससे मैं सही समय पर खाद और उत्तम किस्म के बीज खरीद पाउंगा हूँ। अब मैं नई और उन्नत तकनीक के द्वारा खेती कर पाऊंगा।

राजस्व प्रकरणों में लापरवाही पर कलेक्टर सख्त, अधिकारियों को नोटिस जारी

मुंगेली/नवप्रदेश। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने जिला कलेक्टोरेट स्थित एनआईसी कक्ष में राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक लेकर लंबित प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने अनुविभागवार विवादित एवं अविवादित नामांतरण, बंटवारा और सीमांकन प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की तथा समय-सीमा के भीतर निराकरण सुनिश्चित करने पर जोर दिया। समीक्षा के दौरान राजस्व प्रकरणों के निराकरण में देरी पाए जाने पर कलेक्टर ने नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कार्य में कोताही बरतने पर कड़ी कार्रवाई करते हुए तीनों एसडीएम, सभी तहसीलदार, एएसएलआर एवं एसएलआर को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही समय-सीमा के बाहर लंबित प्रकरणों का एक सप्ताह के भीतर निराकरण कर प्रगति लाने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने कहा कि राजस्व प्रकरण सीधे आम नागरिकों से जुड़े होते हैं, इसलिए इनके निराकरण में किसी भी प्रकार की ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा करें और समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करें, ताकि आमजनों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि राजस्व कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और संवेदनशीलता के साथ कार्य करना सभी अधिकारियों की जिम्मेदारी है।

खुटेनपारा में मूलभूत सुविधाएं नहीं, ग्रामीणों में आक्रोश

लखनपुर/नवप्रदेश। सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं को सीधे जनता के द्वार तक पहुचाने के लिए राज्यव्यापी अभियान सुशासन तिहार चलाया जा रहा है वहीं जनपद पंचायत लखनपुर के ग्राम पंचायत बेलदगी के आश्रित ग्राम खुटेनपारा में निवासरत लोग वर्षों से सड़क शुद्ध पेयजल जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं ।

प्रदेश में सता परिवर्तन के साथ सियासी चेहरे भी बदले लेकिन खुटेनपारा में सड़क और पानी जैसी मूलभूत समस्या जस का तस बना हुआ है वर्षों बीत जाने के बाद लोग सड़क और पानी के तरसते नजर आ रहे हैं। बसाहट के लोगों का कहना है सियासी दलों के विधायक मंत्री बदले लेकिन गांव का तस्वीर नहीं बदला लोग आज भी सालों से शुद्ध पेयजल और बेहतर सड़क की तलाश में हैं। मुहल्ले वासियों का फ़रियाद सुनने वाला कोई नहीं है। कई मर्तबा सरपंच सचिव तथा विभागीय आला अधिकारियों के सम्मुख सड़क बनाने एव पीने के पानी को लेके मदद की गुहार लगायी गई। परंतु ग्रामीणो के मांग को किसी ने नहीं सुना। वर्षों से लोग सड़क बनने तथा पीने के पानी की इंतजामात को लेकर आस लगाये बैठे हैं।

मुहल्ले वासियों ने अपनी व्यथा मिडिया कर्मियों को बताया है ताकि उनकी फरियाद सरकार तक पहुंच सके उनका साफ कहना है प्रदेश में जब भी चुनाव का समय आता है विधायक मंत्री बनने वाले चेहरे वोट पाने हमारे बीच प्रकट हो जाते हैं,अपनी लच्छेदार भाषण और फरेबी वादों के साथ कहते हैं सरकार बन जाएगी तो आप लोगों की सभी समस्याओं का समाधान हो जाएगा मांगे पूरी हो जायेगी। लेकिन जैसे ही चुनाव खत्म होती है और जीतकर विधायक मंत्री बनते हैं लौट कर गांव के तरफ वापिस नहीं आते। यहाँ बस्ती में सड़क पानी की समस्या यथावत बनी हुई है । ग्रामीणों का कहना है की मौजूदा क्षेत्रीय विधायक आये थे। लोगों से सहानुभूति जताते हुए बोले मुझे जीता दो रोड बनेगी शुद्ध पेयजल आपूर्ति भी होगी।अब जब जीतकर विधायक पद पर आसीन हो गये

तब मेहरबानी उनकी दुबारा गांव में आये आश्वासन की घुट्टी पिलाते हुये बोले प्रस्ताव दे दो और चले गये। उनका आश्वासन महज एक आश्वासन बनकर रह गया।

आज़ बस्ती में लोग पीने के पानी तथा सड़क के लिए मोहताज है सुविधा नहीं है। दरअसल बेलदगी के आश्रित मुहल्ला खुटेनपारा में करीब 20 से 30 परिवार के लोग निवासरत करते हैं। पास में ही ग्राम पंचायत कोसंगा से निकल कर लखनपुर जाने के लिए एक पगडंडी रास्ता बना हुआ है जो ग्राम पंचायत केंवरी से जुड़ता है यह रास्ता आगे मैनपाट को जोड़ती है। इस सड़क को बनाने की माँग मुहल्ले वासी तथा ग्रामीण कर रहे हैं। बरसात के दिनों में यह रास्ते में कीचड़ ही कीचड़ हो जाता है। बसाहट के लोगो को लखनपुर मुख्यालय तथा बच्चों को स्कूल आने जाने में काफ़ी परेशानी होती है। रास्ते के बदहाली को देखते हुए बच्चों के माता पिता महीनों तक स्कूल नहीं भेजते जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है। दूसरी परेशानी यहाँ पानी की है जहाँ बोरवेल तो है लेकिन बोर का मोटर पंप ग़ायब हैं। जिसे असामाजिक तत्त्वों द्वारा चुरा कर ले जाया गया । जिसकी सूचना ग्रामीणों ने थाने में दी थी अबतक चोरों का पता नहीं चल पाया है।और ना ही बोर की सुधार हो सकी है विगत दो तीन महीनों से ग्रामीणों के सामने पेयजल की विकराल समस्या बनी हुई है। दयानतदारी में एक बोर लगाया भी गया है तो उसका स्टार्टर एक निजी व्यक्ति के घर के अंदर लगा हुआ है जिसके कारण आए दिन पानी भरने को लेकर विवाद होता रहता है। ग्रामीण बड़ी मशक्कत से 3 किमी दूर केंवरी ग्राम पंचायत से पानी लाकर पीने मजबूर हैं। हैंडपंप तो लगे हैं पर सब बेकार खुद प्यासे पड़े हुये हैं। मरम्मत के अभाव में किसी काम के नहीं हैं। कई जगह हेडपंपो में मोटर पंप लगाकर अन्यत्र ले जाकर व्यक्ति गत रूप से इस्तेमाल किया जा रहा गया है। या फिर हैंडपंप खराब स्थिति में पड़े हुये हैं। नल जल योजना के तहत विस्तारित पाइप लाइन के मोटर चोरी होने के बाद पानी सप्लाई ठप पड़ा हुआ है। ग्रामीणों ने कई बार सड़क पानी के संबंध में सरपंच सचिव को अवगत कराते हुए प्रस्ताव दिया। लेकिन रोड बनाने तथा शुद्ध पेयजल उपलब्धता को लेकर कोई पहल नहीं की गई । ग्रामीणों ने बरसात पूर्व सड़क बनाने तथा भीष्ण गर्मी के सीजन में शुद्ध पेयजल व्यवस्था कराये जाने की माँग की है। ताकि उन्हें इस समस्या से निजात मिल सके। फिलहाल तो बस्ती के लोगों के सामने पेयजल और सड़क की समस्या तो है अब देखना होगा कि इनके मांगो के बाद प्रशासन इस मामले में कौन सा कदम उठाती हैं।खुटेनपारा में कब तक सड़क बन पाती है शुद्ध पेयजल सुलभता से से मिल पाएगा या फिर लोगो की उम्मीद फकत एक उम्मीद ही बनकर रह जाएगी ।

'सुशासन तिहार' में चंद मिनटों में बना बच्चे का जाति प्रमाण पत्र

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। ''सुशासन तिहार'' आम जनता के चेहरों पर मुस्कान ला रहा है। जिले के लखनपुर विकासखंड के ग्राम बेनिया की रहने वाली और गांव में स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ मानी जाने वाली मितानिन भारत कुंवर के लिए 'सुशासन तिहार' खुशियों का पैगाम लेकर आया। बरसों से अपने बच्चे के जाति प्रमाण पत्र के लिए भटक रही भारत कुंवर का काम अब मुख्यमंत्री के आदेश और प्रशासन की सक्रियता से चुटकियों में पूरा हो गया है। भारत कुंवर ने भावुक होते हुए अपनी आपबीती साझा की। उन्होंने बताया कि वे

एक मितानिन के रूप में गांव के लोगों की सेवा करती हैं, लेकिन खुद अपने बच्चे का जाति प्रमाण पत्र बनवाने के लिए लंबे समय से इधर-उधर भटक रही थीं। कई कार्यालयों के चक्कर काटने के बावजूद तकनीकी अड़चनों की वजह से उनका काम नहीं हो पा रहा था। जैसे ही उन्हें क्षेत्र में आयोजित 'सुशासन तिहार' की जानकारी मिली, वे अपनी उम्मीद लेकर शिविर में पहुँचीं। भारत कुंवर कहती हैं, ष्मैं पहले बहुत परेशान थी, लेकिन सुशासन तिहार में आते ही अधिकारियों ने मेरे आवेदन पर संवेदनशीलता दिखाई। मुख्यमंत्री जी के स्पष्ट आदेश का असर था कि मुझे यहाँ-वहाँ भटकना नहीं पड़ा और मेरे बच्चे का जाति प्रमाण पत्र तत्काल बन गया। मितानिन भारत कुंवर ने इस सुगम व्यवस्था के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और संबंधित विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सीएम साय का बहुत-बहुत धन्यवाद कि उन्होंने हम जैसे गरीब परिवारों के बच्चों के भविष्य की चिंता की।

जन समस्या निवारण शिविर का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। राज्य शासन के निर्देशानुसार संचालित सुशासन तिहार 2026 के तहत नगर पालिक निगम अम्बिकापुर क्षेत्रान्तर्गत विभिन्न वार्डों के क्लस्टर अनुसार अलग-अलग स्थलों पर जन समस्या निवारण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

इन शिविरों में नागरिकों से मांग एवं शिकायत संबंधी आवेदन प्राप्त किए जा रहे हैं तथा यथासंभव समस्याओं का मौके पर ही निराकरण भी किया जा रहा है।इसी क्रम में आज सामुदायिक भवन मुक्तिपारा में आयोजित जन

समस्या निवारण शिविर का कलेक्टर अजीत वसंत ने निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शिविर में पहुंचे आम नागरिकों से चर्चा कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश दिए। नगर निगम क्षेत्र में अब तक आयोजित शिविरों में कुल 570 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें 455 मांग एवं 115 शिकायत संबंधी आवेदन शामिल हैं। पूर्व में आयोजित शिविरों में 12 मांग एवं 5 शिकायतों का निराकरण शिविर स्थल पर ही किया जा चुका है तथा शेष आवेदनों के निराकरण की कार्यवाही संबंधित विभागों द्वारा की जा रही है।

मुंगेली की हेमा साहू ने 10वीं बोर्ड में हासिल किया प्रदेश में 8वां स्थान

मुंगेली/नवप्रदेश। शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला चकरभाठा की छात्रा हेमा साहू पिता हृदय राम साहू ने छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित हाईस्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा कक्षा 10वीं में 97.88 अंक अर्जित कर पूरे छत्तीसगढ़ में आठवां रैंक प्राप्त किया। हेमा साहू बचपन से ही मेधवी छात्रा रही है उनके सफलता पर पूर्व जनपद सदस्य डॉ. रामकुमार साहू, विष्णु खांडे, लखन साहू, राजकुमार साहू आदि ने बधाई दी।

लुंड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने समाधान शिविर में योजनाओं की दी जानकारी

लखनपुर/नवप्रदेश। जनसमस्याओं के त्वरित समाधान और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर प्रदेश सरकार के मंशानुरूप राज्य व्यापी सुशासन तिहार चलाया जा रहा है। जिसका मकसद सरकार के महत्वाकांक्षी योजनाओं को सीधे जनता के द्वार तक पहुंचाना है। प्रदेश स्तर में 1 मई से 10 जून तक चलने वाला इस मुहिम में शिविर का आयोजन किया ।

जमीन विवाद में 4 लोगों की निर्मम हत्या, 2 गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा/नवप्रदेश। जिले के थाना शिवरीनारायण अंतर्गत पुलिस सहायता केन्द्र राहौद क्षेत्र के ग्राम भवतरा में एक ही परिवार के चार सदस्यों की धारदार हथियार से निर्मम हत्या के सनसनीखेज मामले में पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए घटना के कुछ ही घंटों के भीतर आरोपी पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर लिया है।

14 मई की सुबह पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम भवतरा में अज्ञात व्यक्ति द्वारा एक ही परिवार के चार लोगों की हत्या कर दी गई है। सूचना मिलते ही थाना शिवरीनारायण पुलिस, एफएसएल टीम एवं डॉग स्क्वॉड मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता पाल एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कश्यप ने तत्काल आरोपी की गिरफ्तारी के निर्देश दिए।

जांच के दौरान पुलिस एवं साइबर टीम ने तकनीकी और भौतिक साक्ष्यों के आधार पर मृतक मेदनीराम कश्यप के पुत्र सोनसाय कश्यप और उसके बेटे गोलू कश्यप से पूछताछ की। कड़ाई से पूछताछ करने पर दोनों ने पारिवारिक जमीन विवाद को लेकर हत्या करना स्वीकार कर लिया। पुलिस

जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी सोनसाय कश्यप पूर्व में वर्ष 2009 में अपने सगे छोटे भाई पुनाउराम की हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट चुका है और करीब दो वर्ष पूर्व जेल से रिहा होकर आया था।

जेल से लौटने के बाद से ही उसका अपने पिता मेदनीराम कश्यप से जमीन को लेकर विवाद चलता रहता था। मृतक की रिपोर्ट पर पूर्व में आरोपी के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की गई थी। पुलिस ने आरोपी पिता-पुत्र दोनो को गिरफ्तार कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

कार्यालय बिलासा देवी केवट एयरपोर्ट, बिलासपुर (चकरभाठा)

- निविदा सूचना -

पृ. क्रमांक/338 / निविदा/बि.दे.के./ बिलासपुर (चकरभाठा) दिनांक 13.05.2026

बिलासा देवी केवट एयरपोर्ट, बिलासपुर (चकरभाठा) में कर्मियों की आपूर्ति हेतु **01 लेखापाल (कुशल), 02 डाटा एंट्री ऑपरेटर (उच्च कुशल), 02 भृत्य (अकुशल), 02 महिला सफाईकर्मी (अकुशल), 02 ड्राईवर कम ऑपरेटर (कुशल), 04 बर्ड चेसर (अर्ध कुशल) एवं 03 सफाई कर्मी (अकुशल)** 12 माह के अस्थायी रूप से संचालन हेतु निविदा निर्धारित प्रारूप एवं शर्तो के अधीन निविदा दिनांक 29.05.2026 समय दोपहर 02:00 बजे तक आमंत्रित किया गया है इच्छुक फर्म / संस्था निर्धारित प्रारूप के साथ 500/-रूपये का डिमांड ड्राफ्ट **बिलासपुर एयरपोर्ट बिलासपुर** के नाम से बंद लिफाफा में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में कार्यालयीन समय प्रातः 10:30 से दोपहर 02:00 बजे तक (अवकाश दिवस को छोड़कर) जमा कर सकते है।

निर्धारित प्रारूप एवं आवश्यक शर्ते बिलासपुर जिले के वेबसाईट www.bilaspur.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।

निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय - 29.05.2026 को 02:00 बजे अपरान्ह तक
निविदा खोलने की तिथि - 29.05.2026 को सायं 03:00 बजे
स्थान - बिलासा देवी केवट एयरपोर्ट, बिलासपुर (चकरभाठा)

एयरपोर्ट डायरेक्टर
बिलासा देवी केवट एयरपोर्ट, बिलासपुर (चकरभाठा)

जी- 262700714/2

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार, रायपुर (छ.ग.)
ई-प्रोक्युरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. **190584**/निविदा सूचना क्र. 01/वलेलि/2026-27, दुर्ग दिनांक 12.05.2026

निम्नलिखित कार्यो के लिए दिनांक **02.06.2026 17:30** तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है -

कार्य का नाम - दुर्ग जिले के विकासखण्ड दुर्ग के हनोदा व्यपवर्तन का जीर्णोद्धार एवं नहरों की रिमाडलिंग एवं लाईनिंग कार्य आर.डी. 0 मी. से 650 मी. एवं 720 मी. से 1670 मी. तक साथ ही हेड स्लूस, 02 नग इनलेट, 03 नग व्ही.आर.बी. निर्माण एवं 09 नग कोलाबा फिक्सिंग कार्य।

अनुमानित लागत - रू. 219.72 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक **19.05.2026** समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है।

नोट- निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
तांदुला जल संसाधन संभाग, दुर्ग
कृते मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार,
जल संसाधन विभाग, रायपुर, छ.ग.

जी- 262700725/6

खरीफ सीजन की तैयारी तेज, किसानों को समय पर खाद-बीज उपलब्ध कराने के निर्देश

मुंगेली/नवप्रदेश। जिले में खरीफ सीजन को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं और किसानों के लिए खाद-बीज वितरण का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। इसी संबंध में कलेक्टर कुन्दन कुमार ने जिला कलेक्टोरेट स्थित एनआईसी कक्ष में बैठक लेकर खाद एवं बीज के भंडारण, उपलब्धता, वितरण व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि किसानों को समय पर खाद एवं बीज उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने समितियों में खाद वितरण से जुड़ी किसी भी प्रकार की समस्या आने पर तत्काल निराकरण सुनिश्चित करने तथा लापरवाही बरतने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने शासन स्तर से समिति तक खाद पहुंचने की पूरी प्रक्रिया की बारीकी से जानकारी ली और खाद का नियमित एवं व्यवस्थित वितरण सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत पर खाद बेचने अथवा खाद के साथ अनावश्यक रासायनिक उर्वरक देने की शिकायत मिलने पर संबंधितों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए निजी कृषि केंद्रों की सतत मॉनिटरिंग करने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि किसानों को एग्रीस्टैक पोर्टल में पंजीयन के आधार पर खाद वितरण किया जाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले के शत-

प्रतिशत किसानों का एग्रीस्टैक पोर्टल में पंजीयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसानों को शासन की योजनाओं का लाभ लेने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। कलेक्टर ने कहा कि किसानों को पारदर्शी और सुगम व्यवस्था के माध्यम से समय पर खाद-बीज उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है, ताकि खरीफसीजन में खेती कार्य प्रभावित न हो और किसानों को बेहतर उत्पादन मिल सके। बैठक में कृषि से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। शासन के निर्देशानुसार हरित खाद (हरी खाद) के उपयोग को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि उर्वरक वितरण प्रणाली को एग्रीस्टैक से जोड़ा जा रहा है, जिससे किसानों को उनकी भूमि और फसल के प्रकार के अनुसार उचित मात्रा में खाद उपलब्ध कराई जा सकेगी। बैठक में अतिरिक्त कलेक्टर निष्ठा पाण्डेय तिवारी, अपर कलेक्टर जी.एल. यादव सहित कृषि, सहकारिता विभाग एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

न्यूज गैलरी

जिला स्तरीय वन अधिकार समिति की बैठक 18 मई को

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त ने बताया कि अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम 2006 नियम 2007 यथा संशोधित नियम 2012 अंतर्गत जिला स्तरीय वन अधिकार समिति की समीक्षा बैठक 18 मई 2026 को दोपहर 03:00 बजे आदिवासी विकास विभाग कार्यालय में आयोजित की गई है। बैठक में वन अधिकारों की मान्यता अधिनियम 2006 यथा संशोधित नियम 2012 अंतर्गत त्रुटिपूर्ण वन अधिकार पत्र मान्यता पत्रों की समीक्षा सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने सर्व सम्बन्धितों को बैठक में निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होने कहा है।

सुशासन तिहार में वन अधिकार पत्र पाकर खुश हुए चमरू तिर्की

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। राज्य शासन द्वारा मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में आयोजित सुशासन तिहार के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। इस अभियान के तहत गांव-गांव में आयोजित जन समस्या निवारण शिविरों के जरिए आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा रहा है तथा पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। इसी कड़ी में लखनपुर विकासखंड के ग्राम जामा रहने वाले श्री चमरू तिर्की को सुशासन तिहार के दौरान वन अधिकार पत्र पुस्तिका प्रदान की गई। वन अधिकार पत्र मिलने पर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अब उनके लिए खेती-किसानी करना और अधिक आसान हो जाएगा। उन्होंने बताया कि पहले जमीन से जुड़े कई कार्यों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब अधिकार पत्र मिलने से उन्हें स्थायित्व और सुरक्षा का एहसास हुआ है। चमरू तिर्की ने कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से शासन और प्रशासन सीधे गांव तक पहुंच रहा है। गांवों में अधिकारियों की उपस्थिति से ग्रामीणों को अपनी समस्याएं बताने और योजनाओं का लाभ लेने में सुविधा हो रही है। अब उन्हें छोटे-छोटे कार्यों के लिए दूर-दराज सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं। उन्होंने सीएम साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में शासन की योजनाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही हैं। गांव-गांव में अधिकारियों के पहुंचने से आम ग्रामीणों को काफी राहत और सुविधा मिल रही है। सुशासन तिहार के जरिए अंतिम व्यक्ति तक शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ सुनिश्चित किया जा रहा है।

शिविर में बना सॉइल हेल्थ कार्ड और कृषि प्रशिक्षण से खेती में हो रहा मुनाफा

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा किसानों को आधुनिक एवं उन्नत कृषि तकनीकों से जोड़ने के उद्देश्य से संचालित विभिन्न योजनाओं का सकारात्मक प्रभाव अब ग्रामीण क्षेत्रों में स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। शासन की हरित क्रांति योजना, सॉइल हेल्थ कार्ड योजना तथा कृषि विभाग एवं कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से दिए जा रहे प्रशिक्षण से किसान आधुनिक खेती अपनाकर बेहतर उत्पादन और अधिक मुनाफा प्राप्त कर रहे हैं। लखनपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत करई निवासी किसान नेवल साय कुजूर ने बताया कि उन्हें हरित क्रांति योजना के तहत काफी लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि अब वे केवल परंपरागत खेती तक सीमित नहीं हैं, बल्कि आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर वर्षभर खेती कर रहे हैं। गर्मी के मौसम में भी फसल ले रहे हैं तथा बरसात में धान की खेती कर बेहतर उत्पादन प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि पहले खेती में रासायनिक खाद का अधिक उपयोग करना पड़ता था, लेकिन अब आधुनिक कृषि पद्धति अपनाने से खाद की खपत कम हो गई है और उत्पादन में वृद्धि हुई है। इससे खेती की लागत कम हुई है तथा किसानों की आय में भी बढ़ोतरी हो रही है। कुजूर ने कहा कि वे समय-समय पर कृषि विज्ञान केंद्र जाकर प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। वहां विशेषज्ञों द्वारा खेती की नई तकनीकों, उन्नत बीज, जैविक खाद एवं फसल प्रबंधन की जानकारी दी जाती है, जिसे अपनाकर उन्हें काफी लाभ मिल रहा है। सुशासन तिहार अंतर्गत आयोजित शिविर में उन्हें सॉइल हेल्थ कार्ड वितरण किया गया उन्होंने बताया कि सॉइल हेल्थ कार्ड किसानों के लिए बेहद उपयोगी है , उन्होंने कहा कि मिट्टी परीक्षण के माध्यम से यह जानकारी मिलती है कि खेत की मिट्टी में किस पोषक तत्व की कमी है। उसी आधार पर जैविक खाद एवं उर्वरकों का संतुलित उपयोग किया जाता है, जिससे मिट्टी की गुणवत्ता बनी रहती है और उत्पादन बेहतर होता है।

विकसित कृषि संकल्प अभियान किसानों को मिल रहा तकनीकी मार्गदर्शन

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। भारत सरकार द्वारा खरीफ मौसम 2026 की पूर्व तैयारियों के लिए 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' संचालित किया जा रहा है। यह अभियान 05 मई 2026 से 20 मई 2026 तक जिले में चलाया जा रहा है। अभियान के माध्यम से किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, मृदा स्वास्थ्य, प्राकृतिक खेती एवं शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदान की जा रही है। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार सरगुजा जिले के सभी 07 विकासखंडों में व्यापक स्तर पर अभियान संचालित किया जा रहा है। निर्धारित कार्यक्रम अनुसार प्रत्येक विकासखंड में प्रतिदिन 02 कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस प्रकार जिले में कुल 166 कार्यक्रम निर्धारित किए गए हैं, जिनमें से अब तक 70 कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न किए जा चुके हैं।

संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़

मुंगेली/नवप्रदेश। तम्बोली परिवार द्वारा संगीतमय श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ का आयोजन 7 से 16 मई तक पुराना बस स्टैण्ड स्थित सामुदायिक भवन में किया जा रहा है। कथा वाचक पं. मनोज शर्मा भंडारपुर खैरागढ़ वाले है। महापुराण के मुख्य यजमान प्रदीप श्रीमती उमा तम्बोली, जगदीश श्रीमती उषा तम्बोली एवं संजय श्रीमती ममता तम्बोली है।

श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ कथा में पंडित मनोज शर्मा ने बताया कि श्रीमद् भागवत साक्षात मोक्ष स्वरुप है, मानव मात्र को परम सुख व परम शांति अध्यात्म से ही मिल सकता है और अध्यात्म का संपूर्ण सार श्रीमद् भागवत कथा ही है, जीव को परमात्मा से जुड़ने का एकमात्र माध्यम भगवत कथा ही है। श्रृंगी ऋषि का श्राप कथा मे तक्षक सर्प के डसने पर मृत्यु होगी, यह सुनकर राजा परीक्षित चिन्ता छोड़ भगवत चिन्तन का आश्रय लिया। सद्गुरु भगवान शुकदेव द्वारा भगवत कृपा स्वरूप भागवत कथा श्रवण कर भगवत गति को प्राप्त किया। भगवत कथा का मूल उद्देश्य पिबत भागवतं समालयं है, अर्थात जब तक शरीर में चेतना है, भगवत रस का पान करते रहो, भागवत कथा में विभिन्न कथा प्रसंगों के माध्यम से ज्ञान, भक्ति, वैराग्य मनुष्य को प्राप्त होता है, क्योंकि मानव के पास जीवन तो है परंतु जीवन जीने की कला नही है, भागवत कथा मनुष्य के जीवन को सरस व मधुर बनाती है, भक्त प्रहलाद कथा प्रसंग मे हरि सर्व भुतेषु के अनुसार भक्त प्रहलाद को खंभे मे भगवत दर्शन मिला, परंतु हिरण्यकषिपु को दर्शन नही हुआ, तात्पर्य यह है कि प्रहलाद जैसे भक्ति की दृष्टि रहेगी तो हर वस्तु मे भगवत दर्शन होगा। अहंकारी मनुष्य जो स्वयं को ईश्वर समझता है तो भला ईश्वर कहां दिखेगा। समुद्र मंथन कथा का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि भक्ति रूपी अमृत पाने के प्रयास में कभी-कभी मन रूपी मंदराचल धसने लगता है, तब आत्म ज्ञान के प्रतिक जो नाम रूप जगदाधार हैं वही भगवान कच्छप रूप में आधार देते हैं, समुंद्र मंथन में अमृत के पहले विष निकला है, जिसे भगवान शिव जी ने पान कर, जग का संताप मिटाया। संताप रूपी जहर पीने वाला ही शिव होता है। वामन अवतार के बारे में पं. मनोज शर्मा ने बताया कि जीवन में जब-जब देहाभिमान जगता है, ईश्वर सबल हो जाता हैं और जब साधक के जीवन में सत्य, प्रेम, भक्ति, करुणा का भाव जगता हैं तो वहीं ईश्वर बालक बनकर कोशिल्या, देवकी, मैया यशोदा के गोद में आकर परम सुख प्रदान करते हैं, ईश्वर सत्य रूप में सर्वव्याप्त है, परंतु वही ईश्वर सगुण साकार में सत्य, प्रेम, करुणा के द्वारा प्रकट हो जाते हैं। भगवान की कथा ही जीव मात्र की व्यथा को दुर करती है, भगवान श्री कृष्ण ही सच्चिदानंद है, जन्मोत्सव ही परमानंद है, पंचम दिवस की कथा मे भगवान श्रीकृष्ण की बाललीला, माखन चोरी, गोवर्धन पर्वत को उठाकर ब्रज मंडल को देवराज इंद्र का मान भंग किया।

आत्मानंद विद्यालय में लॉटरी से हुई प्रवेश प्रक्रिया संपन्न

मुंगेली/नवप्रदेश। लोक शिक्षण संचालनालय, रायपुर एवं जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा जारी निर्देशानुसार पीएम श्री स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी विद्यालय दाऊपारा में शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु ऑनलाइन से प्राप्त अभ्यर्थियों हेतु लॉटरी द्वारा प्रवेश प्रक्रिया आज 13 मई को अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अजय शतरंज एवं विखं शिक्षा अधिकारी जेके बावरे एवं शाला प्रबंधन विकास समिति के अध्यक्ष रामशरण यादव एवं सदस्य डॉ. हीरालाल साहू, रमेश बुनकर, दुष्यंत दुबे, ममता पाटले की उपस्थिति में पूर्णतः पारदर्शी एवं निर्धारित निर्देशानुसार संपन्न की गयी। इस अवसर पर बडी संख्या में अभिभावकगण उपस्थित थे।

चयनित विद्यार्थियों की सूची शाला के नोटिस बोर्ड में चस्पा किया है। चयनित विद्यार्थी 14 मई से 20 मई तक आवश्यक दस्तावेज के साथ प्रवेश लिया जाना अनिवार्य होगा। उल्लेखनीय है कि हिन्दी माध्यम में कक्षा 1ली, 2री, 11वीं संकाय गणित, वाणिज्य, कक्षा 12वीं वाणिज्य में एवं अंग्रेजी माध्यम में कक्षा 11वीं संकाय गणित, वाणिज्य, कक्षा 12वीं संकाय गणित एवं वाणिज्य में सीट के अनुरूप संख्या में अभ्यर्थी उपलब्ध होने के कारण सभी को प्रवेश के लिए चयनित घोषित किया गया। विद्यालय में विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश हेतु विद्यार्थियों एवं अभिभावकों में उत्साह देखा गया।

इस दौरान अभिभावकों की सुविधा हेतु आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहायता की व्यवस्था भी की गई। प्राचार्य डॉ. आईपी यादव एस.डी.एम. प्रतिनिधि दिलीप खाण्डे, बी.ई.ओ. प्रतिनिधि विमित्रा धृतलहरे एवं प्रवेश प्रभारी राहूल वर्मा ने सभी अधिकारियों एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में व्याख्याता महादेव यादव, सांत्वना दत्ता, संध्या कुजूर, रंजीता केंवट, प्रधान पाठक दीप्ति चतुर्वेदी, शिक्षक राजेन्द्र प्रसाद साहू, लिपिक बंशीलाल कुम्हार का सहयोग रहा।

निजी अस्पतालों के डॉक्टरों और नर्सों को प्रशिक्षण

मुंगेली/नवप्रदेश। जिले में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं तकनीकी रूप से सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए आर.सी.एच. 2.0 पोर्टल के क्रियान्वयन हेतु निजी अस्पतालों के चिकित्सकों एवं स्टाफ नर्सों को प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के सभी निजी अस्पतालों के चिकित्सक एवं स्टाफ नर्स शामिल हुए।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शीला साहा ने बताया कि भारत सरकार द्वारा गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच, सुरक्षित प्रसव एवं उच्च जोखिम गर्भावस्था वाली महिलाओं की सतत निगरानी और बेहतर प्रबंधन के उद्देश्य से आर.सी.एच. 2.0 पोर्टल विकसित किया गया है। उन्होंने कहा कि इस पोर्टल के माध्यम से गर्भवती महिलाओं की समस्त स्वास्थ्य जांच, उपचार एवं प्रसव संबंधी जानकारी ऑनलाइन दर्ज की जाएगी, जिससे समय पर निगरानी और आवश्यक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना आसान होगा। अब निजी अस्पतालों को भी इस व्यवस्था से जोड़ा गया है, ताकि प्रत्येक गर्भवती महिला का रिकॉर्ड सुव्यवस्थित तरीके से दर्ज हो सके और सुरक्षित मातृत्व अभियान को मजबूती मिल सके। प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर जिला प्रबंधक डाटा शैलेष देवांगन एवं डीपीएचएनओ श्रीमती रंजिता निर्मलकर द्वारा आर.सी.एच. 2.0 पोर्टल के संचालन, डेटा एंट्री प्रक्रिया एवं तकनीकी पहलुओं की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

आवासीय विद्यालय बंधवा का परीक्षा परिणाम रहा शानदार

मुंगेली/नवप्रदेश। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय बंधवा में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा घोषित कक्षा 12वीं के परीक्षा परिणाम विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की।

सत्र 2025-26 की परीक्षा में विद्यालय के कुल 55 विद्यार्थी सम्मिलित हुए थे, जिनमें से 54 विद्यार्थियों ने सफलता की दहलीज पार की है। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ विद्यालय का कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 98.18 प्रतिशत रहा, जो शिक्षण की गुणवत्ता और छात्रों की अनुशासित जीवनशैली का प्रत्यक्ष प्रमाण है। विद्यालय की मेरिट सूची में राघवेंद्र नेताम ने अपनी बौद्धिक क्षमता का लोहा मनवाते हुए 89.2 प्रतिशत अंकों के साथ विद्यालय में शीर्ष स्थान प्राप्त किया तथा कला संकाय में हिमांशु धुलिया 88.6 प्रतिशत द्वितीय स्थान, विनोद कुमार ध्रुव 85.2 प्रतिशत तृतीय स्थान, लकी राज मरकाम 84.6 प्रतिशत चतुर्थ स्थान एवं हिमांशु सिंह धुर्वे 84.2 प्रतिशत के साथ पंचम स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों में संध्या ध्रुव 79.2 प्रतिशत प्रथम स्थान, दिव्यांका परस्ते 76.8 प्रतिशत द्वितीय स्थान, अभिषेक कुमार बैगा 76.2 प्रतिशत तृतीय स्थान, अनिमा 75.2 प्रतिशत चतुर्थ स्थान एवं पूरन सिंह 74.8 प्रतिशत ने पंचम स्थान के साथ सफलता प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

ऑटो के चालक पर पिस्टल अड़ाकर मोबाइल लूटा, 12 बदमाशों पर केस

अंबिकापुर/नवप्रदेश। शहर के नजदीक प्रतापपुर रोड स्थित कल्याणपुर जंगल के पास मंगलवार की रात बाइक सवार बदमाशों ने लगभग 12 की संख्या में एक ऑटो चालक को पिस्टल की नोक पर बंधक बनाकर लूटपाट की। पुलिस ने मामले में बदमाशों के खिलाफ डकैती की धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है। पीड़ित सुरेंद्र प्रसाद जायसवाल, निवासी ग्राम कल्याणपुर, मंगलवार रात करीब 12 बजे अंबिकापुर में शादी समारोह से अपने दोस्त का ऑटो लेकर घर लौट रहा था। रात करीब 12:20 बजे कल्याणपुर जंगल के पास 5-6 बाइकों पर सवार 12 बदमाशों ने उसे जबरन रोक लिया। बदमाशों ने सुरेंद्र की कनपटी पर पिस्टल अड़ा दी और उसे सड़क से नीचे जंगल की ओर ले गए। बदमाशों ने उसकी तलाशी ली। जब उसके पास पैसे नहीं मिले, तो उन्होंने उसके साथ मारपीट की और उसका मोबाइल फोन छीन लिया। इस दौरान एक बदमाश ने उसे गोली मारने की बात कही, लेकिन दूसरे साथी ने मोबाइल लूटने के बाद उसे छोड़ने की सलाह दी।

ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में 20 मई को जिले के 700 मेडिकल स्टोर रहेंगे बंद

मुंगेली/नवप्रदेश। ऑनलाइन दवा विक्रेता कंपनियों द्वारा दी जा रही भारी छूट एवं बाजार में बिक रही नकली दवाओं के विरोध में ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स के आह्वान पर 20 मई 2026 को देशभर की 12.40 लाख दवा दुकानों के साथ जिले के 700 मेडिकल स्टोर भी बंद रहेंगे। मुंगेली जिला औषधि विक्रेता संघ के अध्यक्ष निरंजन अग्रवाल ने बताया कि ऑनलाइन कंपनियां 20 से 50 प्रतिशत तक की छूट देकर ग्राहकों को आकर्षित कर रही हैं। इससे स्थानीय केमिस्टों का 8 से 10 करोड़ का मासिक कारोबार प्रभावित हो रहा है। साथ ही बिना पर्ची के दवाइयों की बिक्री और नकली दवाओं का चलन बढ़ने से जनस्वास्थ्य को गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। संघ की प्रमुख मांगें है, ऑनलाइन दवाओं की बिक्री पर तत्काल रोक लगे, नकली दवाओं के कारोबार पर कड़ी कार्रवाई हो, दवाओं पर से छूट की अधिकतम सीमा तय की जाए, बिना पंजीकृत फार्मासिस्ट के दवा बिक्री पर प्रतिबंध लगे। संघ के पदाधिकारियों ने आज डिप्टी कलेक्टर श्री चन्द्रा को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान अध्यक्ष निरंजन अग्रवाल, सचिव विवेक केशरवानी, प्रदेश संगठन सचिव सुरेश शर्मा, अमित नागदेव, विनोद नागदेव, अमरीक सिंह, गोविंद देवांगन, नरेंद्र राजपूत उपस्थित रहे। सभी ने उक्त समस्याओं से अवगत कराते हुए त्वरित कार्रवाई की मांग की। संघ के सचिव विवेक केशरवानी ने कहा कि यह देशव्यापी बंद का हिस्सा है। यदि सरकार ने शीघ्र कार्रवाई नहीं की तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। 20 मई को जिले के लगभग 700 मेडिकल स्टोर बंद रहेंगे। आपातकालीन सेवाओं के लिए कुछ दुकानें रोस्टर अनुसार खुली रहेंगी।

पेज 1 का शेष...

रायपुर के फ्यूल स्टेशनों में...

सप्लाई प्रभावित होने की बात कही है।

इधर, रायपुर रेल मंडल ने भी डीजल की खपत कम करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। मंडल प्रशासन ने 40 में से 12 डीजल इंजनों को फिलहाल संचालन से बाहर करने का फैसला लिया है। अब केवल 28 डीजल इंजन और पावर कार ही नियमित रूप से चलाए जाएंगे। रेलवे ने संभावित आपूर्ति संकट को देखते हुए डीजल उपयोग की समीक्षा शुरू कर दी है और सालाना करीब 4 करोड़ रुपए बचत का लक्ष्य रखा है।

राजधानी के साथ-साथ जगदलपुर, महासमुंद, दंतेवाड़ा और कांकेर में भी पेट्रोल-डीजल की किल्लत देखने को मिल रही है। महासमुंद में पांच में से चार पेट्रोल पंप सूख चुके हैं, जबकि जगदलपुर में शाम तक अधिकांश पंपों पर तेल उपलब्ध नहीं था। दंतेवाड़ा में 19 पेट्रोल पंपों के खाली होने की खबर है, वहीं कांकेर में केवल एक पंप से ही सप्लाई जारी रही।

चक्रवाती तूफान और बारिश...

रहने का निर्देश दिया है। साथ ही राजस्व, कृषि विभाग और बीमा कंपनी से नुकसान का सर्वे कराकर शासन को भी अवगत कराने के लिए निर्देशित किया। सर्वे के बाद नुकसान का आंकलन पूरा कर तुरंत मुआवजा देने के लिए कहा गया है। जिससे सामान्य जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ।

ओवरटाइम घोटालाः सीडीएल के...

सप्लाई का काम रिकॉर्ड में ए-टू-जेड इन्फ्रासर्विसेस लिमिटेड के नाम पर दर्ज था, लेकिन असल में इसका संचालन एन. उदय राव कर रहे थे। जांच में यह भी सामने आया है कि वह फील्ड मैनेजमेंट, बिलिंग, कर्मचारियों की व्यवस्था और भुगतान से जुड़े काम सीडीएल से जुड़ी कंपनी एनकेजेए की ओर से संभालते थे।

पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट...

इसी दौरान केमिकल की मात्रा सही नहीं मिलने से ब्लास्ट हो गया। लोगों के अनुसार, जहां विस्फोट हुआ वहां 15 से 20 मजदूर काम कर रहे थे। लंच से 15 से 20 मिनट पहले फैक्ट्री में ब्लास्ट हुआ।

सीएम ने उप मुख्यमंत्री को दिए जांच के निर्देश

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने घटना पर दुख जताया। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा समेत वरिष्ठ अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर जांच के निर्देश दिए। सरकार ने मृतकों के परिजन को 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता और घायलों के मुफ्त इलाज की घोषणा की।

चीनी निर्यात पर केंद्र क...

निर्यात नीति में बदलाव और डीजीएफटी की अधिसूचना

सरकार की नई नीति के अनुसार, चीनी के निर्यात को अब 'प्रतिबंधित' श्रेणी में डाल दिया गया है। पहले यह 'मुक्त' श्रेणी में था, लेकिन अब किसी भी प्रकार के चीनी निर्यात के लिए सरकार की विशेष अनुमति की आवश्यकता होगी।

दिल्ली में साय का शाह से...

से बस्तर में चल रहे 'मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान' पर चर्चा हुई।मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह को बताया कि जिन इलाकों में कभी एम्बुलेंस पहुंचना भी मुश्किल माना जाता था, वहां अब डॉक्टर, दवाइयां और स्वास्थ्य टीमें नियमित रूप से पहुंच रही हैं। दूरस्थ गांवों में पैदल जाकर लोगों की जांच की जा रही है और गंभीर बीमारियों की समय रहते पहचान कर निःशुल्क इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है। मात्र एक महीने में 21.86 लाख से ज्यादा लोगों की स्वास्थ्य जांच हो चुकी है और उनके डिजिटल स्वास्थ्य प्रोफाइल तैयार कर लिए गए हैं। हजारों मरीजों को समय पर उपचार और उच्च अस्पतालों में रेफर किया गया है।

प्रेमिका का गला रेता, मासूम...

दिलवाएगी। शादी से बचने प्रेमिका को मार डाला, उसकी बेटी को रेलवे ट्रैक पर छोड़ा विवाद के चलते 22 जनवरी 2021 की रात विक्की ने युवती को जोरा मैदान के पास मिलने बुलाया। इस दौरान उसे चाकू से उसका गला काट दिया। इसके बाद उसने साक्ष्य छिपाने और पकड़े जाने के डर से मृतका की छोटी बेटी को पास के ही रेलवे ट्रैक पर ले जाकर लेटा दिया। इस दौरान मालगाड़ी से कटकर बच्ची की मौत हो गई।

ट्रायल कोर्ट ने सुनाई है उम्रकैद की सजा-दूसरे सुबह आरोपी ने खुद गांव के पूर्व सरपंच रिखीराम साहू के पास जाकर अपना जुर्म कबूल किया, जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया। ट्रायल कोर्ट ने 19 जुलाई 2022 को उसे आईपीसी की धारा 302 यानी हत्या और धारा 201 यानी सबूत छिपाने का दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी। आरोपी ने इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की थी।

सड़कों पर गुंडागर्दी करने वालों की खैर नहीं, एफआईआर कर भेजे जाएंगे जेल: रजनेश सिंह

बिलासपुर/नवप्रदेश। शहर की सड़कों पर गुंडागर्दी करने वालों, चाकू लेकर दहशत फैलाने वालों, शराब पीकर उत्पात मचाने वालों के लिए अब बिलासपुर में कोई जगह नहीं बची है। एसएसपी रजनेश सिंह के सख्त निर्देश के बाद पुलिस ने ऐसा 'एक्शन मोड' दिखाया है कि असामाजिक तत्वों में हड़कंप मच गया है। अप्रैल 2026 से 12 मई 2026 तक जिलेभर में कुल 513 व्यक्तियों/प्रकरणों पर वैधानिक और प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है।

अभियान के दौरान जिले के सभी थाना क्षेत्रों में एक साथ सख्त कार्रवाई की गई। पुलिस ने सार्वजनिक स्थानों पर हुड़दंग मचाने वालों, शराबखोरों, निगरानी बदमाशों और बिना नंबर प्लेट वाहनों पर चलने वालों को टारगेट किया। कई जगहों पर पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए बदमाशों की 'खातिरदारी' भी की और उठक-बैठक कराकर सरेआम माफी मंगवाई, ताकि जनता में सुरक्षा का भरोसा मजबूत हो और अपराधियों में पुलिस का खौफ कायम रहे।

लोगों ने ली राहत की सांस

लगातार बढ़ती चाकूबाजी, सड़क पर हुड़दंग और असामाजिक गतिविधियों के बीच पुलिस की इस सख्त कार्रवाई से आम जनता ने राहत की सांस ली है। लोगों का कहना है कि इस अभियान से शहर में डर नहीं, बल्कि कानून का राज मजबूत हो रहा है।

थानों में हुई कार्रवाई का ब्योरा

थाना सिविल लाइन में धारा 151 के तहत 55, धारा 107/116 के 76, आर्म्स एक्ट के 11, धारा 128 के 09 और धारा 129 के 08 मामलों में कार्रवाई की गई। थाना कोतवाली में धारा 151 के 21, धारा 107/116 के 93 और आर्म्स एक्ट के 02 प्रकरण दर्ज हुए। थाना तोरवा क्षेत्र में धारा 151 के 11, आर्म्स एक्ट के 03 और चाकूबाजी के 02 मामले सामने आए। थाना सरकंडा में सबसे अधिक कार्रवाई दर्ज की गई, जहां धारा 151 के 55, धारा 107/116 के 130 और आर्म्स एक्ट के 15 मामलों में कार्रवाई हुई। थाना कोनी में धारा 151 का 01 मामला, चकरभाठा में धारा 151 के 13 और आर्म्स एक्ट का 01 मामला तथा सिरगिट्टी में धारा 151 के 03 और आर्म्स एक्ट के 04 मामलों में कार्रवाई की गई।

पुलिस का सख्त संदेश

एसएसपी के निर्देश पर चलाए जा रहे इस अभियान में पुलिस ने साफ कर दिया है कि शहर में कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों, हथियार लेकर घूमने वालों और दहशत फैलाने वाले तत्वों के खिलाफ आगे भी इसी तरह की कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस का स्पष्ट संदेश है 'या तो सुधर जाओ, वरना सड़कों पर ही हिसाब होगा।

न्यूज गैलरी

भू-जल संवर्धन कार्यों पर जिला स्तरीय प्रशिक्षण आज

बिलासपुर/नवप्रदेश। कलेक्टर संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में जिले के 154 ग्रामों में वी वायर टेक्नोलॉजी एवं पोंड विथ इंजेक्शन वेल के माध्यम से भू-जल संवर्धन कार्यों से संबंधित प्रशिक्षण का आयोजन 15 मई को सवेरे 10 बजे से पंडित देवकीनंदन दीक्षित सभागृह शनिचरी बाजार में किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में चारों विकासखण्डों के संबंधित ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव तथा जनपद पंचायतों के सभी उप अभियंता, तकनीकी सहायकों की उपस्थिति अनिवार्य होगी।

रोजगार मेला 20 को 495 पदों पर होगी भर्ती

बिलासपुर/नवप्रदेश। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र कोनी में 20 मई 2026 को सवेरे 11 बजे से शाम 4 बजे तक रोजगार मेला का आयोजन किया जाएगा। मेले में 7 निजी नियोजकों द्वारा विभिन्न पदों पर भर्ती प्रक्रिया की जाएगी, जिसमें बीमा सखी एलआईसी, लाइफ मित्र, फील्ड ऑफिसर, असिस्टेंट मैनेजर (एचडीएफसी एवं एक्सिस बैंक), मशीन ऑपरेटर (प्लास्टिक प्रोसेसिंग, प्लास्टिक एक्सट्रूशन), सेल्स ऑफिसर, सेल्स रिप्रेजेंटेटिव, इलेक्ट्रिक मीटर टेक्नीशियन, सुपरवाईजर एवं लेबर सहित कुल 495 पद शामिल हैं। रोजगार मेले में 10वीं, 12वीं एवं स्नातक उत्तीर्ण अभ्यर्थी भाग ले सकेंगे। मेले में शामिल होने के लिए आवेदकों को ई राजेगार पोर्टल (erojgar.cg.gov.in) अथवा छत्तीसगढ़ रोजगार ऐप के माध्यम से पंजीयन कर एवं रोजगार पंजीयन प्रमाण पत्र लाना अनिवार्य होगा।

आईटीआई की प्रायोगिक परीक्षाएं 29 जुलाई से

बिलासपुर/नवप्रदेश। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं के प्रशिक्षणार्थियों के लिए अखिल भारतीय व्यवसायिक प्रायोगिक परीक्षा 29 जून से 03 जुलाई तक आयोजित की जाएगी। परीक्षा का समय प्रातः 9.30 बजे से शाम 6 बजे तक निर्धारित किया गया है। आदर्श औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था के प्राचार्य ने बताया कि परीक्षा हेतु एकवर्षीय एंव द्विवर्षीय व्यवसाय के नियमित पात्र प्रशिक्षणार्थी अपनी संस्था में स्वयं उपस्थित होकर परीक्षा हेतु आवेदन कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा से मंत्री तोखन ने काफिले के वाहनों की संख्या घटाने दिए निर्देश

बिलासपुर/नवप्रदेश। केन्द्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू ने सुरक्षा में लगे फॉलोअप एवं काफिले में शामिल वाहनों की संख्या कम करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने यह निर्णय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा काफिले में वाहनों की संख्या कम कर सादगी, ऊर्जा संरक्षण एवं संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग का संदेश दिए जाने से प्रेरित होकर लिया है।

तार फेंसिंग कर सरकारी जमीन पर कब्जा, ग्रामीणों में आक्रोश

श्मशान भूमि भी सुरक्षित नहीं अवैध कब्जाधारी सक्रिय

सीपत/नवप्रदेश। तहसील मुख्यालय सीपत में सरकारी जमीनों पर बढ़ते अतिक्रमण के बीच एक बेहद संवेदनशील मामला सामने आया है, जिसने पूरे क्षेत्र में आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया है। नवाडीह बस्ती के पीछे स्थित सर्व हिंदू समाज के श्मशान घाट की आरक्षित सरकारी भूमि पर कथित अवैध कब्जे का मामला अब विवाद का बड़ा कारण बन गया है।

आरोप है कि कब्जाधारी ने न केवल श्मशान भूमि पर निर्माण कराया, बल्कि करीब 25 दिन पहले दफनाए गए मृतक की कब्र पर जेसीबी चलाकर उसे समतल कर दिया और वहां तार फेंसिंग कर कब्जा जमा लिया। घटना सामने आने के बाद ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। ग्रामीणों के अनुसार, खसरा नंबर 967 श्मशान घाट के लिए आरक्षित सरकारी भूमि है, जहां वर्षों से अंतिम संस्कार और दफन की प्रक्रिया होती रही है। आरोप है कि बिल्हा विकासखंड के ग्राम रामपुर ढोढ़ी निवासी रामखिलावन पटेल ने करीब सात वर्ष पहले खसरा नंबर 938 रकबा 2.43 हेक्टेयर (60 डिसमिल) तथा खसरा नंबर 867/3 रकबा 15 डिसमिल, कुल 75 डिसमिल भूमि खरीदी थी। प्रारंभ में खरीदी गई जमीन पर पोल्ट्री फार्म और सब्जी बाड़ी विकसित की गई, लेकिन बाद में उसने श्मशान घाट से लगी सरकारी भूमि पर भी कब्जा कर लिया और वहां दो मंजिला भवन का निर्माण करा लिया। ग्रामीणों का दावा है कि संबंधित व्यक्ति ने लगभग चार एकड़ सरकारी भूमि पर अतिक्रमण कर रखा है।

धार्मिक भावनाएं आहत

ग्रामीणों ने बताया कि मकान निर्माण के दौरान कई बार पंचायत प्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने आपत्ति दर्ज कराई तथा श्मशान घाट की भूमि खाली करने की मांग की, लेकिन किसी स्तर पर सुनवाई नहीं हुई। मामला तब और गंभीर हो गया जब 25 दिन पहले दफनाए गए 62 वर्षीय रामकुमार सूर्यवंशी की कब्र को जेसीबी से समतल कर दिया गया। इससे लोगों की धार्मिक भावनाएं भी आहत हुई हैं। घटना की जानकारी मिलते ही बुधवार सुबह जनपद पंचायत सभापति मनोज खरे, सरपंच प्रतिनिधि योगेश वंशकार, द्वारिका प्रसाद खरे, लच्छी वर्मा, पोषण सत्यार्थी, दिनेश विजय सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे और विरोध प्रदर्शन किया।

सरकारी भूमि पर अतिक्रमण स्वीकार नहीं: खरे

जनपद पंचायत सभापति मनोज खरे ने कहा कि श्मशान घाट की सरकारी भूमि पर अतिक्रमण किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। संबंधित व्यक्ति के पास सीमित भूमि होने के बावजूद उसने बड़े क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है, जिसकी शिकायत प्रशासन से कर सख्त कार्रवाई की मांग की जाएगी। सरपंच प्रतिनिधि योगेश वंशकार ने कहा कि सीपत क्षेत्र में बेजा कब्जों की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। अब स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि श्मशान घाट जैसी सार्वजनिक और संवेदनशील भूमि भी सुरक्षित नहीं बची है। पंचायत स्तर पर जल्द कार्रवाई के लिए प्रशासन से पहल की जाएगी। वहीं द्वारिका प्रसाद खरे ने कहा कि श्मशान घाट की भूमि को हर हाल में कब्जामुक्त कराया जाएगा। यदि आवश्यकता पड़ी तो अवैध रूप से निर्मित भवन को हटाने की मांग भी की जाएगी। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल मौके की जांच कर श्मशान घाट की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने, सीमांकन कराने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो व्यापक जनआंदोलन किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ की टॉपर माही को विधायक दिलीप लहरिया ने किया सम्मानित

सीपत/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ विधानसभा के उपसचेतक एवं दिलीप लहरिया ने गुरुवार को कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा की प्रवीण्य सूची में प्रदेश में नौवां स्थान प्राप्त करने वाली सीपत की मेधावी छात्रा माही कश्यप के निवास पहुंचकर उन्हें सम्मानित किया और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। विधायक ने छात्रा की इस उपलब्धि को पूरे सीपत क्षेत्र, बिलासपुर जिले और प्रदेश के लिए गौरव का विषय बताया। इस दौरान विधायक ने माही कश्यप से उनकी सफलता का राज जाना। माही ने बताया कि परीक्षा देकर लौटने के बाद ही उन्होंने घर के भगवान कक्ष में एक कोरे कागज पर 98 प्रतिशत लिखकर रख दिया था और मन में विश्वास था कि वह यह लक्ष्य जरूर हासिल करेंगी। छात्रा की सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास से विधायक भी प्रभावित नजर आए। विधायक दिलीप लहरिया ने छात्रा से भविष्य की योजनाओं के बारे में पूछा, जिस पर माही ने बताया कि वह बायो विषय लेकर डॉक्टर बनना चाहती हैं, ताकि समाज की सेवा कर सकें। इस पर विधायक ने उनकी आगे की पढ़ाई में हरसंभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया। माही के निवास पर आयोजित इस आत्मीय मुलाकात के दौरान उनके पिता गोविंद कश्यप और माता विद्या कश्यप सहित परिवार के सदस्य मौजूद रहे। परिवार ने विधायक और उपस्थित जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राजेंद्र धीवर, वरिष्ठ कांग्रेस नेता मनोज खरे, सीपत प्रेस क्लब अध्यक्ष प्रदीप पांडेय, पत्रकार हिमांशु गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष युवा कांग्रेस बिलासपुर ग्रामीण राजू सूर्यवंशी, सुनील आईएएस एकेडमी सीपत के संचालक सुनील निर्मलकर, क्रांति सक्सेना एवं राकेश डोंगरे उपस्थित रहे। विधायक दिलीप लहरिया ने कहा कि माही कश्यप की सफलता केवल एक छात्रा की उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरे सीपत क्षेत्र और प्रदेश के लिए प्रेरणा है। सीमित संसाधनों में इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल करना बताता है कि मेहनत और संकल्प के आगे कोई बाधा बड़ी नहीं होती।

प्रधान डाकघर में नाइट सुविधा शुरू

शाम 4:30 से रात 8 बजे तक मिलेंगी डाक सेवाएं, रविवार और छुट्टियों में भी सुविधाएं

बिलासपुर/नवप्रदेश। बिलासपुर के प्रधान डाकघर में अब नाइट पोस्ट ऑफिस की सुविधा शुरू हो गई है। भारतीय डाक विभाग ने 10 मई से इसे संचालित करना प्रारंभ किया है। इसके तहत नागरिक शाम 4:30 बजे से रात 8 बजे तक डाक सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। विभाग का उद्देश्य नागरिकों को विस्तारित समयावधि में डाक सेवाएं उपलब्ध कराना और ग्राहक सुविधाओं का विस्तार करना है। इससे आम नागरिक कार्यालयीन समय के अतिरिक्त भी आवश्यक डाक सेवाओं का उपयोग कर सकेंगे। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, सामान्य काउंटर सुबह 9:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक खुले रहते हैं। इन काउंटरों पर डाक

बुकिंग, बचत बैंक सेवाएं, बीमा सेवाएं, कैश रेमिटेंस, आधार और जन केंद्रित सेवाएं उपलब्ध होती हैं। नाइट पोस्ट ऑफिस की सेवाएं शाम 4:30 बजे से रात 8 बजे तक उपलब्ध रहेंगी। इसके अलावा विस्तारित काउंटर सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक संचालित किए जाएंगे। नाइट पोस्ट ऑफिस में डाक बुकिंग, स्पीड पोस्ट, स्पीड पोस्ट पार्सल, इंडिया पोस्ट पार्सल, अन्य अकाउंटेबल आर्टिकल बुकिंग और आईपीओ बिक्री जैसी सीमित सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। रविवार और अवकाश के दिनों में भी सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक सेवाएं उपलब्ध रहेंगी।

हार्वेस्टर की टक्कर से बाइक सवार की मौत, दूसरा गंभीर

बिलासपुर/नवप्रदेश। जिले के मस्तूरी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत पचपेड़ी थाना क्षेत्र के सोनसरी गांव में दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर दिया। जोंधरा से अपने गांव लौट रहे दो बाइक सवार युवकों को एक अनियंत्रित हार्वेस्टर ने कुचल दिया। हादसे में शंकर यादव की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि शोभित साहू गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसका निजी अस्पताल में इलाज जारी है। मिली जानकारी के अनुसार, 12 मई को सोनसरी निवासी शोभित साहू और शंकर यादव किसी काम से जोंधरा गए थे। दोपहर करीब 2:30 बजे दोनों बाइक से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान सोनसरी पेट्रोल पंप के आगे तालाब किनारे मोड़ पर सामने से आ रहे हार्वेस्टर ने अचानक नियंत्रण खो दिया और सीधे बाइक सवारों को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि शंकर यादव ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हार्वेस्टर को लोहर्सी निवासी श्यामू साहू का बेटा विकास साहू चला रहा था, जो कथित तौर पर वाहन चलाना सीख रहा था।

हरदी समाधान शिविर में 277 आवेदनों पर हुई सुनवाई

बिलासपुर/नवप्रदेश। जिले के तखतपुर ब्लॉक के हरदी में आज जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती ललिता संतोष कश्यप के मुख्य आतिथ्य में सुशासन तिहार अंतर्गत समाधान शिविर का आयोजन किया गया। समाधान शिविर में बड़ी संख्या में क्षेत्र के ग्रामीणों ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाये स्टॉलों में पहुंचकर योजनाओं की जानकारी ली। शिविर के माध्यमों से आज कुल 277 आवेदन प्राप्त हुए। शिविर में जनपद पंचायत अध्यक्ष डॉ. माधुरी वस्त्रकार, जनपद पंचायत सभापति, जनपद पंचायत सदस्य, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण की राज्य सलाहकार श्रीमती मोनिका सिंह, सरपंचगण, विभागीय अधिकारी, कर्मचारीगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे। जिला पंचायत उपाध्यक्ष ललिता संतोष कश्यप ने कहा कि समाधान शिविर के माध्यम से लोगों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी एक ही जगह पर मिल रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में शासन की योजनाएं तेजी से आमजन तक पहुंच रही हैं, जिससे लोगों की समस्याओं का निराकरण प्राथमिकता से हो रहा है। जनपद पंचायत अध्यक्ष डॉ. माधुरी वस्त्रकार ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार जनकल्याण के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रही हैं। लोगों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए शासन द्वारा सुशासन तिहार अंतर्गत शिविर का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने शिविर उपस्थित होकर अधिक से अधिक योजनाओं का लाभ लेने की अपील ग्रामीणों से की। राज्य सलाहकार मोनिका सिंह ने कहा कि सुशासन तिहार के तहत आमजनों की समस्या की सुनवाई और निराकरण हो रहा है। शिविर में आज 5 हितग्राहियों को राशनकार्ड, 8 को पेंशन स्वीकृति, 12 को मनरेगा जॉब कार्ड, 30 को आयुष्मान कार्ड, 40 को लर्निंग ड्राईविंग लाइसेंस, 70 का बी.पी. एवं शुगर जांच, 30 का सिकल सेल जांच, 80 का स्वास्थ्य परीक्षण, 10 को आवास स्वीकृति एवं 5 समूह को 30 लाख का चेक वितरण, 72 को पट्टा वितरण, शिशुओं का अन्नप्राशन एवं महिलाओं का गोद भराई का कार्यक्रम किया गया।

नाम परिवर्तन

शपथकर्ता- अमृता कोमरा, (AMRITA KOMRA) उम्र 18 वर्ष, पिता-सग्गू राम कोमरा, (SAGGU RAM KOMRA) जाति-गोड़, निवासी-ग्राम - पुसाघाटी, पो. गुमझीर, तह. आमाबेड़ा, जिला कांकेर (छ.ग.)

मैं उपरोक्त शपथकर्ता शपथ पूर्वक निम्न कथन करता / करती हूं -

01. यह कि मैं शपथ पूर्वक कथन करती हूं कि मेरा नाम व पता उपरोक्तानुसार सत्य एवं सही है।
02. यह कि मेरे नाम से जारी आधारकार्ड क्रमांक- 3945 8483 5676 में मेरा नाम अमृत कोमरा (AMRIT KOMRA) पिता- सग्गू राम कोमरा (SAGGU RAM KOMRA) अंकित है जो त्रुटिपूर्ण दर्ज हो गया है।
03. यह कि मेरे जन्म प्रमाण पत्र में सही व वास्तविक नाम-अमृता कोमरा (AMRITA KOMRA) पिता-सग्गू राम कोमरा (SAGGU RAM KOMRA) दर्ज है, जो सत्य एवं सही है।
04. यह कि मेरा सत्य एवं वास्तविक नाम अमृता कोमरा (AMRITA KOMRA) पिता- सग्गू राम कोमरा (SAGGU RAM KOMRA) को शासकीय गजट में प्रकाशन करवाने बाबत् आवश्यक दस्तावेजों के साथ यह शपथ पत्र प्रस्तुत है।
05. यह कि उक्ताशय यह शपथ पत्र प्रस्तुत है।

स्थान - कांकेर
दिनांक - 14.05.2026 **शपथकर्ता**

सत्यापन

उपरोक्त शपथकर्ता यह सत्यापित करता / करती हूं कि इस शपथ पत्र की कंडिका 01 से 05 तक लिखी सभी बातें मेरे निजी ज्ञान एवं जानकारी अनुसार सत्य व सही है। अतः आज दिनांक 14.05.2026 को मैं इस पर अपने हस्ताक्षर किया।

शपथकर्ता
अमृता कोमरा

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER
PUBLIC WORKS DEPARTMENT, E/M CIRCLE, RAIPUR (C.G.)

e-Procurement Tender Notice

Online tenders are invited on behalf of Governor of Chhattisgarh from contractors, **C.G. P.W.D in new Registration system (unified Registration system)** for the following work :-

NIT No.	Name of work	Probable amount of contract	Date of bid submission
06/SE E/M/2025 (**I** Call) System Tender No.190771 Registered contractor class in **"D" & above For Form A** (Percantage rate)	**PROVIDING & FIXING TO PROPOSED 11/ 0.4 K.V., 315 K.V.A. ELECTRIC SUBSTATION AT SCIENCE CENTER CAMPUS SADDU RAIPUR C.G**	**Rs 24.84 Lacs**	**03.06.2026**
104/SE E/M/2025 (**III** Call) System Tender No. 190768 Registered contractor class in **"D" & above For Form B** (ITEM Rate Basis)	**PROVIDING & FIXING 33/ 0.4 K.V., 630 K.V.A. COMPACT TYPE SUBSTATION & 100 KVAR CAPACITOR PANEL AT CIPET CAMPUS, BHANPURI, RAIPUR C.G.**	**Rs 79.52 Lacs**	**28.05.2026**

The tender documents can be downloaded from the web-portal **http://eproc.cgstate.gov.in.** Only those contractors/bidders, interested in bidding shall pay the tender document cost online.

G- 262700712/3

Superintending Engineer
P.W.D., E/M Circle Raipur (C.G.)

कार्यालय कलेक्टर
(महिला एवं बाल विकास विभाग)
संयुक्त कलेक्टोरेट परिसर, जिला-कांकेर (छ.ग.)
Phone No.:-07868-241289, E-Mail ID :-wcdkanker@gmail.com

क्रमांक / 263 / मबावि/म.स.के. /2026-27 कांकेर, दिनांक 08/05/2026

//विज्ञापन//

" मिशन शक्ति अंतर्गत शक्ति सदन के विभिन्न संविदा पदों की पूर्ति हेतु पात्र आवेदकों से आवेदन आमंत्रित"
आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि 22.05.2026

मिशन शक्ति अंतर्गत शक्ति सदन के तहत रिक्त पदों हेतु संचालक, महिला एवं बाल विकास विभाग से प्राप्त स्वीकृति के अनुरूप संविदा भर्ती हेतु इच्छुक एवं पात्र आवेदकों से दिनांक **22.05.2026 तक** केवल रजिस्टर्ड डॉक / स्पीड पोस्ट / कुरियर के माध्यम से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। विलंब से प्राप्त आवेदन स्वीकार नही किए जाएंगे। इस विज्ञापन से संबंधित पदों का विवरण, समस्त नियम शर्ते एवं फार्म का प्रारूप कांकेर जिले की वेबसाईट **www.kanker.govt.in** एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय कांकेर के सूचना पटल पर भी उपलब्ध है। रिक्त पदों का विवरण निम्नानुसार है-

क्र.	पदनाम	रिक्त पदों की संख्या	पद संख्या					संविदा नियमानुसार मासिक वेतनमान (राशि रूपये में)	वेतन मैट्रिक्स पे लेवल
			अना.	अ.ज.जा.	अ.जा.	अ.पि.व.	योग		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	आवासीय अधीक्षक	1	1	0	0	0	1	20900	7
2	कार्यालय सहायक	1	1	0	0	0	1	16310	5
3	बहुउद्देशीय सहायक	2	1	1	0	0	2	11720	2
4	रसोईया	2	1	1	0	0	2	6135 अर्द्धकालीन संविदा	2
5	सुरक्षा गार्ड / चौकीदार	3	1	2	0	0	3	11360	1
	योग	9	5	4	0	0	9		

(कलेक्टर महोदय द्वारा अनुमोदित)

जी-262700708/3

(विपिन जैन)
जिला कार्यक्रम अधिकारी
महिला एवं बाल विकास विभाग
जिला-कांकेर (छ.ग.)

सीवीआरयू के विद्यार्थी जिंबाब्वे के संस्थानों में अध्ययन व शोध का लेंगे अनुभव

डॉ सीवी रमन विश्वविद्यालय में जिंबॉब्वे प्रतिनिधिमंडल का आगमन, शिक्षा व सांस्कृतिक सहयोग को मिली नई दिशा

बिलासपुर/नवप्रदेश। अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक सहयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए डॉ. सीवी रमन विश्वविद्यालय में जिंबॉब्वे से आए प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय प्रशासन एवं प्रतिनिधिमंडल के बीच उच्च शिक्षा, शोध, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, साहित्य, कला और विद्यार्थियों के एक्सचेंज प्रोग्राम को लेकर चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में दीर्घकालिक सहयोग विकसित करने पर सहमति व्यक्त की। प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, अनुसंधान गतिविधियों, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय, नवाचार केंद्र तथा भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़े कार्यों का अवलोकन किया। प्रतिनिधियों ने विश्वविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण और विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना की। बैठक में तय किया गया कि आने वाले समय में दोनों देशों के बीच विद्यार्थियों और शिक्षकों के आदान-प्रदान की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी।

सीवीआरयू उत्कृष्ट मंचः जेम्स

इस अवसर पर मुवोन्देरी जेम्स ने कहा कि डॉ. सीवी रमन विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए एक उत्कृष्ट मंच के रूप में उभर रहा है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी जिसमें छत्तीसगढ़ी की कला संस्कृति को दिखाया गया।

शिक्षा का उद्देश्य विश्वबंधुत्व की भावना को विकसित करनाः डॉ. तिवारी

कुलसचिव डॉ. अरविंद कुमार तिवारी ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य विश्वबंधुत्व की भावना को विकसित करना है और इस प्रकार के संवाद विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जिंबॉब्वे के विद्यार्थियों का विश्वविद्यालय में स्वागत किया जाएगा। पूर्व में ही विश्वविद्यालय में भूटान नेपाल के विद्यार्थी अध्यनरत हैं जिंबॉब्वे से जोड़ने पर विश्वविद्यालय में शोध एवं शिक्षा का नया वैश्विक मंच बनेगा जिससे दोनों देशों के विद्यार्थियों को लाभ होगा। यह शैक्षणिक और सांस्कृतिक सहभागिता विद्यार्थियों को वैश्विक सोच और विविध संस्कृतियों को समझने का अवसर देगी। समकुलपति डॉ. जयंती चटर्जी ने कहा कि विश्वविद्यालय लगातार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने शैक्षणिक संबंधों का विस्तार कर रहा है। यह दौरा शिक्षा, शोध और सांस्कृतिक संवाद के क्षेत्र में एक नई शुरुआत है। इससे दोनों देशों के विद्यार्थियों के बीच सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। जिंबॉब्वे से आए प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने भी विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और अनुसंधान व्यवस्था की सराहना की। फाइनेंस डायरेक्टर फिनियास मान्यांग ने कहा कि डॉ. सीवी रमन विश्वविद्यालय का शैक्षणिक वातावरण अत्यंत प्रेरणादायी और आधुनिक संसाधनों से समृद्ध है। नीयनवानजा अन्नाह ने कहा कि विश्वविद्यालय में शिक्षा के साथ संस्कृति और मानवीय मूल्यों को भी विशेष महत्व दिया जा रहा है।

रायपुर के हत्याकांड मामले में ट्रायल कोर्ट ने 2022 में सुनाया था उम्रकैद का फैसला

दोहरे हत्याकांड के आरोपी की अपील हाईकोर्ट में खारिज

बिलासपुर/नवप्रदेश। रायपुर में प्रेमी ने अपनी प्रेमिका का गला रेत कर हत्या कर दी। उसकी बेटी को भी रेलवे ट्रैक पर लिटाकर मार डाला। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने इस दोहरे हत्याकांड के आरोपी की अपील खारिज करते हुए उसकी उम्रकैद की सजा बरकरार रखी है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल ने इसे वारदात को बेहद क्रूर और बर्बर करार दिया है।

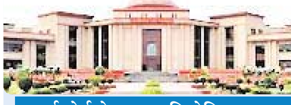

हाईकोर्ट ने माना सुनियोजित हत्या

हाईकोर्ट में आरोपी की ओर से दलील दी गई कि, यह घटना अचानक आए गुस्से के कारण हुई और वह मानसिक रूप से ठीक नहीं था। हाईकोर्ट ने इन दलीलों को खारिज करते हुए कहा कि आरोपी द्वारा पहले से दी गई धमकियां और चाकू लेकर मौके पर पहुंचना यह साबित करता है कि यह एक सोची समझी हत्या थी। हाईकोर्ट ने डीएनए और एफएसएल रिपोर्ट को आधार मानते हुए कहा कि चाकू और आरोपी के कपड़ों पर मिला इंसानी खून उसकी संलिप्तता को पूरी तरह साबित करता है।

दरअसल रायपुर के तेलीबांधा क्षेत्र में रहने वाले विक्की उर्फ सुखीराम यादव के खिलाफ युवती ने पहले दुष्कर्म का केस दर्ज किया था, जिस पर वह जेल भी गया था। जमानत पर बाहर आने के बाद युवती उस पर शादी के लिए लगातार दबाव बना रही थी। युवती का कहना था कि वो शादी नहीं करेगा तो उसे रेप केस में कोर्ट में सजा दिलवाएगी। इसी विवाद के चलते 22 जनवरी 2021 की रात विक्की ने युवती को जोरा मैदान के पास मिलने बुलाया। इस दौरान उसे चाकू से उसका गला काट दिया। इसके बाद उसने साक्ष्य छिपाने और पकड़े जाने के डर से मृतका की छोटी बेटी को पास के ही रेलवे ट्रैक पर ले जाकर लेटा दिया। इस दौरान मालगाड़ी से कटकर बच्ची की मौत हो गई। दूसरे सुबह आरोपी ने खुद गांव के पूर्व सरपंच रिखीराम साहू के पास जाकर अपना जुर्म कबूल किया, जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया। ट्रायल कोर्ट ने 19 जुलाई 2022 को उसे आईपीसी की धारा 302 यानी हत्या और धारा 201 यानी सबूत छिपाने का दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी। आरोपी ने इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की थी।

आरोपी पाक्सो एक्ट का भी दोषी

मामले में विचारण न्यायालय ने आरोपी को धारा 302 दो बार में आजीवन कारावास, 1000 रू. अर्थदंड एवं 201 में पांच वर्ष 500 रू. अर्थदंड की सजा सुनाई। इसके अलावा आरोपी को पाक्सो एक्ट का भी दोषी ठहराया गया। आरोपी ने सजा के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील पेश की थी। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा एवं जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल ने सुनवाई उपरांत अपने आदेश में कहा कि जहां मकसद ठीक से साबित हो जाता है और आरोपी का पिछला क्रिमिनल रिकॉर्ड माना जाता है, और प्रॉसिक्यूशन केस रिकवरी प्रोसीडिंग्स, मेडिकल सबूतों, और एफएसएल और डीएनए एनालिसिस सहित साइंटिफिक फाइंडिंग्स से और पक्का हो जाता है, वहां आरोपी का दोषी ठहराया जाना पूरी तरह से सही है और गुनाह के अलावा किसी और नज़रिए के लिए कोई गुंजाइश नहीं बचती। आरोपी का एक्स्ट्रा-ज्यूडिशियल कन्फ़ेशन, मेमोरेंडम स्टेटमेंट और उसके बाद मिली चीजें, मेडिकल सबूत एफएसएल रिपोर्ट, डीएनए रिपोर्ट और आस-पास के दूसरे हालात मिलकर एक अटूट चेन बनाते हैं जो साफ तौर पर अपील करने वाले के गुनाह की ओर इशारा करती है। कोर्ट इस बात को भी नज़रअंदाज़ नहीं कर सकता कि अपराध कितनी बेरहमी और बर्बर तरीके से किए गए थे। रिकॉर्ड में मौजूद सबूत यह साबित करते हैं कि मृतक रोमा यादव को जानलेवा चोटें पहुँचाकर मार डाला गया था और उसके बाद नाबालिग बच्ची कु. माहिरा यादव को रेलवे ट्रैक पर छोड़ दिया गया था, जबकि उसे इसके होने वाले नतीजों की पूरी जानकारी थी। अपील करने वाले के बताए गए काम पूरी तरह से घटियापन और इंसानी ज़िंदगी की पूरी तरह से अनदेखी दिखाते हैं। ट्रायल कोर्ट ने उसके खिलाफ दोषसिद्धि का फैसला सही तरीके से सुनाया है। इसके साथ कोर्ट ने आरोपी की अपील को खारिज किया है।

चापड़ से हमले में घायल मरीज का सिम्स में सफल उपचार

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स) बिलासपुर के जनरल सर्जरी विभाग ने गंभीर रूप से घायल एक मरीज का सफल उपचार कर उसे नया जीवन प्रदान किया है। तखतपुर निवासी 45 वर्षीय उषा दिवाकर पति मोहनी दिवाकर पर 06 अप्रैल 2026 को चापड़ से जानलेवा हमला किया गया था। हमले में उनके शरीर पर गंभीर चोटें आई थीं, जिसके बाद उनकी हालत लगातार बिगड़ती चली गई। घटना के बाद मरीज को गंभीर अवस्था में सिम्स अस्पताल लाया गया, जहां जांच में पाया गया कि चोट और संक्रमण के कारण मरीज के दाएं फेफड़े के बाहर पस जमा हो गया है। लगातार संक्रमण बढ़ने से मरीज को सांस लेने में तकलीफ होने लगी तथा स्थिति अत्यंत गंभीर हो गई थी। चिकित्सकों के अनुसार मरीज का दायां फेफड़ा लगभग पूरी तरह संक्रमित हो चुका था और लगातार पस का स्राव हो रहा था। मरीज की गंभीर स्थिति को देखते हुए सिम्स के जनरल सर्जरी विभाग की टीम ने तत्काल ऑपरेशन करने का निर्णय लिया। सर्जरी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ओ. पी. राय के नेतृत्व में डॉ. विनोद ताम्रकार, डॉ. कमलेश प्रसाद देवांगन एवं डॉ. सुनील पात्रे की टीम ने जटिल सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। वहीं एनेस्थीसिया विभागाध्यक्ष डॉ मधुमिता मूर्ति के मार्गदर्शन मे डॉ. मुनीता

जायसवाल, डॉ. नेहा दुबे एवं डॉ. शीतल दास ताम्रकार ने ऑपरेशन के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ऑपरेशन के दौरान चिकित्सकों ने फेफड़े के बाहर जमा पस को निकाला तथा संक्रमित हिस्से का उपचार किया। लंबे समय तक चले इस जटिल ऑपरेशन के बाद मरीज को पोस्ट ऑफ़ आईसीयू में डॉ मधुमिता मूर्ति एवं डॉक्टर के टीम के द्वारा भर्ती कर इलाज किया गया, जहां करीब 15 दिनों तक वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखकर उसका उपचार किया गया। डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ और तकनीकी कर्मचारियों की लगातार निगरानी एवं देखभाल से मरीज की स्थिति में धीरे-धीरे सुधार हुआ और अब वह स्वस्थ होकर घर लौट गया है। मरीज के परिजनों ने सिम्स अस्पताल के चिकित्सकों एवं पूरे स्टाफ के प्रति आभार व्यक्त किया है। सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. ओ. पी. राय ने बताया कि मरीज की स्थिति अत्यंत गंभीर थी और संक्रमण तेजी से फैल रहा था। समय पर सर्जरी एवं सतत निगरानी के कारण मरीज को बचाया जा सका। उन्होंने कहा कि सिम्स में अब जटिल सर्जरी भी सफलतापूर्वक की जा रही हैं। सिम्स के अधिष्ठाता डॉ. रमणेश मूर्ति ने कहा कि संस्थान में गंभीर एवं जटिल बीमारियों के उपचार हेतु विशेषज्ञ चिकित्सकों की अनुभवी टीम निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि समय पर सही निर्णय, आधुनिक उपचार पद्धति और चिकित्सकों की सतर्कता के कारण मरीज को नया जीवन मिल सका।

उन्होंने पूरी टीम को इस सफलता के लिए बधाई देते हुए कहा कि सिम्स आमजन को बेहतर एवं भरोसेमंद स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. लखन सिंह ने कहा कि यह सफलता सिम्स के चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ और तकनीकी कर्मचारियों की सामूहिक मेहनत का परिणाम है। उन्होंने कहा कि गंभीर अवस्था में पहुंचे मरीज का सफल उपचार यह दर्शाता है कि सिम्स में अब जटिल सर्जरी और आपातकालीन उपचार की सुविधाएं प्रभावी रूप से उपलब्ध हैं। उन्होंने मरीज के शीघ्र स्वस्थ होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए पूरी चिकित्सा टीम की सराहना की।

सेंट जेवियर्स हाई स्कूल व्यापार विहार ने सीबीएसई कक्षा 12वीं परीक्षा में रचा सफलता का इतिहास

बिलासपुर/नवप्रदेश। सेंट जेवियर्स हाई स्कूल, व्यापार विहार ने सीबीएसई कक्षा 12वीं परीक्षा 2025-26 में अपने विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की गौरवपूर्ण घोषणा की। 13 मई 2026 को घोषित परीक्षा परिणामों में विद्यालय ने अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए सभी संकायों में शानदार सफलता प्राप्त की। विद्यालय के 21 विद्यार्थियों ने 90% से अधिक अंक प्राप्त कर संस्था का नाम गौरवान्वित किया। विद्यालय की टॉपर राया खान ने विज्ञान संकाय में 97.8% अंक प्राप्त किए, जबकि मानविकी संकाय में अनुषा एक्का ने 97.6% तथा वाणिज्य संकाय में नताशा धमेचा ने 97% अंक अर्जित किए। अन्य मेधावी विद्यार्थियों में ईवा ओशीन मसीह (96.6%), रविशंकर पांडेय (95.4%), नंदिता राठौर (94.8%), रोहित मटलानी (94.6%), अथर्व तिवारी (94%), सर्वस्व श्रीवास्तव

(93.2%), देव प्रताप सिंह (93.2%), जागृति पटेल (92.4%), अक्षत टंडन (92.4%), अंजलि राजपूत (92.2%), अंश पंजवानी (91.6%), कुरेला ऋषिता (91.6%), लक्ष्य डिंडोरे (91.4%), प्रत्युष केशरवानी (91%), अर्शी जुनैद (90.8%), हिमांशु मांझी (89.8%), अक्षिता गुप्ता (89.6%) एवं मिमांसा चित्रकार (89.6%) शामिल रहे। विद्यार्थियों की इस उल्लेखनीय उपलब्धि के उपलक्ष्य में विद्यालय द्वारा विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को विद्यालय परिसर में आमंत्रित कर एक भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन एवं वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया तथा उनकी उत्कृष्ट सफलता पर बधाई दी गई। अभिभावकों की उपस्थिति में आयोजित यह समारोह गर्व, उत्साह और खुशी का विशेष अवसर बन गया। यह शानदार परिणाम विद्यार्थियों की मेहनत, लगन एवं समर्पण के साथ-साथ शिक्षकों एवं अभिभावकों के निरंतर सहयोग और मार्गदर्शन का प्रतिफल है।

सीबीएसई 12वीं में एवीएम न्यू सैनिक स्कूल का शानदार प्रदर्शन

बिलासपुर/नवप्रदेश। आधारशीला विद्या मंदिर न्यू सैनिक स्कूल के विद्यार्थियों ने सीबीएसई कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न संकायों – कॉमर्स, आर्ट्स, मैथ्स एवं बायोलॉजी – में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर यह सिद्ध किया कि अनुशासन, सतत अभ्यास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण एवं समर्पित मार्गदर्शन से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। विद्यालय में सफलता एवं उत्साह का वातावरण व्याप्त है।

विद्यार्थियों की इस उपलब्धि ने न केवल विद्यालय बल्कि अभिभावकों एवं पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। परिणामों ने यह प्रमाणित किया कि विद्यालय द्वारा अपनाई जा रही आधुनिक शिक्षण पद्धति, स्कूल इंटीग्रेटेड प्रोग्राम (एसआईपी), नियमित टेस्ट श्रृंखला, व्यक्तिगत मार्गदर्शन एवं मूल्य आधारित शिक्षा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो रही है। इस वर्ष कॉमर्स संकाय की प्रतिभाशाली छात्रा शिविका शुक्ला ने 95% अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। उनकी इस उपलब्धि ने विद्यालय के अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरित किया है। वहीं आर्ट्स संकाय की छात्रा रिया सोनी ने 91% अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। मैथ्स संकाय के छात्र अरिहान श्रीवास्तव ने 90% अंक प्राप्त कर अपनी मेहनत और लगन का परिचय दिया, जबकि बायोलॉजी संकाय के देवाशीष धीवर ने 89% अंक अर्जित कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। अन्य उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों में आर्ट्स संकाय की दिव्या श्रीवास ने 88% तथा वंशिका साहू ने 86% अंक प्राप्त किए। बायोलॉजी संकाय की तन्वी श्रीवास ने 87%, आकाश चौधरी ने 85% एवं अनिमेष पांडे ने 81% अंक प्राप्त किए। कॉमर्स संकाय की पलक दुबे ने 87% तथा शौर्य सरकार ने 81% अंक अर्जित किए। मैथ्स संकाय के शिखर कुमार साहू ने भी 81% अंक प्राप्त कर विद्यालय की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया। विद्यालय प्रबंधन ने विद्यार्थियों की इस सफलता का श्रेय उनकी निरंतर मेहनत, अभिभावकों के सहयोग तथा शिक्षकों की समर्पित कार्यशैली को दिया है। विद्यालय में नियमित रूप से संचालित होने वाले रिमेडियल क्लासेस, कॉन्सेप्ट बेस्ड टीचिंग, डाउट क्लियरिंग सेशन, माइक्रो टेस्ट, प्रैक्टिस पेपर्स एवं व्यक्तिगत अकादमिक मॉनिटरिंग ने विद्यार्थियों के प्रदर्शन को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विद्यालय के चेयरमेन डा. अजय श्रीवास्तव ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की अथक मेहनत, शिक्षकों की प्रतिबद्धता एवं अभिभावकों के विश्वास का परिणाम है। उन्होंने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल अकादमिक सफलता तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, राष्ट्रभक्ति एवं नैतिक मूल्यों का विकास करना भी है। विद्यालय के निदेशक एसके जनास्वामी ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में विद्यार्थियों का यह प्रदर्शन अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में और अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि सफलता निरंतर प्रयास, आत्मविश्वास एवं सकारात्मक सोच का परिणाम होती है। विद्यालय की प्राचार्या जीआर मधुलिका ने सभी सफल विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि विद्यालय सदैव विद्यार्थियों के समग्र विकास हेतु प्रतिबद्ध है।

अरपा नदी में मिला कटा हुआ मानव हाथ, क्षेत्र में सनसनी

बिलासपुर/नवप्रदेश। बेलगहना क्षेत्र में उस समय सनसनी फैल गई जब अरपा नदी में बने पुल के नीचे एक अज्ञात व्यक्ति का कटा हुआ हाथ तैरता हुआ मिला। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई और तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही बेलगहना चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और क्षेत्र को घेरकर जांच शुरू कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए डॉग स्क्वायड टीम को भी बुलाया गया है, जो आसपास के इलाके में सुराग तलाश रही है।प्रारंभिक तौर पर यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि कटा हुआ हाथ किस व्यक्ति का है और

यह नदी तक कैसे पहुंचा? पुलिस आसपास के थानों में दर्ज गुमशुदगी और हाल की आपराधिक घटनाओं की जानकारी खंगाल रही है.पुलिस का कहना है कि जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि मामला हत्या से जुड़ा है या किसी अन्य कारण से मानव अंग नदी में पहुंचा है। फिलहाल कटा हुआ हाथ कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम और फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है। इस घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत और चर्चा का माहौल है।

योजनाः भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम, साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड में भी संभावनाओं पर कार्य जारी

कोयला गैसीकरण को मिली गति, केंद्र की 37,500 करोड़ की योजना मंजूर

बिलासपुर/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश में सतही (सरफेस) कोयला/लिग्नाइट गैसीकरण परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए 37,500 करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी योजना को मंजूरी प्रदान की है। यह योजना वर्ष 2030 तक 100 मिलियन टन कोयला गैसीकरण के राष्ट्रीय लक्ष्य को गति देने, ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने तथा एलएनजी, यूरिया, अमोनिया और मेथेनॉल जैसे उत्पादों के आयात पर निर्भरता कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

इस योजना के अंतर्गत लगभग 75 मिलियन टन कोयला/लिग्नाइट गैसीकरण क्षमता विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। योजना के तहत नई परियोजनाओं को प्लांट एवं मशीनरी लागत का अधिकतम 20 प्रतिशत तक वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा। परियोजनियों का चयन पारदर्शी एवं प्रतिस्पर्धात्मक बोली प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा। केंद्र सरकार द्वारा कोयला गैसीकरण क्षेत्र में दी जा रही इस नई गति का प्रभाव देश की प्रमुख कोयला कंपनियों में भी दिखाई दे रहा है। इसी क्रम में साऊथ ईस्टर्न

कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) द्वारा भी कोयला गैसीकरण की संभावनाओं पर कार्य किया जा रहा है। एसईसीएल के भटगांव क्षेत्र स्थित महामाया खदान में कोल गैसीफिकेशन की संभावनाओं का परीक्षण एवं अध्ययन किया जा रहा है। यह पहल भविष्य में कोयले के वैकल्पिक एवं स्वच्छ उपयोग की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। कोयला गैसीकरण तकनीक के माध्यम से कोयले को 'सिंथेसिस गैस' (Syngas) में परिवर्तित किया जाता है, जिसका उपयोग उर्वरक, रसायन, ईंधन तथा अन्य औद्योगिक उत्पादों के निर्माण में किया जा सकता है। इससे न केवल आयातित ईंधनों पर निर्भरता घटेगी, बल्कि देश में वैल्यू एडिशन एवं औद्योगिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। सरकार के अनुसार इस योजना से लगभग 2.5 से 3 लाख करोड़ रुपये तक का निवेश आकर्षित होने की संभावना है तथा लगभग 50 हजार प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। साथ ही कोयला उत्पादक क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी। भारत के पास लगभग 401 बिलियन टन कोयला एवं 47 बिलियन टन लिग्नाइट भंडार उपलब्ध हैं। ऐसे में कोयला गैसीकरण को ऊर्जा सुरक्षा, आत्मनिर्भर भारत एवं 'मेक इन इंडिया' अभियान के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक पहल माना जा रहा है।

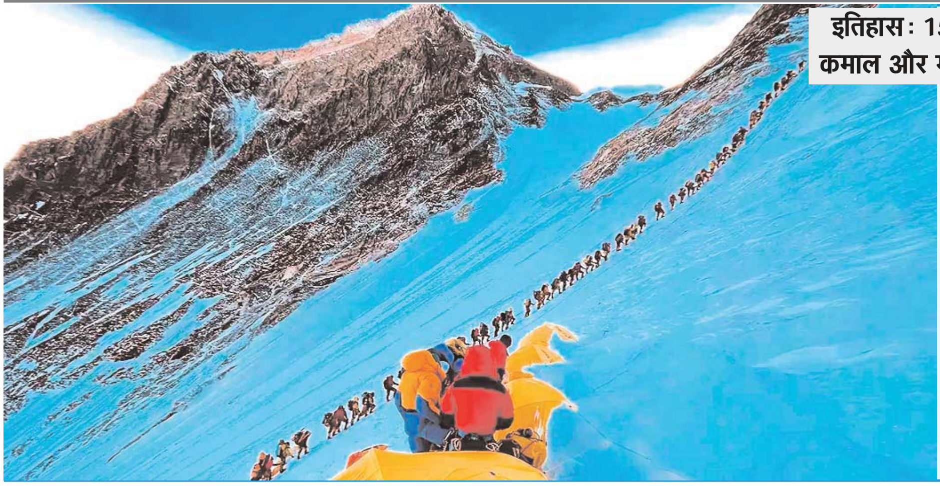

इतिहास: 15 मई पर्वतारोहण में महिला का कमाल और मैकडॉनल्ड की शुरुआत का दिन

नई दिल्ली/ए.। 15 मई का दिन विश्व इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं के लिए याद किया जाता है। इस दिन पर्वतारोहण की दुनिया में एक महिला ने असाधारण उपलब्धि हासिल कर बिना ऑक्सीजन सिलेंडर के माउंट एवरेस्ट की चोटी तक पहुंचकर नया इतिहास रचा। इस साहसिक कारनामे ने महिलाओं की पर्वतारोहण क्षमता को लेकर बनी कई धारणाओं को बदल दिया। उस महिला का नाम है एलिसन हारग्रीव्स। इस ब्रिटिश महिला पर्वतारोही ने बिना पूरक ऑक्सीजन और बिना किसी शेरपा की मदद के माउंट एवरेस्ट फतह किया था। उन्होंने यह असाधारण उपलब्धि 13 मई 1995 को हासिल की और इसके बाद 15 मई 1995 को दुनिया भर के मीडिया में इस खबर ने नया इतिहास रचा। पर्वतारोहण के इतिहास में इस उपलब्धि को आज भी प्रेरणादायक माना जाता है, जहां कठिन परिस्थितियों और कम ऑक्सीजन के बावजूद शिखर तक पहुंचना अत्यंत चुनौतीपूर्ण होता है। इस उपलब्धि ने दुनिया भर के पर्वतारोहियों को नई प्रेरणा दी। इसी दिन वैश्विक फास्ट-फूड उद्योग की नींव भी रखी गई थी। 15 मई 1940 को कैलिफोर्निया के सैन बर्नार्डीनो में रिचर्ड और मौरिस मैकडॉनल्ड्स नाम के दो भाइयों ने एक छोटा सा रेस्तरां शुरू किया था। यही छोटा सा आउटलेट आगे चलकर वैश्विक फास्ट-फूड दिग्गज मैकडॉनल्ड में बदल गया। आज मैकडॉनल्ड्स दुनिया के 100 से अधिक देशों में मौजूद है और इसके 35,000 से ज्यादा आउटलेट्स संचालित हो रहे हैं। बर्गर, फ्राइज और अन्य फास्ट-फूड आइटम्स के जरिए इस ब्रांड ने वैश्विक खाद्य संस्कृति को गहराई से प्रभावित किया है। इतिहासकारों के अनुसार, मैकडॉनल्ड्स की सफलता का बड़ा कारण इसका 'फास्ट सर्विस मॉडल' और मानकीकृत मेन्यू रहा, जिसने इसे दुनिया भर में तेजी से फैलने में मदद की।

16 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेश में एसआईआर की घोषणा

नई दिल्ली/ए.। चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण के तीसरे चरण की घोषणा की है। इसके तहत देश के 16 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण किया जाएगा। चुनाव आयोग के अनुसार, जनगणना के तहत चल रही गृह-सूचीकरण प्रक्रिया के साथ साझा जमीनी तंत्र को ध्यान में रखते हुए एसआईआर के तीसरे चरण का कार्यक्रम तय कर लिया गया है। आयोग के अनुसार, एसआईआर के तीसरे चरण के दौरान 3.94 लाख से अधिक बूथ स्तरीय अधिकारी 36.73 करोड़ मतदाताओं के घर-घर जाकर सर्वेक्षण करेंगे। यह पूरा कार्यक्रम मई 2026 से शुरू होकर दिसंबर 2026 तक चलेगा और अलग-अलग राज्यों में अंतिम मतदाता सूची सितंबर से दिसंबर 2026 के बीच प्रकाशित की जाएगी। आयोग ने बताया कि एसआईआर का तीसरा चरण पूरा होने के बाद हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को छोड़कर पूरा देश इसमें कवर हो जाएगा। आयोग के मुताबिक, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में मतदाता सूची के कार्यक्रम की घोषणा बाद में की जाएगी, जिसमें बर्फ से ढके क्षेत्रों में मौसम की स्थिति को ध्यान में रखा जाएगा। चुनाव आयोग ने कहा कि, मतदाता सूची के तीसरे चरण में दिल्ली को शामिल किया जाएगा, जहां 7 अक्तूबर को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण-एसआईआर का दूसरा चरण नौ राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में 4 नवंबर 2205 से किया गया था। इस चरण में छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, पुदुचेरी, लक्षद्वीप, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में एसआईआर किया गया।

विशेष गहन पुनरीक्षण के तीसरे चरण का एलान

16 राज्य आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड, झारखंड

महाराष्ट्र, मिजोरम, मणिपुर, मेघालय

कर्नाटक, तेलंगाना, सिक्किम, नगालैंड और त्रिपुरा

तीन केंद्र शासित प्रदेश

दिल्ली, चंडीगढ़, दादर नगर हवेली और दमन-दीव

खत्म हुआ सीएम पद पर सस्पेंस, वीडी सतीशन होंगे केरलम के नए मुख्यमंत्री

नई दिल्ली/ए.। केरलम के मुख्यमंत्री को लेकर दस दिनों से चला आ रहा सस्पेंस खत्म हो गया है. गुरुवार को कांग्रेस विधायक दल की बैठक में वीडी सतीशन को नेता चुना गया है. कांग्रेस प्रभारी दीपा दास मुंशी ने दिल्ली एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान वीडी सतीशन के नाम का ऐलान किया. इस तरह दस साल के बाद सत्ता में लौटी कांग्रेस ने मुख्यमंत्री के लिए सतीशन के नाम पर फाइनल मुहर लगा दी है । 2026 के केरलम विधानसभा चुनाव के बीच सतीशन ने कहा था कि अगर कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूडीएफ गठबंधन निर्णायक जीत नहीं दर्ज करता है तो वह राजनीतिक से सन्यास ले लेंगे। यह एक ऐसा साहसिक बयान था, जिसने कांग्रेसी कार्यकर्ताओं में जोश और भरोसा जगा दिया था। इस तरह जीत के हीरो रहे वीडी सतीशन को तमाम मंथन के बाद कांग्रेस ने सत्ता की कमान सौंपने का फैसला किया है। केरलम में कई कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए इस जीत की जड़ें 2021 के विधानसभा चुनाव में हार के बाद से जुड़ी, जब राहुल गांधी ने सतीशन को विपक्ष का नेता बनाया था। उस समय जो फैसला जोखिम भरा और अनिश्चित लग रहा था, वो कैसे जीत की संजीवनी बन गया। वीडी सतीशन ने सिर्फ माहौल ही नहीं। हाई कोर्ट में वकालत करने वाले वीडी सतीशन ने पहली बार 1990 के दशक के मध्य में परवूर विधानसभा क्षेत्र से चुनावी मैदान में उतरे, लेकिन जीत से महरूम रह गए थे। इस असफलता को जल्द ही एक नये अवसर में बदल दिया। अपने अगले प्रयास में उन्होंने 2001 में शानदार जीत हासिल की और इसके बाद लगातार इस सीट को बरकरार रखते हुए दो दशकों से अधिक समय में मजबूत जमीनी पकड़ बनाई।

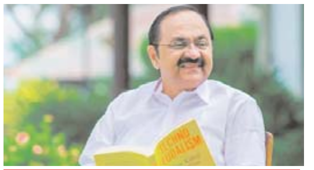

102 सीटों के साथ यूडीएफ गठबंधन को मिला था बहुमत

इस बैठक के बाद कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने मीडिया से बातचीत करते हुए बताया था कि, 14 मई को सीएम के नाम का ऐलान किया जाएगा। उन्होंने कहा, ÷केरलम में कांग्रेस विधायक दल के सदस्यों द्वारा अधिकृत किए जाने के बाद कांग्रेस आलाकमान ने सभी चर्चाएं पूरी कर ली हैं। केरलम का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा? इस पर फैसला गुरुवार को होगा।÷ बता दें कि 140 सदस्यीय केरलम विधानसभा में कांग्रेस नेतृत्व वाले यूडीएफने 102 सीटें जीतकर बहुमत हासिल किया है। इसके बावजूद मुख्यमंत्री के नाम पर जल्द फैसला नहीं होने से पार्टी की किरकिरी हो रही थी। यहां तक कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सनी जोसेफ ने भी माना था कि इस देरी से जीत की चमक फीकी पड़ रही है।

कौन हैं वीडी सतीशन

वीडी सतीशन का जन्म 31 मई 1964 को केरल के एर्नाकुलम जिले के नेट्टूर में हुआ। उनके पिता का नाम के दामोदरन मेनन तो माता का नाम वीपी सरस्वती अम्मा है। वीडी सतीशन का सफर छात्र राजनीति की गलियों से शुरू होकर सत्ता के सिंहासन तक पहुंचा है। उनकी पहचान एक प्रखर वक्ता, तर्कशील नेता और नीतिगत मुद्दों पर गहरी पकड़ रखने वाले राजनेता के रूप में होती है। एर्नाकुलम जिले के नेट्टूर रहने वाले वीडी सतीशन ने अपनी राजनीतिक सफर का आगाज छात्र जीवन से किया। सतीशन की राजनीतिक पारी की शुरुआत उनके कॉलेज के दिनों में हुई। वे कांग्रेस की छात्र शाखा केरल छात्र संघ से जुड़े। वे एर्नाकुलम के प्रतिष्ठित महाराजा कॉलेज और बाद में गवर्नमेंट लॉ कॉलेज में पढ़ाई के दौरान छात्र राजनीति में बेहद सक्रिय रहे। उनकी नेतृत्व क्षमता को देखते हुए उन्हें चस का राज्य अध्यक्ष और बाद में भारतीय युवा कांग्रेस का राष्ट्रीय सचिव भी नियुक्त किया गया।

प्रतीक यादव की संदिग्ध मौत स्वतंत्र व निष्पक्ष जांच की मांग

NGO ने खटखटाया NHRC का दरवाजा

नई दिल्ली/ए.। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के भाई प्रतीक की संदिग्ध मौत का मामला अब राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की चौखट पर जा पहुंचा है। मानवाधिकारों के लिए काम करने वाली संस्था 'डीके फाउंडेशन' ने इस मामले को संदिग्ध बताते हुए स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की मांग की है।

एसआईटी जांच की उठी मांग

संस्था का कहना है कि प्रतीक यादव स्वस्थ जीवनशैली के लिए जाने जाते थे, ऐसे में उनकी अचानक मौत और शरीर पर मिले संदिग्ध निशानों की निष्पक्ष जांच बेहद जरूरी है। डीके फाउंडेशन ने NHRC से मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की। संस्था ने कहा कि पूरे मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल का गठन किया जाए ताकि जांच पारदर्शी तरीके से हो सके। याचिका में यह भी कहा गया है कि घटना के समय और अस्पताल ले जाने की प्रक्रिया में कई ऐसे तथ्य हैं जो स्पष्ट नहीं हैं। स्थानीय स्तर पर जांच प्रभावित होने की आशंका है। डीके फाउंडेशन ने अपनी याचिका में मानवाधिकार उल्लंघन का भी जिक्र किया। याचिका में कहा गया कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रत्येक नागरिक को 'जीवन का अधिकार' प्राप्त है। यदि यह एक हत्या है, तो यह मानवाधिकारों का सबसे क्रूर उल्लंघन है। हमें पूर्ण संदेह है कि यह सामान्य मृत्यु का नहीं, बल्कि एक सुनियोजित हत्या है। वहीं प्रतीक यादव की मौत को लेकर सोशल मीडिया और स्थानीय स्तर पर भी कई तरह की चर्चाएं तेज हो गई हैं।

NHRC पहुंचा प्रतीक की मौत का मामला

डीके फाउंडेशन ने अपनी याचिका में आशंका जताई है कि यह मामला केवल सामान्य मृत्यु का नहीं, बल्कि संभावित हत्या का भी हो सकता है। याचिका में कहा गया कि प्रारंभिक तौर पर प्रतीक यादव की मौत का कारण 'कार्डियोरेस्पिरेटरी कोलैप्स' यानी हृदय गति रुकना बताया जा रहा है, लेकिन मृतक के शरीर पर मिले कथित एंटी-मॉर्टम इंजरी (मृत्यु से पहले लगी चोटों) के निशान कई गंभीर सवाल खड़े करते हैं।

दिल्ली में ऑफिस टाइमिंग में बदलाव, हफ्ते में 2 दिन फर्क फ्राम होम

नई दिल्ली/ए.। पीएम नरेंद्र मोदी की देशवासियों से ईंधन, आयात और विदेशी मुद्रा पर दबाव कम करने की अपील के बाद दिल्ली सरकार ने बड़ा और व्यापक फैसला लिया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई अहम बैठक के बाद राजधानी में "मेरा भारत, मेरा योगदान" नाम से 90 दिनों का जन-अभियान शुरू करने का ऐलान किया गया है। इस अभियान का मकसद दिल्ली को एक "Practical City Model" बनाना है, जहां ईंधन की बचत, सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा, फर्क फ्राम होम , ऑनलाइन मीटिंग्स और रूडुस्रद्द द्वठु द्वठुस्रद्बडु को प्राथमिकता दी जाएगी। दिल्ली सरकार ने साफकिया है कि वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच हर नागरिक को अपनी जीवनशैली में छोटे-छोटे बदलाव करने होंगे ताकि देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हो सके। इसी को ध्यान में रखते हुए कई बड़े प्रशासनिक और जनहित फैसले लिए गए हैं। सबसे बड़ा फैसला ऑफिस टाइमिंग को लेकर लिया गया है। नई व्यवस्था के तहत MCD दफ्तर सुबह 8:30 बजे से शाम 5 बजे तक खुलेंगे, जबकि दिल्ली सरकार के दफ्तरों का समय सुबह 10:30 बजे से शाम 7 बजे तक रहेगा। वहीं केंद्र सरकार के कार्यालयों का समय सुबह 9 बजे से शाम 5:30 बजे तक तय किया गया है। इसका उद्देश्य ट्रैफिक और पीक ऑवर के दबाव को कम करना है।

अदालतों से भी ऑनलाइन सुनवाई का अनुरोध

कॉलेजों से भी अपील की गई है कि non-practical classes, guest lectures और administrative meetings को अधिक से अधिक ऑनलाइन मोड में आयोजित किया जाए। अदालतों से भी ऑनलाइन सुनवाई को बढ़ावा देने का अनुरोध किया जाएगा। धन बचाने के लिए सरकार ने कई सख्त कदम उठाए हैं। सरकारी वाहनों के पेट्रोल इस्तेमाल में 20 प्रतिशत कटौती की जाएगी। ट्रांसपोर्ट विभाग के 10 प्रतिशत वरिष्ठ अधिकारी सप्ताह में कम से कम दो दिन DTC या पब्लिक ट्रांसपोर्ट का उपयोग करेंगे। इसके अलावा दिल्ली सरकार अगले 6 महीनों तक नई पेट्रोल, डीजल, CNG और Hybrid गाड़ियों की खरीद नहीं करेगी।

सत्ता संभालते ही विजय ने 16 लाख कर्मचारियों-पेंशनर्स को दिया तोहफा

चेन्नई/ए.। सीएम विजय ने तमिलनाडु के सरकारी कर्मचारियों, शिक्षकों, पेंशनर्स और पारिवारिक पेंशनर्स के लिए महंगाई भत्ते में 2 प्रतिशत बढ़ोतरी का एलान किया। इस बढ़ोतरी के बाद डीए 58 प्रतिशत से बढ़कर 60 प्रतिशत हो गया है। सरकार ने इसे 1 जनवरी 2026 से प्रभावी माना है। राज्य के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की ओर से जारी आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि इस फैसले से करीब 16 लाख सरकारी कर्मचारी, शिक्षक, पेंशनर्स और पारिवारिक पेंशनर्स लाभान्वित होंगे। सरकार ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा केंद्रीय कर्मचारियों का डीए 58 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 प्रतिशत किए जाने के बाद तमिलनाडु सरकार ने भी अपने कर्मचारियों और पेंशनर्स को समान लाभ देने का निर्णय लिया है। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि मुख्यमंत्री विजय के नेतृत्व वाली सरकार कर्मचारियों और शिक्षकों के कल्याण के प्रति प्रतिबद्ध है, जो राज्य में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और सार्वजनिक सेवाओं के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सरकार के अनुसार, डीए बढ़ोतरी से राज्य के खजाने पर सालाना करीब 1,230 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा।

गेम्सक्राफ्ट पर ईडी की बड़ी कार्रवाई 526 करोड़ रुपए के बैंक जमा फ्रीज

नई दिल्ली/ए.। प्रवर्तन निदेशालय ने ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म गेम्सक्राफ्ट के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। निदेशालय ने धन शोधन मामले में कंपनी के 526 करोड़ रुपये के बैंक जमा फ्रीज कर दिए हैं। इसके साथ ही 3.5 करोड़ रुपये के सोने के आभूषण और 11 लाख रुपये नकद भी जब्त किए गए हैं। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत की गई है। बेंगलुरु स्थित इस कंपनी के खिलाफ7 मई को दिल्ली-एनसीआर और बेंगलुरु में तलाशी अभियान शुरू हुआ था। यह अभियान 13 मई को समाप्त हुआ। तलाशी के दौरान बैंक जमा, बॉन्ड और सावधि जमा जैसे चल संपत्ति कुल 526.49 करोड़ रुपये के फ्रीज किए गए। छापेमारी के बाद निदेशालय ने कंपनी के तीन संस्थापकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए संस्थापकों में दीपक सिंह, पृथ्वी राज सिंह और विकास तनेजा शामिल हैं। केंद्रीय एजेंसी ने गेम्सक्राफ्ट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड और अन्य संबंधित संस्थाओं के खिलाफ धन शोधन का मामला दर्ज किया था। यह मामला धोखाधड़ी और ठगी से संबंधित कई पुलिस एफआईआर के आधार पर दर्ज किया गया था। गेम्सक्राफ्ट 'रमीकल्चर' और 'रमीटाइम ऐप' जैसे ऑनलाइन वास्तविक धन वाले खेल चलाती है। सरकार ने अगस्त 2025 में ऑनलाइन धन वाले खेलों पर प्रतिबंध लगा दिया था। ईडी की कार्रवाई और जब्त संपत्तियां प्रवर्तन निदेशालय ने गेम्सक्राफ्ट के खिलाफ व्यापक तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान कंपनी के विभिन्न बैंक खातों में जमा 526 करोड़ रुपये की राशि फ्रीज की गई। इसके अतिरिक्त, 3.5 करोड़ रुपये मूल्य के सोने के आभूषण भी जब्त किए गए हैं। साथ ही, 11 लाख रुपये की नकदी भी बरामद की गई है। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत की गई है। निदेशालय ने धोखाधड़ी और ठगी से जुड़ी कई पुलिस एफआईआर का संज्ञान लिया था। इन्हीं एफआईआर के आधार पर गेम्सक्राफ्ट के खिलाफ धन शोधन का मामला दर्ज किया गया। तलाशी अभियान के बाद कंपनी के तीन प्रमुख संस्थापकों को गिरफ्तार किया गया।

कोहली ने साबित कर दिया पुरानी पीढ़ी अभी भी सर्वश्रेष्ठ : गावस्कर

नई दिल्ली/ए.। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने विराट कोहली की तारीफ करते हुए कहा कि इस चैम्पियन बल्लेबाज ने साबित कर दिया है कि पुरानी पीढी अभी भी सर्वश्रेष्ठ है। पिछले दो मैचों में शून्य पर आउट हुए कोहली के 60 गेंदों में नाबाद 105 रन की मदद से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू ने आईपीएल के मैच में केकेआर को छह विकेट से हराकर अंकतालिका में पहला स्थान हासिल कर लिया। गावस्कर ने 'स्टार स्पोटर्स' पर 'अमूल क्रिकेट लाइव' में कहा, विराट कोहली ने केकेआर के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया । लक्ष्य का पीछा करने में उसका कोई सानी नहीं है।÷ उन्होंने कहा, ÷हर कोई बात कर रहा है कि यह सत्र अगली पीढी का है लेकिन कोहली ने दिखा दिया कि वह अभी भी है। उसने आलोचकों को शतक से जवाब दिया और आरेंज कैप की दौड़ में तीसरे नंबर पर पहुंच गया । उसने साबित कर दिया कि पुरानी पीढी अभी भी सर्वश्रेष्ठ है। उन्होंने कहा, टी20 शतकों के मामले में वह दस शतक के साथ क्रिस गेल और बाबर आजम के बाद तीसरे नंबर पर है। उसने टी20 क्रिकेट में सबसे तेजी से 14000 रन पूरे किये और आईपीएल में नौ शतक लगा चुका है । रिकॉर्ड टूटने के लिये बनते हैं लेकिन कोहली अगर मैच दर मैच, सत्र दर सत्र ऐसे ही खेलता रहा तो किसी को भी वहां तक पहुंचने में लंबा समय लगेगा। गावस्कर ने यह भी कहा कि केकेआर द्वारा कोहली का कैच टपकाना मैच का निर्णायक पल रहा। उन्होंने कहा, आरसीबी केकेआर मैच से पहले केकेआर कैच लपकने के मामले में बेहतरीन थी लेकिन यह कैच छोड़ना काफी महंगा पड़ा। अब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू की टीम आईपीएल अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है। इसके साथ ही उसके 16 अंक भी हो चुके हैं।

रणबीर कपूर की फिल्म रामायण पर एक्टर सैफ अली ने दी प्रतिक्रिया

मुंबई। अभिनेता सैफ अली खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'कर्तव्य' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में सैफ एक पुलिस ऑफिसर के किरदार में नजर आएंगे। इस बीच सैफ ने रणबीर कपूर की आगामी फिल्म 'रामायण' पर भी प्रतिक्रिया दी। साथ ही उन्होंने अपनी फिल्म 'आदिपुरुष' लेकर बात की और फिल्म की आलोचनाओं पर खुलकर अपनी राय रखी। अमर उजाला से खास बातचीत में जब सैफ से पूछा गया कि उनकी फिल्म आदिपुरुष को मिले निगेटिव रिस्पॉन्स और वीएफएक्स पर उठे सवालों के बाद क्या बॉलीवुड अब पौराणिक फिल्मों को लेकर ज्यादा सावधान हो गया है? खासकर तब जब नितेश तिवारी की 'रामायण' जैसी बड़ी फिल्म आने वाली है। इस पर सैफ अली खान ने बिना घुमाए सीधा जवाब देते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि लोग रामायण के आइडिया को बहुत प्यार करते हैं। रामायण पहले भी बनी है और आगे भी बनती रहेगी। मुझे एक फीलिंग है कि ये जो नई रामायण बन रही है, वो बहुत स्पेशल फिल्म होने वाली है।' सैफ ने आगे कहा, 'मैं रणबीर कपूर, यश, डायरेक्टर और पूरी क्रू को ऑल द बेस्ट कहना चाहता हूं। क्योंकि मुझे लगता है कि उन्होंने बहुत खास फिल्म बनाई है और लोग उसे देखने के लिए काफी एक्साइटेड होंगे।' भारतीय पौराणिक कहानियों को बड़े पर्दे पर उतारने पर सैफ ने कहा कि हमारी संस्कृति में बहुत सारी शानदार हिस्टोरिकल और माइथोलॉजिकल कहानियां हैं।

दुर्ग में 32058 वाटर स्ट्रक्चर बनकर तैयार, सदियों तक भूजल संरक्षण में बनेंगे 'मददगार'

कलेक्टर की पहल पर दुर्ग जिले में बूंद-बूंद पानी सहेजने की बड़ी मुहिम

हनीफ निजामी

दुर्ग/नवप्रदेश। पानी बचाने का ढोल भले ही हर साल पीटा गया हो, लेकिन दशकों में जल संरक्षण की दिशा में कभी गंभीरता से काम ही नहीं किया गया। राज्य निर्माण के बाद पहली बार दुर्ग जिले में जल संरक्षण की दिशा में गंभीरता से काम शुरू किया गया।

कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देश पर जिले में पानी बचाने की अनोखी मुहिम छेड़ी गई। कलेक्टर ने साफ निर्देश दिये, जहां जगह मिले, वहां बूंद बूंद पानी सहेजने की कवायद करो। नतीजे सार्थक रहे। पूरे जिले में 32 हजार से ज्यादा स्ट्रक्चर तैयार हो चुके हैं। ये स्ट्रक्चर भविष्य में सदियों तक भूजल स्तर बढ़ाने में काफी मददगार साबित होंगे। दरअसल, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पदभार संभालने के बाद से ही अफसरों को जल संरक्षण और वृक्षारोपण के जरिये पर्यावरण संरक्षण के लिये अभियान चलाने के निर्देश दिये। सीएम की मंशा के अनुरूप कलेक्टर अभिजीत सिंह ने पूरे जिले में अभियान शुरू किया।

कलेक्टर हर हफ्ते करते हैं महाअभियान की समीक्षा

जल संरक्षण की दिशा में चल रहे अभियान की कलेक्टर अभिजीत सिंह ने तकरीबन हर हफ्ते समीक्षा की। नतीजा ये रहा कि मोर गांव मोर पानी अभियान के तहत 23 हजार 889 कंटूर ट्रेंच बनाए गए। इसमें 18014 वाटर एब्जॉर्प्शन ट्रेंच और 5875 कंटूर ट्रेंच शामिल हैं। कम खर्च वाले 24 कार्य, 15 बोरवेल रिचार्ज, 3 चेकडेम, 7 गली प्लग, 3 नाला बंड, 18 ओपन वेल रिचार्ज (डगवेल), 7 परकोलेशन तालाब, 537 रिचार्ज पिट, 5 रिचार्ज शॉफ्ट, 817 रूफटॉप वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर, 6676 सोक पिट, 9 टैंक, 48 विलेज पॉण्ड के कार्य पूरे हो चुके हैं। इन संरचनाओं के माध्यम से वर्षा जल का संरक्षण कर भूजल स्तर में सुधार और स्थायी जल प्रबंधन को बढ़ावा मिलेगा। जिला प्रशासन द्वारा सभी नागरिकों से अपील की जा रही है कि वे अपने घरों और गांवों में अधिक से अधिक जल संरक्षण के स्ट्रक्चर बनाएं ताकि, इस महाभियान में भागीदारी के जरिये जल संचय का लक्ष्य पूरा किया जा सके।

गोल्डन बुक में रिकॉर्ड दर्ज

कलेक्टर के निर्देश पर शुरू की गई मुहिम का नतीजा ये रहा कि मोर गांव मोर पानी महाभियान ने दुर्ग जिले में जन आंदोलन का रूप ले लिया है। अभियान में ग्रामीणों ने स्वयं आगे बढ़कर श्रमदान किया। ग्रामीण इलाकों में बन रहे पीएम आवासों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर बनाने की मुहिम शुरू की गई। एकेच गोठ, एकेच बानी, बूंद-बूंद बचाबो पानी 2.0 जैसे अभियानों का नतीजा ये हुआ कि पीएम आवासों में मात्र दो घंटे के भीतर 1764 सोक पिट का निर्माण किया गया। यह रिकॉर्ड गोल्डन बुक में दर्ज किया गया। बाद में 12 हजार 418 सोक पिट का निर्माण किया गया। इस तरह पीएम आवासों में कुल 14 हजार 182 सोक पिट का निर्माण किया गया।

रेलवे प्रोजेक्ट पर डाकाः 42 लाख के 102 बिजली खंभे काटकर गायब

■ गैस कटर से चलता था 'ऑपरेशन', दो गिरफ्तार

कोरबा/नवप्रदेश। जिले में निर्माणाधीन रेलवे परियोजना से जुड़े करोड़ों के काम के बीच लोहे और विद्युत सामग्री की चोरी का एक बड़ा और संगठित खेल सामने आया है। बांकीमोंगरा थाना क्षेत्र में निर्माणाधीन रेलवे लाइन से करीब 42 लाख रुपए कीमत के 102 रेलवे विद्युत खंभे चोरी होने के मामले में कोरबा श्चश्चद्यद्बष्द्ग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में बांकीमोंगरा थाना का निगरानी बदमाश धरम सिंह राजपूत भी शामिल है, जबकि उसका साथी फिरोज उर्फ राजा खान कुसमुण्डा क्षेत्र का रहने वाला बताया गया है।

पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी सुनियोजित तरीके से रेलवे के भारी-भरकम विद्युत खंभों को गैस कटर से काटते थे, फिर उन्हें छोटे-छोटे टुकड़ों में ट्रक के जरिए बाहर भेजने की तैयारी की जाती थी। मामला केवल चोरी तक सीमित नहीं माना जा रहा, बल्कि इसके पीछे बड़े कबाड़ नेटवर्क और अंतरजिला सप्लाई चैन की आशंका भी जताई जा रही है। मामले की जांच के दौरान पुलिस को महत्वपूर्ण जानकारी अकलतरा क्षेत्र से मिली। यहां ट्रक क्रमांक ष्टत्र 10 क्र1744 में रेलवे विद्युत खंभों के कटे हुए टुकड़े बरामद किए गए। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर पूछताछ शुरू की तो पूरे गिरोह की परतें खुलनी शुरू हो गईं।

रेलवे लाइन निर्माण स्थल बना निशाना

जानकारी के मुताबिक आरएस इन्फा प्रोजेक्ट कंपनी द्वारा सुरकछार से सेन्दुरगढ़ पसान तक नई रेलवे लाइन के निर्माण कार्य के तहत ओवरहेड इलेक्ट्रिकल लाइन बिछाने का काम किया जा रहा है। इसके लिए उपयोग किए जाने वाले रेलवे विद्युत खंभों को बांकी 04 नंबर बायपास रोड स्थित बैचिंग प्लांट के पास डंप कर रखा गया था।जब कंपनी ने सामग्री का भौतिक सत्यापन कराया तो अधिकारियों के होश उड़ गए। मौके से 102 नग रेलवे विद्युत खंभे गायब मिले। प्रारंभिक आकलन में चोरी गए खंभों की कीमत 42 लाख 41 हजार 687 रुपए बताई गई। कंपनी प्रतिनिधि अनीश कुमार सिंह ने इसकी शिकायत थाना बांकीमोंगरा में दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने अपराध क्रमांक 35/2026 धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला कायम कर जांच शुरू की।

दो गाड़ियों की टक्कर के बाद मारपीट फिर लूट

रायपुर/नवप्रदेश। टिकरापारा थाना के पास बुधवार रात दो गाड़ियों की टक्कर के बाद हुए विवाद में एक युवक से 10 हजार रुपए और सोने की चेन लूट ली गई। घटना के बाद पीड़ित एफआईआर दर्ज कराने थाने पहुंचा, लेकिन रिपोर्ट दर्ज नहीं होने का आरोप लगाया है। जानकारी के अनुसार बुधवार रात करीब 9 बजे टिकरापारा थाना के पास दो गाड़ियों की टक्कर हो गई। हादसे में दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद शुरू हो गया। इस दौरान एक चालक की पिटाई भी की गई। भीड़भाड़ और हंगामे के बीच किसी युवक ने पीड़ित की जेब से 10 हजार रुपए और सोने की चेन निकाल ली।

महानदी में रेत माफिया पर बड़ी कार्रवाईः आरंग में 3 मशीनें जब्त

रायपुर/नवप्रदेश। प्रदेश में अवैध रेत खनन के खिलाफ सरकार ने सख्ती बढ़ा दी है। रायपुर जिले के आरंग क्षेत्र में महानदी से नियम विरुद्ध रेत उत्खनन करते हुए 3 चैन माउंटेन मशीनें पकड़ी गई। केंद्रीय खनिज उड़नदस्ता और जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने हरडीडीह गांव के पास औचक कार्रवाई कर मशीनों को जब्त कर सील कर दिया।

जांच के दौरान नदी में मशीनों के जरिए बड़े पैमाने पर अवैध उत्खनन सामने आया। इसके बाद खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 के तहत मौके पर कार्रवाई की गई। संबंधित संचालकों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। खनिज विभाग के अनुसार मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश के बाद प्रदेशभर में अवैध खनन, परिवहन और भंडारण पर निगरानी बढ़ाई गई है। सचिव और संचालक स्तर से लगातार मॉनिटरिंग हो रही है, जिसके चलते कई जिलों में कार्रवाई तेज हुई है। विभाग ने साफ संकेत दिए हैं कि बिना अनुमति खनन, पट्टा शर्तों के उल्लंघन या अवैध भंडारण करने वालों के खिलाफ अब सीधे कानूनी कार्रवाई होगी। आरंग की कार्रवाई को रेत माफिया के लिए बड़े संदेश के तौर पर देखा जा रहा है।

पेंशन मामले लंबित, प्रभारी पर कार्रवाई के निर्देश

रायपुर/नवप्रदेश। शिक्षा विभाग में रिटायर कर्मचारियों की पेंशन समय पर शुरू नहीं होने पर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने संबंधित सेक्शन प्रभारी अधिकारी पर अनुशासनात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने विभागीय कामकाज में लापरवाही पर नाराजगी जताई। कलेक्टोरेट के रेडक्रॉस सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने कहा कि पिछले महीने रिटायर हुए शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों की पेंशन अब तक शुरू नहीं हो सकी है। इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए उन्होंने जिला शिक्षा कार्यालय के संबंधित सेक्शन प्रभारी पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

35 फीट ऊंचे यूनीपोल पर चढ़ी युवती

रायपुर/नवप्रदेश। के शंकर नगर इलाके में बुधवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक युवती सड़क किनारे लगे करीब 35 फीट ऊंचे यूनीपोल पर चढ़ गई। युवती काफी देर तक पोल के ऊपरी हिस्से में बैठी रही, जिससे आसपास लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने उसे नीचे उतरने के लिए आवाज लगाई, लेकिन उसने किसी की बात नहीं सुनी। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस और दमकल विभाग को दी गई।

मौके पर पहुंची पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। युवती को सुरक्षित नीचे उतारने के लिए हाइराइज क्रेन मंगाई गई। क्रेन के जरिए टीम ऊपर पहुंची, जबकि कुछ जवान पोल में लगी सीढ़ियों के सहारे ऊपर चढ़े। रेस्क्यू टीम लगातार युवती को बातचीत में उलझाए रही, ताकि वह कोई खतरनाक कदम न उठाए। सुरक्षा के मद्देनजर नीचे नेट भी बिछाया गया। करीब 40 मिनट की मशक्कत के बाद टीम ने युवती को सुरक्षित नीचे उतार लिया। इसके बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस के अनुसार युवती की उम्र करीब 30 से 35 वर्ष के बीच है और वह मानसिक रूप से अस्वस्थ बताई जा रही है। उसकी पहचान अब तक नहीं हो सकी है और न ही कोई परिजन सामने आए हैं।

खुले यूनीपोल बन रहे खतरा

राजधानी में विज्ञापनों के लिए 80 से अधिक यूनीपोल लगाए गए हैं। इनमें सड़क किनारे बड़े यूनीपोल और डिवाइडरों पर मिनी यूनीपोल शामिल हैं। अधिकांश यूनीपोल की ऊंचाई 35 फीट से ज्यादा है और इनमें ऊपर चढ़ने के लिए लगी पतली सीढ़ियां खुली रहती हैं। यही वजह है कि अब ये लोगों, खासकर बच्चों और मानसिक रूप से अस्वस्थ लोगों के लिए खतरा बनते जा रहे हैं। शंकर नगर की घटना के बाद यूनीपोल की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। पुलिस ने सुझाव दिया है कि इन पोलों में लॉक सिस्टम लगाया जाए, आसपास सीसीटीवी कैमरे और लाइव मॉनिटरिंग की व्यवस्था हो, साथ ही चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं। पुलिस ने यूनीपोल लगाने वाली एजेंसियों की जवाबदेही तय करने और लापरवाही पर कार्रवाई की भी बात कही है।

राजधानी की बड़ी पार्किंगों में नहीं चलेगी मनमानी, 5 पार्किंग के लिए ई-टेंडर जारी

रायपुर/नवप्रदेश। नगर निगम ने शहर की बड़ी पार्किंगों में अवैध वसूली और गुंडागर्दी पर रोक लगाने के लिए सख्त कदम उठाए हैं। निगम ने जयस्तंभ चौक-कलेक्टोरेट मल्टीलेवल पार्किंग, सिंधी बाजार एमजी रोड, गांधी मैदान और जवाहर बाजार पार्किंग समेत पांच प्रमुख पार्किंग स्थलों के संचालन के लिए ई-टेंडर जारी कर दिए हैं। इस बार पार्किंग शुल्क भी पहले से तय कर दिया गया है, ताकि लोगों से मनमाने तरीके से वसूली न हो सके।

नगर निगम ने पहली बार पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए शासकीय जेम पोर्टल के माध्यम से ई-टेंडर आमंत्रित किए हैं। इससे पहले जोन कार्यालयों में बंद लिफाफों के जरिए टेंडर जमा किए जाते थे। अब इच्छुक एजेंसियां ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगी। निगम अधिकारियों के अनुसार टेंडर 1 जून शाम 5 बजे ऑनलाइन खोले जाएंगे और सभी पार्किंग ठेके एक वर्ष की अवधि के लिए दिए जाएंगे।

तय किए गए पार्किंग शुल्क

- एक माह साइकिल शुल्क - 75 रुपए
- एक माह दोपहिया शुल्क - 300 रुपए
- एक माह कार शुल्क - 1800 रुपए
- एक दिन साइकिल शुल्क - 5 रुपए
- एक दिन दोपहिया शुल्क - 10 रुपए
- चारपहिया वाहन के लिए प्रत्येक 4 घंटे - 20 रुपए

ई-टेंडर के लिए शुरुआती बोली राशि

- कलेक्टोरेट मल्टीलेवल पार्किंग - 16.75 लाख रुपए
- सिंधी बाजार पार्किंग, एमजी रोड - 5.14 लाख रुपए
- गांधी मैदान पार्किंग - 8.27 लाख रुपए
- (ठेका अवधि 1 जून 2026 से 31 मई 2027 तक)
- जवाहर बाजार पार्किंग, मालवीय रोड - 10.95 लाख रुपए
- (ठेका अवधि 20 सितंबर 2026 से 31 अगस्त 2027 तक)

मल्टीलेवल पार्किंग सबसे ज्यादा विवादों में

जयस्तंभ चौक और कलेक्टोरेट की मल्टीलेवल पार्किंग लंबे समय से विवादों में रही है। यहां गाड़ी चोरी, मारपीट और अवैध वसूली जैसी शिकायतें लगातार सामने आती रही हैं। निगम प्रशासन ने साफ किया है कि इस बार पार्किंग संचालन की जिम्मेदारी लेने वाली एजेंसियों को सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी और नियमों का उल्लंघन होने पर कार्रवाई की जाएगी।

व्यापारियों का विरोध भी दरकिनार

गोलबाजार के पास स्थित जवाहर बाजार पार्किंग को लेकर व्यापारियों और निगम प्रशासन के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। व्यापारी पार्किंग का संचालन स्वयं करना चाहते थे और पिछली बार उन्हें अतिरिक्त समय भी दिया गया था। हालांकि, इस बार निगम ने सख्ती दिखाते हुए जवाहर बाजार पार्किंग के लिए भी ई-टेंडर जारी कर दिया है। निगम का कहना है कि व्यापारियों के हाथ में संचालन होने के कारण व्यवस्था ठीक से नहीं चल पा रही थी।

डिप्टी सीएम से रजत पदक जीतने वाले खिलाड़ियों ने की मुलाकात

रायपुर/नवप्रदेश। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव से आज 6वीं फेडरेशन कप मिक्स्ड नेटबॉल चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाले खिलाड़ियों ने सौजन्य मुलाकात की। उन्होंने छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित करने वाली सफलता पर टीम के सभी खिलाड़ियों को बधाई दी। हैदराबाद में आयोजित 6वीं फेडरेशन कप मिक्स्ड नेटबॉल चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल तक का सफर तय किया। श्री साव से मुलाकात के दौरान टीम की मैनेजर एवं नेटबॉल संघ के पदाधिकारी भी मौजूद थे।

बेहतर सड़क, तेज परिवहन व बढ़ते रोजगार से आगे बढ़ रहा छत्तीसगढ़

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ ने विकास और सुशासन की दिशा में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। भारत सरकार के उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग द्वारा जारी LEADS 2025 रिपोर्ट में छत्तीसगढ़ को 'हाई परफॉर्मर' राज्य का दर्जा मिला है। यह उपलब्धि राज्य में बेहतर सड़क, परिवहन, व्यापार सुविधा और मजबूत लॉजिस्टिक्स व्यवस्था के कारण मिली है, जिसका सीधा लाभ आम जनता, किसानों, व्यापारियों और युवाओं को मिल रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य केवल उद्योगों का विकास नहीं, बल्कि आम लोगों के जीवन को आसान बनाना है। बेहतर सड़क और परिवहन व्यवस्था से किसानों की उपज तेजी से बाजार तक पहुंच रही है, व्यापार को गति मिल रही है और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर बन रहे हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में सुशासन, पारदर्शिता और तेज़ निर्णय प्रक्रिया के कारण निवेश बढ़ रहा है। राज्य सरकार गांव से शहर तक कनेक्टिविटी मजबूत करने, वेयरहाउसिंग सुविधाएं बढ़ाने और उद्योगों के लिए बेहतर वातावरण तैयार करने पर लगातार काम कर रही है। इससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिल रही है। उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने कहा कि राज्य में लॉजिस्टिक्स और परिवहन व्यवस्था को आधुनिक बनाया जा रहा है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक प्रधान संपादक यशवंत धोटे द्वारा, मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नंबर 74, सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया रायपुर, से मुद्रित कर तृतीय तल, सुपर मार्केट कॉम्पलेक्स, राजा रघुराज सिंह स्टेडियम के सामने अग्रसेन चौक, बिलासपुर से प्रकाशित, RNI NO.CHHHIN/2015/62431, संपादक-चन्द्रशेखर* (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी), स्थानीय संपादक-विक्रम सिंह ठाकुर, समाचार संपादक-संदीप दीवान, फोन नंबर : 07752-468654, navpradeshbilaspur01@gmail.com